हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 8, अंकः 231, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 22 फरवरी, 2024 दिन गुरुवार गाजीपुर/वाराणसी

शंभू बॉर्डर पर जबरदस्त तनाव

खनौरी बॉर्डर पर किसान की मौत, सरवण पंधेर बोले-केंद्र के प्रस्ताव पर विचार करेंगे

चंडीगढ़। केंद्र सरकार के प्रस्ताव को मानने से इनकार के बाद किसान आज दिल्ली कूच पर आमादा हैं। इसके लिए शंभू बॉर्डर पर हाईड्रोलिक क्रेन, जेसीबी व बुलेटप्रूफ पोकलेन जैसी भारी मशीनरी लाई गई है। वहीं हाईकोर्ट ने किसानों के कूच को रोकने के आदेश दिए हैं। जींद के दातासिंह वाला बॉर्डर पर पुलिस तथा किसानों के बीच हुए टकराव में एक किसान की गोली लगने से मौके पर ही मौत हो गई। किसान को माथे में गोली लगी है। इसके अलावा 20 से ज्यादा किसान घायल हो गए हैं।

काफी किसानों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है और उनको हरियाणा की तरफ ले आई है। काफी देर तक किसानों पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया। काफी किसान खेतों के रास्ते से बॉर्डर को पार करने की तैयारी कर रहे थे, जिस पर पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया। जिस किसान की मौत हुई है, वह खनौरी का बताया जा रहा है। फिलहाल उसके बारे में और कोई जानकारी हासिल नहीं हुई है। पुलिस लगातार आंसू गैस के गोले दाग रही है और लाठीचार्ज किया जा रहा है। पुलिस तथा किसानों के बीच लगातार टकराव जारी है। किसान जेसीबी के माध्यम से बॉर्डर पर लगे अवरोधक को हटाने की कोशिश कर रहे हैं। शंभू बॉर्डर पर किसानों की बैठक समाप्त हो गई है। किसान नेता सरवण सिंह पंधेर ने कहा कि वे केंद्र सरकार के प्रस्ताव पर विचार करेंगे। इस बारे में कुछ देर में पत्रकारवार्ता की जाएगी। भारतीय किसान यूनियन नेता राकेश टिकैत ने यूपी के मेरठ में किसानों के विरोध प्रदर्शन के दौरान कहा कि हम एमएसपी गारंटी कानून और अन्य मुद्दों पर डीएम कार्यालय के सामने विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। हम कल एसकेएम की बैठक में अपनी भविष्य की कार्रवाई तय करेंगे। पंजाब के मंत्री डॉ. बलबीर सिंह ने कहा कि सीमा पर स्थिति बहुत तनावपूर्ण है क्योंकि सरकार और किसानों के बीच बातचीत का कोई नतीजा नहीं निकला है। मैं अपील करता हूं कि किसान शांति बनाए रखें। मैं हरियाणा सरकार और प्रशासन के साथ-साथ केंद्र सरकार से भी आग्रह करता हूं कि उन्हें शांतिपूर्ण विरोध मार्च का उनका सांविधानिक अधिकार दिया जाए और उन्हें दिल्ली जाने की अनुमति दी जाए...सीएम ने मुझे जिम्मेदारी दी है और हमने सभी सीमावर्ती जिलों के अस्पतालों में सभी व्यवस्थाएं कीं। मैं सभी से संयम बरतने और शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मांगें रखने का आग्रह करता हूं। पुलिस ने किसान आंदोलन-2 को लेकर कुंडली-सिंधु बॉर्डर पर सुरक्षा और बढ़ा दी है। दिल्ली पुलिस ने सिंघु क्षेत्र में दो लेयर सुरक्षा और बढ़ाई है। पत्थर के बैरिकेड पर चार अलग-अलग कंटीले तार लगाए गए हैं। बैरिकेड को कंक्रीट की तीन फीट की दीवार बनाकर पक्का कर दिया गया है। किसानों के आंदोलन के चलते पुलिस फोर्स और अर्धसैनिक बलों ने टेंट लगा दिए हैं। जींद के दातासिंह वाला बॉर्डर पर दोपहर लगभग एक बजे पुलिस और किसानों के बीच टकराव हो गया। यहां पंजाब की तरफ से किसान बॉर्डर की तरफ बढ़ने लगे तो पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागे और वाटर कैनन से पानी की बौछार शुरू कर दी। इसमें लगभग 12 किसान घायल हो गए हैं। उनको एंबुलेंस द्वारा अस्पतालों में भिजवाया जा रहा है। खनौरी बॉर्डर पर भारी पुलिस फोर्स तैनात है। किसान भी ट्रैक्टरों के अलावा जेसीबी व पोकलेन मशीनें लेकर पहुंच रहे हैं। किसान किसी भी सूरत में पीछे हटने को तैयार नहीं हैं। दूसरी तरफ जींद-पटियाला हाईवे पर किसानों ने उचाना में भी पक्का मोर्चा शुरू कर दिया है। पंजाब के किसानों को हर मदद का ऐलान किया गया है। खटकड़ टोल प्लाजा को भी वाहनों के लिए फ्री किया जा चुका है। शंभू पर हरियाणा पुलिस की तरफ से आंसू गैस के गोले छोड़े जा रहे हैं वहीं किसानों की तरफ से आतिशबाजी की जा रही है। शंभू बॉर्डर पर फिर आंसू गैस के गोले दागे गए हैं। पटियाला प्रशासन ने किसान संगठनों को बातचीत के लिए बुलाया है। प्रशासन के अधिकारियों और किसान नेताओं के साथ बातचीत शुरू हो गई है। प्रशासन की तरफ से पटियाला के कमिश्नर डीएस मांगट, डिप्टी कमिश्नर शौकत अहमद, डीआईजी हरचरण सिंह भुल्लर, एसएसपी वरुण शर्मा शामिल हैं। जबकि किसान नेताओं में जगजीत सिंह डल्लेवाल, सरवन सिंह पंधेर, रमनदीप सिंह आदि शामिल है।

नहीं रहे सुप्रीम कोर्ट के दिग्गज वकील फली एस नरीमन

नई दिल्ली। भारत के दिग्गज वकीलों में से एक फली एस नरीमन का निधन हो गया है। उन्होंने आज (21 फरवरी) 95 की उम्र में अंतिम सांस ली। उनके कार्यालय ने यह जानकारी दी है। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी सरकार के दौरान वो एडिशनल सॉलिसिटर जनरल रहे। फली नरीमन ने कई ऐतिहासिक मामलों में बहस की, जिसमें राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग का प्रसिद्ध मामला भी शामिल था, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने रद्द कर दिया था। 10 जनवरी, 1929 को जन्मे नरीमन ने 1972 और 1975 के बीच अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल के रूप में कार्य किया। उन्होंने आपातकाल के दौरान इस पद से इस्तीफा दे दिया। फली नरीमन को जनवरी 1991 में पद्म भूषण मिला और 2007 में उन्हें पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया। उनके बेटे रोहिंटन नरीमन, सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश थे। उनके निधन शोक प्रकट करते हुए सुप्रीम कोर्ट के वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने एक्स पर लिखा," वे एक लिविंग लीजेंड थे, जिन्हें कानून और सार्वजनिक जीवन से जुड़े लोग हमेशा याद करेंगे। अपनी उपलब्धियों के अलावा, वह अपने सिद्धांतों पर अटल रहे।"

'2030 तक द्विपक्षीय व्यापार होगा दोगुना', ग्रीक पीएम मित्सोटाकिस की भारत यात्रा को मोदी ने बताया ऐतिहासिक

नई दिल्ली। ग्रीस के प्रधानमंत्री किरियाकोस मित्सोटाकिस नई दिल्ली पहुंचे। राष्ट्रपति भवन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनका स्वागत किया और उन्हें औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इस बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ग्रीक प्रधानमंत्री क्यारीकोस मित्सोटाकिस के बीच प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता भी हुई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ग्रीस के प्रधानमंत्री क्यारीकोस मित्सोटाकिस के साथ संयुक्त प्रेस वार्ता में कहा, 'प्रधानमंत्री मित्सोटाकिस और उनके प्रतिनिधिमंडल का भारत में स्वागत करते हुए मुझे बहुत खुशी हो रही है।

पिछले वर्ष मेरी ग्रीस यात्रा के बाद उनकी यह भारत यात्रा दोनों देशों के बीच मजबूत होती रणनीतिक साझेदारी का संकेत है और 16 वर्षों के बाद ग्रीस के प्रधानमंत्री का भारत आना अपने आप में एक ऐतिहासिक उत्सव है। हमारी आज की चर्चाएं बहुत सार्थक रहीं।' पीएम मोदी ने कहा 'आज की बैठक में हमने कई क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा की। हम सहमत हैं कि सभी विवादों और तनावों का समाधान वार्ता और कूटनीति से ही किया जाना चाहिए। हम इंडो-पैसिफिक में ग्रीस की भागीदारी और सकारात्मक भूमिका का स्वागत करते हैं। भारत और ग्रीस वैश्विक शांति और स्थिरता में योगदान देने के लिए अपने प्रयासों को जारी रखेगा।' पीएम मोदी ने आगे कहा कि हमने दोनों देशों के रक्षा उद्योगों को आपस में जोड़ने पर सहमति जताई है।

आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत और ग्रीस की चिंताएं और प्राथमिकताएं समान हैं। हमने इस क्षेत्र में अपने सहयोग को और अधिक मजबूत करने पर विस्तारपूर्वक चर्चा की है। वहीं, पीएम मोदी के साथ बातचीत के बाद ग्रीक पीएम क्यारीकोस मित्सोटाकिस ने कहा, 'भारत-मध्य पूर्व-यूरोप कॉरिडोर (आईएमईसी) के माध्यम से, हम अपनी भागीदारी को इस रणनीतिक साझेदारी के एक बहुत ही महत्वपूर्ण पहलू के रूप में देखते हैं। लेकिन निश्चित रूप से, जैसा कि हमने चर्चा की, इसे हासिल करने के लिए, हमें मध्य पूर्व में शांति की आवश्यकता है और स्थिरता हर परियोजना के लिए आवश्यक शर्त है।'

इससे पहले आज विदेश मंत्री एस जयशंकर ने ग्रीस के प्रधानमंत्री क्यारीकोस से मुलाकात की। जयशंकर ने कहा कि वह भारत और ग्रीस के बीच संबंधों को बढ़ाने के लिए मित्सोटाकिस की प्रतिबद्धता को महत्व देते हैं। मित्सोटाकिस मंगलवार देर रात दिल्ली पहुंचे। केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी ने एयरपोर्ट पर ग्रीस के पीएम का स्वागत किया। विशेष रूप से, मित्सोटाकिस आज से शुरू होने वाले तीन दिवसीय रायसीना डायलॉग 2024 में मुख्य अतिथि और मुख्य वक्ता हैं।

यूपी गेट पर भारी पुलिस बल तैनात, गोपाल राय बोले- किसानों को मिले प्रदर्शन की अनुमति

नई दिल्ली। किसानों के दिल्ली कूच की घोषणा के बाद सभी बॉर्डरों पर सुरक्षा व्यवस्था को बढ़ा दिया गया है। केंद्र सरकार के प्रस्ताव को मानने से इनकार के बाद किसान ने यह फैसला लिया। दिल्ली कूच की वजह से ट्रैफिक व्यवस्था भी प्रभावित हो सकती है। भाकियू अध्यक्ष चौधरी नरेश टिकैत या राष्ट्रीय प्रवक्ता चौधरी राकेश टिकैत ट्रैक्टर मार्च में शामिल होकर मेरठ पहुंचे। उन्होंने कहा कि किसान आंदोलन के समर्थन में पूरे देश का किसान एकजुट है। हम किसानों के लिए कहीं भी जाने को तैयार हैं। कहा कि किसानों के लिए दिल्ली दूर नहीं है। गाजियाबाद में किसान ट्रैक्टर लेकर जिला मुख्यालय पहुंच रहे हैं। वहीं पुलिस ने मुख्यालय के अंदर ट्रैक्टर ले जाने से किसानों को रोक दिया है। इसके बाद वहीं कलेक्ट्रेट परिसर में धरने पर बैठ गए हैं। किसानों के दिल्ली चलो आंदोलन के बीच भारतीय किसान यूनियन ने 15 सूत्रीय मांग पत्र राष्ट्रपति को संबोधित

ज्ञापन उप जिलाधिकारी को सौंप दिया है। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने किसान मार्च को लेकर कहा कि केंद्र सरकार को दो काम करने की जरूरत है। पहला है उसे एमएसपी पर एक कानून पर अपना वादा पूरा करना चाहिए जो उसने कुछ साल पहले बनाया था। दूसरा है किसानों को दिल्ली में शांतिपूर्वक विरोध करने की अनुमति दी जानी चाहिए। जब तक कि चर्चा पूरी न हो जाए। किसानों के दिल्ली चलो आंदोलन के बीच गाजियाबाद के यूपी गेट पर पुलिस के साथ भारी सुरक्षाबल तैनात है। यूपी गेट पर बेरिकेडिंग के पास पुलिस बल को तैनात किया गया है। ताकि किसानों को दिल्ली में प्रवेश करने से रोका जा सके। दिल्ली से सटे गाजियाबाद में किसानों का धरना प्रदर्शन होगा। जिसके चलते पुलिस ने कलेक्ट्रेट के बाहर बैरिकेट्स लगाए गए हैं। जिसके चलते सुरक्षा के पुख्ता इंतेजामत किए गए हैं। पंजाब से किसानों का दिल्ली चलो आंदोलन शुरू हो चुका है। जिसके बाद पंजाब हरियाणा के शंभू बॉर्डर पर आंसू गैस के गोले छोड़े गए हैं। प्रदर्शनकारियों पर आंसू गैस के गोले छोड़े गए हैं।

संदेशखाली हिंसा पर विपक्ष और राज्य सरकार पर भड़के रविशंकर, कहा- नारी सम्मान को लेकर यही उनका स्तर है

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में संदेशखाली हिंसा को लेकर भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने राज्य सरकार के साथ इंडिया गठबंधन को भी आड़े हाथों लिया। उन्होंने संदेशखाली हिंसा को गंभीर मुद्दा बताया है। संदेशखाली की महिलाओं पर हुए अत्याचार पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की चुप्पी पर भी निशाना साधा है। रविशंकर प्रसाद ने कहा, "महिलाओं के साथ होने वाले अपमानजनक व्यवहार और यौन उत्पीड़न के बारे में जो बाते सामने आई है, वह हमारे समाज और लोकतंत्र के लिए शर्मनाक है। ममता बनर्जी अब भी इसका बचाव क्यों कर रही हैं? इस मामले में एक पत्रकार को भी गिरफ्तार किया गया है। ममता बनर्जी आखिर क्या छिपाना चाहती हैं और क्यों? वह खुद एक महिला है और अपनी प्रतिष्ठा बचाने के लिए वह अन्य महिलाओं के सम्मान को खतरे में डाल रही है। क्या उनका जमीर मर गया है?" उन्होंने अन्य पार्टियों पर निशाना साधते हुए कहा, "अन्य पार्टियां चुप क्यों हैं? मैंने सुना है कि सीपीआई(एम) की एक महिला नेता ने हिंसाग्रस्त क्षेत्र का दौरा किया, लेकिन उन्होंने इसका कोई औपचारिक विरोध नहीं किया। पार्टी भी इस मामले में चुप है। राहुल गांधी भी इस मुद्दे पर चुप है।" इंडिया गठबंधन पार्टियों पर भड़कते हुए भाजपा नेता ने कहा, "देश की बहनों, बेटियों की आबरू लूटी गई फिर भी वे (इंडिया गठबंधन) खामोश हैं, यह उनका नारी

सम्मान को लेकर स्तर दिखाता है।" पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले में स्थित गांव संदेशखाली इन दिनों भारी विरोध प्रदर्शन का गवाह बन रहा है। दरअसल गांव की महिलाओं ने बीते दिनों आरोप लगाए थे कि टीएमसी नेता शाहजहां शेख और अन्य टीएमसी नेताओं ने उनकी जमीनों पर कब्जा कर लिया और कुछ महिलाओं ने टीएमसी नेताओं पर यौन शोषण के भी आरोप लगाए थे।

सपा व कांग्रेस के बीच गठबंधन का रास्ता साफ, 17 सीटों पर चुनाव लड़ेगी कांग्रेस

लखनऊ। समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के बीच गठबंधन को लेकर फिर एक दौर की बात हुई है। कांग्रेस 17 सीटों पर चुनाव लड़ने के लिए तैयार है बशर्ते समाजवादी पार्टी उसे श्रावस्ती और लखीमपुर खीरी सीट दे दे। सूत्रों का कहना है कि समाजवादी पार्टी के शीर्ष नेतृत्व और कांग्रेस हाई कमान के बीच बुधवार सुबह सीटों को लेकर एक बार फिर बातचीत हुई है। कांग्रेस ने 17 सीट पर चुनाव लड़ने पर सहमति जताई है लेकिन कांग्रेस चाहती है कि लखीमपुर खीरी और श्रावस्ती सीट उसे दी जाए। इसके एवज में वह पश्चिमी उत्तर प्रदेश की बुलंदशहर सीट छोड़ने को तैयार हैं। सूत्रों का कहना है कि इस प्रस्ताव पर समाजवादी पार्टी ने विचार कर बृहस्पतिवार को अंतिम फैसला सुनाने की बात कही है। दोनों दलों के बीच सीटों को लेकर बना गतिरोध कल रात तक जारी रहा जिसके कारण सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव घोषणा करने के

बावजूद रायबरेली में राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा में शामिल नहीं हुए। न्याय यात्रा मंगलवार को अमेठी, रायबरेली से होते हुए लखनऊ आई और बुधवार सुबह उन्नाव के लिए रवाना हो गई। लखनऊ में भी राहुल की यात्रा में सपा का कोई प्रतिनिधि शामिल नहीं हुआ। इससे यह मान लिया गया था कि यूपी में भी इंडिया गठबंधन टूट गया है। सपा ने भी मंगलवार देर शाम 11 प्रत्याशियों की घोषणा कर दी थी। इसमें वाराणसी सीट पर भी अपना प्रत्याशी उतार दिया जो कि पहले कांग्रेस को देने की बात कही गई थी। हालांकि, कांग्रेस के सहमत हो जाने के बाद कहा जा सकता है कि यूपी में इंडिया गठबंधन बना रहेगा। सपा ने मंगलवार को प्रत्याशियों की तीसरी सूची जारी की थी। सपा की पहली सूची 30 जनवरी को सामने आई थी। जिसमें 16 उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की गई थी। इसके बाद 19 फरवरी को दूसरी और 20 फरवरी को तीसरी सूची जारी की। सपा ने अब तक यूपी की 80 लोकसभा सीट पर 31 उम्मीदवार घोषित कर दिए हैं।

सीवान से उज्बेकिस्तान काम करने गए मजदूरों पर गिरा शेड, कई लोगों की दब कर मौत, 12 से अधिक घायल

सीवान। बिहार के सीवान से उज्बेकिस्तान में काम करने गए मजदूरों पर शेड गिरने से कई लोगों की मौत हो गई। इस हादसे में 12 से अधिक लोग घायल हैं और कई मजदूर शेड के नीचे दबे बताए जा रहे हैं। जानकारी के मुताबिक, सीवान और आसपास के जिलों से भारी संख्या में मजदूर उज्बेकिस्तान के एक जिले अल मलिक मोफतीन में काम करने गए थे। जहां भारी बर्फबारी के बीच एक वर्कशॉप इंटर इंजीनियरिंग कंपनी में भी काम चल रहा था। इसी बीच अचानक इंटर इंजीनियरिंग कंपनी का शेड गिर गया, जिसमें नीचे काम कर रहे मजदूर दब गए। करीब 80 मजदूरों के शेड के नीचे दबे होने की बात सामने आ रही है। वहां पर जिन मजूदरों को बचाया गया है, उन लोगों ने वीडियो बनाकर भारत में रह रहे अपने परिजनों को भेजा। यहां भेजे गए वीडियो के मुताबिक कई लोग घायल हो गए हैं। वहीं, करीब 80 मजदूर ऐसे हैं जो अभी भी उसमें दबे हुए हैं। फिलहाल कंपनी के लोग मदद लेकर पहुंचे और लोगों बचाने के लिए रेस्क्यू कर रहे हैं। वहीं, मजदूरों के परिजन इस हादसे से बहुत डरे हुए हैं।

जानकारी के अनुसार, उज्बेकिस्तान में बिहार और उत्तर प्रदेश से काम करने पहुंचे मजदूर पर एक कंपनी का शेड गिरने से लगभग 80 मजदूर दब गए हैं। उनमें सीवान, गोपालगंज और उत्तर प्रदेश के कुशीनगर के लोग बताए जा रहे हैं। वहां पर काम करने वाले सीवान जिले के लकड़ी नवीगंज के कपरीपुर के रहने वाले चंचल कुमार सिंह और जीबी नगर थाना क्षेत्र के बाबू टोला निवासी चंदन राय के अनुसार यह घटना मंगलवार की है। जब कंपनी के काम के दरम्यान शेड गिर जाने से 80 लोग दब गए, जिसमें 12 से ज्यादा मजदूरों की मौत की सूचना है। लेकिन मृतकों के नाम पता नहीं चल सके हैं। वहीं, सबसे ज्यादा मरने वालों की संख्या सीवान, गोपालगंज और यूपी के कुशीनगर के लोगों की बताई जा रही है।

सरकार ने किसान संगठनों को फिर दिया बातचीत का न्योता, कृषि मंत्री बोले- शांति बनाए रखना जरूरी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार और किसान संगठनों के बीच अब तक एमएसपी समेत कई अन्य मुद्दों को सुलझाने के लिए फॉर्मूले पर सहमति नहीं बन पाई है। इस बीच कृषि मंत्री अर्जुन मुंडा ने एक बार फिर किसानों को पांचवें दौर की बातचीत का न्योता दिया है। उन्होंने चौथे दौर में दोनों पक्षों के बीच हुई बातचीत का भी ब्योरा दिया। मुंडा ने कहा, "चौथे दौर तक की बातचीत होने के बाद किसान संगठनों की ओर से जो प्रतिक्रिया आई उसे संज्ञान में लेते हुए हम पांचवे दौर की बैठक और एमएसपी की मांग, फसल विविधीकरण, पराली का विषय जैसे मुद्दों पर बातचीत के लिए तैयार हैं। मेरी अपील है कि वे शांति बनाएं रखें और हमारी कोशिश है कि वार्ता से समाधान निकले।" गौरतलब है कि किसानों के 21 फरवरी से फिर दिल्ली कूच के एलान पर अर्जुन मुंडा ने मंगलवार को भी प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने कहा था कि किसान नेताओं ने एमएसपी पर सरकार के प्रस्ताव को ही खारिज कर दिया है। मैं किसानों और किसान संगठनों से शांति बनाए रखने की अपील करता हूं। साथ ही उन्होंने मुद्दों के समाधान के लिए चर्चा करने की बात की। उन्होंने किसानों से अपील में कहा था कि हमें मुद्दे पर चर्चा करते रहना चाहिए, हम सभी शांति चाहते हैं और हम सबको मिलकर समस्या का समाधान निकालना है। केंद्रीय कृषि मंत्री अर्जुन मुंडा ने कहा कि हमारी सरकार की ओर से चर्चा की कोशिशें की गई, कई प्रस्तावों पर भी चर्चा हुई। हमें बाद में पता चला कि किसान प्रस्ताव से खुश नहीं है।

किसान संगठनों से अपील करते हुए उन्होंने कहा कि हमें समाधान के लिए चर्चा जारी रखनी होगी क्योंकि शांतिपूर्वक तरीके से हमें समाधान निकालना होगा। संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) और किसान मजदूर मोर्चा (केएमएम) सहित आंदोलनकारी किसान संगठनों ने केंद्र द्वारा रखे गए प्रस्ताव को खारिज कर दिया है। वार्ता का हिस्सा रहे किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल ने सरकार की मंशा पर संदेह जताया है। डल्लेवाल ने सरकार को सभी 23 फसलों को कवर करते हुए एमएसपी के लिए एक व्यापक फॉर्मूला तैयार करने की आवश्यकता पर जोर दिया। डल्लेवाल ने कहा कि वह फसलों पर एमएसपी की कानूनी गारंटी के लिए किसी प्रकार के कॉन्ट्रैक्ट की प्रक्रिया में शामिल नहीं होंगे। डल्लेवाल ने कहा कि उन्होंने सभी किसान संगठनों के साथ बातचीत की, लेकिन पांच फसलों पर पांच साल के लिए कॉन्ट्रैक्ट वाले प्रस्ताव पर सहमति नहीं बन पा रही। 13 फरवरी से शुरू हुए किसान आंदोलन में किसान संगठनों की सबसे बड़ी मांग न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी एमएसपी को लेकर है। उनका कहना है कि स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट के अनुसार फसलों पर एमएसपी मिले। पिछले किसान आंदोलन में भी यह मांग प्रमुख थी। समाधान पर चर्चा के लिए अंतिम वार्ता 18 फरवरी को हुई थी। इसमें सरकार की ओर से केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल, अर्जुन मुंडा और नित्यानंद राय ने हिस्सा लिया। पीयूष गोयल के मुताबिक, सरकार ने मिलकर एक बहुत ही सुलझा हुआ विचार प्रस्तावित किया।

'नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान..., कानपुर में मोदी सरकार पर जमकर बरसे राहुल

कानपुर। राहुल गांधी घंटाघर आते ही सीधे जनसभा मंच पर पहुंचे व बोलने लगे कहा कि एक साल पहले चार हजार किलोमीटर चले। जनता के साथ गले लगते थे सेल्फी लेते थे। वैसा ही लक्ष्य इस यात्रा में है। हम 15 से 20 मिनट बोलते हैं। लोग पूछते थे कि उत्तर प्रदेश, बिहार का क्या होगा तभी हम फिर आज यहां खड़े हैं। इस बार भी कांग्रेस नेता का संबोधन पहले जैसा ही रहा, कोई नई बात नहीं थी। घंटाघर चौराहा का एक कोना ही भरने से फ्लाप शो जैसी स्थिति दिखी। उन्होंने नौ मिनट के संबोधन में अपनी बात रखी और दिल्ली के लिए निकल गए।

उन्होंने कहा, नफरत की बाजार में मोहब्बत की दुकान लेकर आए हैं। यह देश नफरत नहीं, भाईचारा, मोहब्बत एक-दूजे की मदद का है। नफरत करने का कारण लोगों से पूछा तो पता चला कि पिछड़े, दलित, आदिवासी हो तो कुछ भी कर लो न्याय नहीं मिलेगा। पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों से न्याय नहीं मिल सकता, नेता भी साथ नहीं देंगे। नफरत व गुस्से का यही कारण है। पिछड़े लोग इस देश मे 50 प्रतिशत हैं। अल्पसंख्यक 15 प्रतिशत, आठ प्रतिशत आदिवासी हैं। करीब 90 प्रतिशत आबादी परेशान है। बड़ी कंपनियों में मालिक हैं जो उनमें दलित आदिवासी एक भी नहीं हैं। आपकी कोई भागीदारी कहीं नहीं है। इसीलिए सबसे कहा है कि हिंदुस्तान की प्रगति के लिए सबसे बड़ा क्रांतिकारी कदम जातिगत जनगणना और आर्थिक सर्वेक्षण है। इससे सबका पैसा पता चलेगा। इससे पता चलेगा कि अदाणी, अंबानी टाटा व बिरला जैसे राज कर रहे हैं।

संपादकीय

इंटरनेट पर बंदिश

हालिया किसान आंदोलन के चलते हरियाणा व पंजाब में इंटरनेट पर लगी पाबंदी से एक बार फिर सवाल उठा है कि क्या कानून-व्यवस्था बनाये रखने के नाम पर लाखों नागरिकों का जीवन बाधित किया जा सकता है? सही मायनों में आधुनिक युग में इंटरनेट जीवन प्रवाह का पर्याय बनकर उभरा है। यहां तक कि एक मामले में सुप्रीम कोर्ट भी टिप्पणी कर चुका है कि इंटरनेट के माध्यम से सूचना तक पहुंच भारतीय संविधान के तहत दिया गया एक मौलिक अधिकार है। एक मामले में कोर्ट ने कहा कि यदि सरकार कानून व्यवस्था के नाम पर इंटरनेट के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाती है तो वह अस्थायी, एक दायरे में सीमित, कानूनी तौर पर वैध और अपरिहार्य होना चाहिए। एक संसदीय समिति ने भी अपनी रिपोर्ट में इंटरनेट प्रतिबंध से जुड़े सरकार के फैसलों पर सवालिया निशान लगाते हुए इस मामले में ज्यादा पारदर्शिता अपनाने की जरूरत बतायी। हालांकि, अक्सर सरकार की दलील होती है कि यह प्रतिबंध सुरक्षा-कानून व्यवस्था को बनाये रखने के लिए लगाया गया। वैसे भारत समेत दुनिया के तमाम देशों में यह बहस पुरानी है कि इंटरनेट पर प्रतिबंध कब और क्यों लगाया जाना चाहिए। दरअसल, इससे न केवल नागरिकों की दिनचर्या बुरी तरह प्रभावित होती है बल्कि कारोबार को भी करोड़ों का नुकसान उठाना पड़ता है। आजकल जब छात्र बोर्ड की परीक्षाओं में लगे हैं तो उनकी परेशानियों का अंदाजा लगाना कठिन नहीं है। देश के विभिन्न भागों में गाहे-बगाहे लगने वाले इंटरनेट प्रतिबंधों को दुनिया में बड़ी गंभीरता से लिया जाता है और इसे गैर-लोकतांत्रिक कदम के तौर पर देखा जाता है। हाल के वर्षों में भारत में इंटरनेट पर प्रतिबंध लगाने की प्रवृत्ति इतनी अधिक देखी गई है कि भारत को इंटरनेट शटडाउन का बादशाह तक कह दिया जाता है। बताते हैं कि वर्ष 2021 में दुनिया में इंटरनेट प्रतिबंध के जो 182 मामले दर्ज किये गए, उसमें 106 भारत में हुए। एक समय था कि सड़कों पर आवाजाही बंद होने और परिवहन सेवा-बाजार बंद होने को जन-जीवन ठप होना कहा जाता है। लेकिन यदि आज इंटरनेट बंद हो जाए तो सही मायनों में जन-जीवन ठप हो जाता है। अभिव्यक्ति और मनोरंजन से इतर इंटरनेट सेवा बंद होने से सबसे बड़ी आर्थिक चोट पहुंचती है। एक घंटे इंटरनेट बंद होने से करोड़ों का नुकसान होता है। एक तरफ तो सरकार डिजिटल इंडिया की कामयाबी पर इतराती है। लोगों को ज्यादा से ज्यादा बैंकिंग, कारोबार, लेन-देन और पढ़ाई को ऑनलाइन करने की दुहाई देती है। वहीं दूसरी ओर एक झटके में इंटरनेट पर प्रतिबंध लगा देती है। भले ही इंटरनेट और अन्य कंपनियों में पश्चिमी देशों के अपने आर्थिक हित निहित होते हैं। उनके मानवाधिकार के पैमाने अपने होते हैं। अमेरिका में अश्वेत आंदोलन के दौरान इंटरनेट पर अपरोक्ष रूप से प्रभाव डाला गया। एक पर्यावरण आंदोलन के दौरान ब्रिटेन में भी प्रतिबंध देखा गया। लेकिन इसके बावजूद उनका तर्क होता है कि इंटरनेट शटडाउन गैर-कानून और मानवाधिकारों का उल्लंघन है। भारत में खासकर जम्मू-कश्मीर में लंबे-लंबे इंटरनेट प्रतिबंधों पर वैश्विक स्तर पर सवाल उठते रहे हैं। वहीं सरकार का तर्क होता है कि प्रतिबंध की वजह चरमपंथियों के विरुद्ध होने वाले अभियान, अशांति फैलाने व राष्ट्रविरोधी गतिविधियों पर अंकुश लगाने के मकसद से लगाया जाता है। वहीं आलोचक इन तर्कों को सही नहीं ठहराते हैं क्योंकि इससे किसी के मौलिक अधिकारों का अतिक्रमण होता है। साथ ही यह भी कि इसके फायदे कम और नुकसान ज्यादा होते हैं। लंबे प्रतिबंध से जहां करोड़ों लोग प्रभावित होते हैं, वहीं अरबों रुपये का नुकसान भी होता है। विगत में देखा गया है कि नागरिकता संशोधन विधेयक, किसान आंदोलन और कश्मीर में कई मौकों पर लंबे इंटरनेट प्रतिबंध लगे। जहां एक ओर राजनीति प्रेरित इंटरनेट प्रतिबंध की आलोचना होती है और इसे लोकतंत्र के लिये चुनौती बताया जाता है, वहीं सरकार दुष्प्रचार और साइबर हमलों को रोकने की दलील देती है। पश्चिमी देश मानते हैं कि साइबर स्पेस लोकतांत्रिक मूल्यों को बढ़ावा देने वाला होना चाहिए। वहीं कुछ सरकारें सोशल मीडिया कंपनियों की वजह से छोटे देशों के लोकतंत्र पर आने वाले खतरों की जवाबदेही तय करने की बात भी करती हैं।

बदल रही तस्वीर!

संगठन में इनके लगता ।
आ रही दरार ।।
फिर भी होगा देखना ।
कौन पहनता हार ।।
धीरे धीरे शायद ।
बदल रही तस्वीर ।।
खबर रही है उड़ ।
हैं सारे ही वीर ।।
हारते ना हिम्मत हैं ।
ना खुले बस पोल ।।
एक दूसरे को भले ।
रहें घुमाते गोल ।।
शानदार अंदाज है ।
पर अंदर कोहराम ।।
रुक रुक कर कभी कभी ।
है आता पैगाम ।।

–कृष्णेन्द्र राय

भजन लाल शर्मा ने मुख्यमंत्री बनते ही भ्रष्टाचार पर करारा वार कर भ्रष्टाचारियों की नींद उड़ा दी है

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

अवैध खनन, परिवहन और भण्डारण की समस्या किसी एक प्रदेश की नहीं होकर समूचे देश में नासूर की तरह फैलती जा रही है। देश के लगभग हर कोने से आए दिन अवैध खनन के समाचार देखने को मिल जाते हैं। उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार, पंजाब, हरियाणा, ओडिशा, झारखंड, छत्तीसगढ़ व राजस्थान में बजरी व अन्य खनिज के अवैध खनन और परिवहन के समाचारों के साथ ही बजरी माफिया के कारण आये दिन होने वाली दुर्घटनाएं आम हैं। बेशकीमती खनिजों का अवैध खनन और सरकार के रवन्ना से अधिक खनन और परिवहन भी आम है। अवैध खनन गतिविधियों के चलते सरकारों को कई मोर्चों पर जूझना पड़ता है। एक तो अवैध खनन, ऊपर से खनन माफियाओं की खुले आम दादागिरी, सरकार को राजस्व का नुकसान और खनन सुरक्षा मानकों की पालना नहीं करने से आये दिन होने वाली दुर्घटनाएं और खनिज परिवहन के दौरान छिपने छिपाने के चक्कर में लोगों की जान लेने का खेल अलग होता है। अवैध खनन गतिविधियों और खनन माफियाओं की दादागिरी के चलते सरकार को आये दिन परेशानी का सामना करना पड़ता है। पर इसका हल निकालने के लिए सरकारों द्वारा ठोस प्रयास नहीं किये जाते और इसका कारण भी प्रेशर ग्रुपों का होना है। ऐसे में राजस्थान की नई नई भाजपा की भजन लाल शर्मा द्वारा काम संभालते ही अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ जिस तरह से अभियान चलाकर ठोस कार्यवाही की है वह वास्तव में वर्तमान राजनीतिक माहौल में साहसिक कार्य ही है। हालांकि सरकारों की इच्छाशक्ति हो तो कोई भी कदम मुश्किल भरा नहीं हो सकता। राजस्थान की सरकार की पहल को इसलिए भी सराहनीय माना जा सकता है कि बिना समय गंवाये सरकार ने अभियान चलाकर कार्यवाही करने का निर्णय किया और जनभागीदारी तय करने से परिणाम और भी बेहतर प्राप्त हो सके। यह अन्य प्रदेशों के लिए भी प्रेरणास्पद हो सकता है।

यह राजस्थान की भजन लाल शर्मा सरकार की इच्छाशक्ति और अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति का ही परिणाम रहा कि सरकार ने कार्यभार संभालते ही बड़ी पहल करते हुए प्रदेश में 15 जनवरी से 31 जनवरी, 24 तक राज्य व्यापी अभियान चलाने का निर्णय लिया। प्रदेशभर में अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ ताबड़तोड़ कार्यवाहियों को अंजाम दिया गया, वहीं अभियान को सफल बनाने में जनभागीदारी भी तय की गई। अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ अभियान केवल खाना पूर्ति बनकर नहीं रह जाये, इस कारण अवैध खनन की जड़ पर प्रहार करने पर जोर दिया गया। अभियान के दौरान अवैध खनिज परिवहन करते वाहनों की पकड़ा-पकड़ी तक ही सीमित नहीं रहकर स्रोत को खोजने और उस पर कार्यवाही करने पर बल देने के साथ मशीनों और उपकरणों को जब्त करने पर बल दिया गया। जिला कलक्टरों को पांच विभागों यथा माइंस, राजस्व, परिवहन, पुलिस और वन विभाग के संयुक्त अभियान के संचालन, मोनेटरिंग और समन्वय की जिम्मेदारी दी गई। इससे पुलिस व प्रशासन की सक्रिय भागीदारी भी तय हो सकी। अभियान को आंकड़ों में समझा जाए तो अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ राज्यव्यापी अभियान के दौरान 2643 कार्यवाहियां की गईं, इसमें भी बड़े स्तर पर अवैध खनन स्थलों पर 613 कार्यवाहियां की गईं। पुलिस में 564 प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कराई गई और इस

अवैध खनन गतिविधियों में लिप्त 264 लोगों की गिरफ्तारी हुई। 12 करोड़ 62 लाख से अधिक का ढ़ाई लाख टन से अधिक अवैध भण्डारित खनिज जब्त किया गया। 54 एक्सक्वेटर, 69 जेसीबी, 6 क्रेन और 1773 वाहनों को जब्त किया गया। मौके पर ही 12 करोड़ 76 लाख रुपए से अधिक का जुमार्ना वसूल कर सरकारी खजाने में जमा कराया गया। इसके साथ ही गोपनीय सूचनाओं से प्राप्त जानकारी पर दूसरे जिलों के अधिकारियों की टीम को भेज कर कार्यवाही की गई और करोड़ों रुपयों का जुमार्ना लगाया गया। कई कार्यवाहियों में तो जिला कलक्टर स्वयं मौके पर पहुंचे। सवाल आंकड़ों का नहीं है। सवाल सरकार के गुणगान का भी नहीं है अपितु सवाल सरकार की इच्छाशक्ति और माइंस विभाग की मशीनरी के सक्रिय होकर कार्यवाही करने का है और इतने कम समय में जिस तरह से योजनाबद्ध तरीके से अन्य विभागों के साथ ही माइंस विभाग की मशीनरी ने काम किया वह सराहनीय है।

खास बात यह कि सरकार नई, मुख्यमंत्री नए, मुख्य सचिव नए, खान सचिव नए होने के बावजूद खनन माफिया के खिलाफ अभियान की चंद घंटों में ही इतनी चाक चोबंद कार्ययोजना तैयार की गई कि परिणाम आने पर अभियान की सफलता पर संदेह उठाने वालों को भी दांतों तले उंगली दबानी पड़ी। इसे यों समझा जा सकता है कि चुनाव परिणाम आने के बाद मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने 15 दिसंबर को शपथ ली, जनवरी के पहले सप्ताह 1 जनवरी को नए मुख्य सचिव सुधांश पंत ने कार्यभार संभाला। 10 जनवरी को आईएएस अधिकारियों की तबादला सूची में आनन्दी को खान सचिव लगाया गया और अगले दिन खान सचिव के कार्यभार संभालते ही यानी कि 11 जनवरी को देर शाम मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा जो कि स्वयं खान मंत्री भी हैं, ने खान विभाग की समीक्षा बैठक के दौरान प्रदेश में अवैध खनन गतिविधियों पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री के निदेर्शों के क्रम में अगले दिन 12 जनवरी को मुख्य सचिव सुधांश पंत ने 15 जनवरी से 31 जनवरी, 2024 तक खान, राजस्व, परिवहन, पुलिस और वन विभाग द्वारा संयुक्त अभियान चलाने के निर्देश जारी कर दिए। जिला कलक्टर की अध्यक्षता में कमेटी की बैठक तत्काल आयोजित कराने और जिला कलक्टर के निर्देशन में राज्य व्यापी अभियान आयोजित करने का निर्णय लिया गया। मुख्य सचिव सुधांश पंत ने जिला कलक्टरों के नाम जारी निदेर्शों में चैक लिस्ट भी जारी की। मांइस डिपार्टमेंट को एक्टिवेट करने की जिम्मेदारी माइंस सचिव आनन्दी ने संभाली और पूरी मशीनरी चंद घंटों में ही एक्टिवेट हो गई। शासन सचिव माइंस स्तर पर मोनेटरिंग के साथ ही मुख्यालय उदयपुर में अतिरिक्त निदेशक विजिलेंस को समन्वयक प्रभारी बनाया गया। अभियान में जनभागीदारी तय करने के लिए 24 गुणा 7 नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया और एसएमई स्तर के अधिकारी को नियंत्रण कक्ष का प्रभारी बनाया गया। इसके साथ ही नियंत्रण कक्ष का अलग से मोबाइल नंबर भी जारी किया गया जिस पर प्राप्त शिकायतों पर 24 घंटे में कार्यवाही के निर्देश देते हुए प्राप्त शिकायतों पर कार्यवाही की प्रभावी मोनेटरिंग सुनिश्चित की गई। इसके साथ ही उच्च स्तर पर गोपनीय तरीके से प्राप्त शिकायतों/जानकारी पर गोपनीय तरीके से अन्य स्थानों से अधिकारियों की टीम भेज कर कार्यवाही की गई, जिसके भी सकारात्मक परिणाम प्राप्त हुए हैं।

एमएसपी की गारंटी देने वाला कानून बनाना किसी भी सरकार के लिए आसान नहीं है

डॉ. आशीष वशिष्ट

भारत एक लोकतांत्रिक देश है और संविधान के तहत देश के हर नागरिक को शांतिपूर्ण आंदोलन और प्रदर्शन करने का मौलिक अधिकार है। लेकिन, न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी एमएसपी कानून की गारंटी के लिए आंदोलनरत किसान शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मांगें मंगवाने के पक्षधर नहीं दिखते। सरकार बातचीत के माध्यम से समस्या सुलझाना चाहती है। लेकिन किसान नेताओं के तेवरों और मांगों की लंबी सूची के दृष्टिगत इस बात की संभावना न्यून है कि बातचीत से ये मसला निपटेगा। वास्तव में किसान नेता भी जानते हैं कि एमएसपी कानून की गारंटी देना इस सरकार तो क्या किसी भी सरकार के लिए आसान नहीं है।

किसानों के असली इरादों को उनकी तैयारियों को देखकर समझा जा सकता है। जिस तरह ट्रैक्टर ट्रालियों में महीनों का राशन और दूसरा जरूरी सामान लेकर वो घरों से निकले हैं, उससे साफ है कि उनकी मंशा समझौते की नहीं, टकराव की है। वो चाहते हैं कि गलती से शासन प्रशासन के हाथों कोई ऐसा काम हो जाए, जिससे वो और उनका पूरा इको सिस्टम सरकार को किसान विरोधी साबित कर सके। ये सारी कवायद चुनाव से पहले माहौल खराब करने और सरकार की छवि को ठेस पहुंचाने की दिखाई देती है। किसान समस्या का हल चाहते तो बातचीत में विश्वास करते। वो तो दिल्ली की तरफ हजारों की भीड़ लेकर ट्रैक्टर ट्रालियों, गाड़ियों और अन्य साधनों से दिल्ली की ओर ऐसे बढ़े मानो उन्हें किसी विदेशी सरकार से निर्णायक संघर्ष करना है। किसान नेता जब मीडिया या किसी सार्वजनिक मंच से बोलते हैं तो ऐसा व्यवहार करते हैं कि मानो केंद्र सरकार उनकी सबसे बड़ी दुश्मन है। मीडिया से बातचीत के समय किसान नेताओं और उनके समर्थकों की भाषा, बॉडी लैग्वेंज और भाषणों की टोन ऐसी होती हैं मानो किसी दुश्मन देश की सरकार को वो चेतावनी दे रहे हों। करोड़ों नागरिकों द्वारा निर्वाचित सरकार, जो बातचीत के लिए हमेशा तैयार है, उसके प्रति किसान नेताओं का अनादर का भाव कदम कदम पर दिखाई देता है। किसान नेता अपने आंदोलन को अराजनीतिक बताते हैं। लेकिन राजनीतिक संगठनों के साथ उनके रिश्ते जगजाहिर हैं। इसीलिए कहा जा रहा है कि किसान आंदोलन तो बहाना है- असली काम तो मोदी सरकार को हटाना है। लोगों में चर्चा इस बात को लेकर है कि आखिर बिना राजनीतिक दलों के समर्थन के इतना बड़ा आंदोलन इतनी जल्दी कैसे खड़ा हो सकता है। 2020 में तीन कृषि कानूनों को लेकर पंजाब के 34 किसान संगठन विरोध कर रहे थे, जबकि यह आंदोलन मात्र कुछ किसान संगठनों द्वारा ही किया जा रहा है। तो क्या यह सही है कि इस बार का आंदोलन किसी विशेष उद्देश्य से हो रहा है? भारतीय किसान यूनियन सिद्धुपुर के प्रधान जगजीत सिंह डल्लेवाल इस बार किसान आंदोलन के सबसे प्रमुख चेहरे हैं। जिस तरह पिछली बार गुरुनाम सिंह चढ़ूनी और राकेश टिकैत थे इस बार डल्लेवाल हैं। उनके मुंह से किसान आंदोलन की सच्चाई निकल गई है। डल्लेवाल का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वह कह रहे हैं कि राम मंदिर बनने के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का ग्राफ बहुत बढ़ गया था, उसे नीचे लाना है। आंदोलन में शामिल पंजाब के किसान नेता तेजवीर सिंह का एक वीडियो बहुत तेजी से वायरल हो रहा है जिसमें वो किसान आंदोलन के जरिए देश की सरकार बदलने की बात कर रहे हैं। इतना ही नहीं वो किसान आंदोलन को विपक्ष की लड़ाई लड़ने वाला भी बता रहे हैं। मतलब साफ है कि कहीं न कहीं किसान नेताओं को एक बात समझाई गई है कि ये लड़ाई किसानों के अधिकारों और एमएसपी की गारंटी के लिए नहीं है बल्कि इन मुद्दों के नाम पर सरकार को ही बदलना है। यही नहीं किसान आंदोलन को कवर कर रहे बहुत से यूट्यूबरों, मीडिया हाउसेस के वीडियो देखने को मिल रहे हैं जिन्हें देखकर आप यही कह सकते हैं कि किसान आंदोलन भ्रमित है या गलत लोगों के हाथ में है। बहुत से किसान इंडिपेंडेंट पंजाब या खालिस्तान की बात करते हुए मिलते हैं।

भाजपा छात्र-नौजवानों के साथ कर रही है क्रूर मजाक -गोपाल यादव

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। समाजवादी पार्टी के तत्वावधान में जिलाध्यक्ष गोपाल यादव के नेतृत्व में पार्टी कार्यालय समता भवन पर स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। इस स्वागत समारोह में जिलाध्यक्ष गोपाल यादव और पार्टी के तमाम नेताओं और कार्यकताओं ने माल्यार्पण कर समाजवादी लोहिया वाहिनी के नवनामित राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अविनाश गुप्ता विधार्थी, और डॉ. विकास यादव, राष्ट्रीय सचिव संदीप यादव, कमल मिश्र, अमरजीत यादव और सत्येन्द्र यादव के साथ साथ समाजवादी युवजन सभा के जिलाध्यक्ष राजेश यादव उर्फ अक्षय और लोहिया वाहिनी के जिलाध्यक्ष अमित ठाकुर का भव्य स्वागत किया। स्वागत समारोह के आरंभ में सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय सचिव नरसिंह यादव और जिलाध्यक्ष रजनीकांत यादव ने अपने समाजवादी गीत के माध्यम से नवमनोनीत पदाधिकारियों का स्वागत किया। इस स्वागत समारोह को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष गोपाल यादव ने सर्वप्रथम नवनामित पदाधिकारियों को बधाई दी और भरोसा जताया कि पार्टी द्वारा दी गयी जिम्मेदारियों का ईमानदारी पूर्वक निर्वहन करते हुए पार्टी के भरोसे और विश्वास पर शत प्रतिशत खरा उतरने का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि आज संघर्ष का दौर है। भाजपा सरकार बेरोजगार छात्र नौजवानों को लगातार ठगने का काम कर रही है। भाजपा की केन्द्र सरकार प्रतिवर्ष दो करोड़ नौजवानों को रोजगार देने का वादा कर सत्ता में आयी थी लेकिन वादे के मुताबिक नौजवानों द्वारा नौकरी मांगने पर मोदी जी द्वारा नौजवानों को पकौड़ा बेचने की सलाह दे कर उन्हें अपमानित करने का काम किया जा रहा है।आज तक प्रदेश की योगी सरकार कोई भी प्रतियोगी परीक्षा सफलतापूर्वक संपन्न नहीं करा पायी है। हर प्रतियोगी परीक्षा का योगी सरकार बतौर साजिश पेपर लीक कराकर नौजवानों को छलने का काम कर रही है। प्रतियोगी परीक्षाओं को योगी सरकार ने पैसा कमाने का कारोबार बना दिया है। उन्होंने कहा कि पेपर लीक कराने वालों को सरकार का संरक्षण प्राप्त है। आज तक पेपरलीक कराने वालों

पर कोई निर्णायक कार्यवाही नहीं हुई है। इसके अलावा समय समय पर नौकरी मांगने पर योगी सरकार द्वारा छात्र नौजवानों पर लाठियां भांजने का भी काम किया जाता है। भाजपा सरकार की इस नाकामी और और साजिश के चलते इस देश और प्रदेश का नौजवान काफी गुस्से में हैं। भाजपा सरकार ने देश के लाखों करोड़ो छात्र नौजवानों का विश्वास खो दिया है। इस देश का दुखी नौजवान भाजपा को सत्ता से बाहर का रास्ता दिखाने का काम करेगा। उन्होंने कोई भी प्रतियोगी परीक्षा सफलतापूर्वक संपन्न न करा पाने के लिए योगी जी से नैतिकता के आधार पर त्यागपत्र देने की मांग किया। अपने स्वागत से अभिभूत नवमनोनीत पदाधिकारियों ने अपने मनोनयन के लिए राष्ट्रीय एवं प्रदेश नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करते हुए देश के दुखी एवं बेरोजगार नौजवानों के हक और अधिकार के लिए संघर्ष करते हुए होने वाले लोकसभा के चुनाव में नौजवान विरोधी मोदी सरकार को उखाड़ फेंकने का संकल्प लिया और कहा इस देश के लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए लोहिया वाहिनी के नौजवान हर कुबार्नी देने का काम करेंगे। इस स्वागत समारोह में मुख्य रूप से विधायक मन्नू अंसारी, जै किशन साहू, पुर्व विधान परिषद सदस्य काशीनाथ यादव, पुर्व जिलाध्यक्ष सुदर्शन यादव, रामधारी यादव, डॉ नन्हकू यादव, सिकंदर कन्नौजिया, आशा यादव, रामजन्म चौहान, रविन्द्र प्रताप यादव, अशोक कुमार बिंद, उपेन्द्र यादव, जय हिंद यादव, गोवर्धन यादव, विभा पाल, सदानन्द यादव, अभिषेक कुशवाहा, डॉ. समीर सिंह, सत्येन्द्र यादव सत्या, पूजा गौतम, विश्राम यादव, रीना यादव, भरत यादव, दिनेश यादव, राजेश कुमार यादव, बलिराम पटेल, विजय शंकर यादव, रामविजय यादव, संदीप यादव सत्या, लालू यादव, सुजीत यादव, आलोक कुमार, रणजीत यादव, आदि सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल थे। इस स्वागत समारोह का संचालन जिला उपाध्यक्ष एवं मीडिया प्रभारी अरुण कुमार श्रीवास्तव ने किया।

मातृभाषा के प्रति बढ़ती जागरूकता : डॉ. आरसी पांडेय

मातृभाषा का महत्व हमेशा से है और रहेगा लेकिन कुछ वर्षों से मातृभाषा के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ी है। इसके साथ ही लोगों में अपनी मातृभाषा के प्रति गौरव व आकर्षण का भाव भी बढ़ रहा है क्योंकि वे उसके महत्व को समझने लगे हैं। मातृभाषा ज्ञान सृजन का सबसे सरल माध्यम है। मातृभाषा के प्रति पहले की तुलना में अब स्वाभिमान की भावना भी मजबूत हुई है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में कक्षा पांच तक की शिक्षा मातृभाषा में देने की वकालत की गई है। साथ ही कहा गया है कि यदि संभव हो तो कक्षा आठ तक या उससे आगे तक की शिक्षा भी मातृभाषा में हो तो बेहतर होगा। इससे पता चलता है कि बच्चों के रचनात्मक ज्ञान के लिए मातृभाषा कितनी महत्वपूर्ण है। मातृभाषा में जीवन की सहजता और मिठास है। उसमें जो आत्मीयता का भाव अभिव्यक्त होता है वह दूसरी भाषाओं में नहीं हो पाता है। मातृभाषा में संप्रेषण बिना किसी रुकावट के पूरी होती है।

आज जब मातृभाषा के महत्व पर दुनिया में संवेदनशीलता बढ़ रही है तो उसे जीवन व्यवहार में बिना किसी संकोच के अपनाए जाने की आवश्यकता है। भाषा वर्चस्व बनाने का साधन नहीं है। लेकिन औपनिवेशिक शासनकाल में एक विशेष भाषा को सभ्य व भारतीय भाषाओं को पिछड़ा मान लेने की मानसिकता एक विशेष रणनीति के तहत विकसित की गई। अफसोस इस बात का है जब भारत अपनी आजादी का अमृत काल मना रहा है तब भी भारतीयों में अपनी मातृभाषा के प्रति हीनता का भाव विद्यमान है। इसे पूरी तरह खत्म किया जाना अनिवार्य है।बहुभाषिकता भारत की विशेषता है लेकिन सरकारी कामकाज की भाषा के रूप में हिंदी को संविधान में राजभाषा का दर्जा प्राप्त है। आवश्यकता है इसे सिर्फ औपचारिक रूप से नहीं बल्कि व्यवहारिक धरातल पर राजभाषा के रूप में कड़ाई से लागू किया जाए। वैसे तो लोगों को अपनी मातृभाषा में शिक्षा, स्वास्थ्य व न्याय मिलना चाहिए। लेकिन यदि यह अभी संभव नहीं बन पा रहा है तो कम से कम हिंदी भाषा में यह व्यवस्था हो जानी चाहिए क्योंकि हिंदी लगभग पूरे भारत की संपर्क भाषा है। यदि हिंदी में रोजमर्रा से जुड़ी जानकारियां साझा की जाने लगें तो इससे श्रम, समय और धन तीनों की बचत होगी। आज आम जन जिसे अंग्रेजी भाषा की जानकारी नहीं है उसके लिए पग-पग पर शोषण का जाल बिछा है। वह कितना भी सजग रहे उसे कहीं न कहीं तो फंसना ही है। यकीन मानिए जिस दिन आम जन से जुड़ी जानकारियां मातृभाषा में मिलनी शुरू हो जाएगी उस दिन देश में तरक्की की राह आसान हो जाएगी। कितनी विडंबना है कि लोगों के जीवन की बुनियादी चीजों को पाने के लिए भाषाई समस्या अभी भी बरकारा है। आज भी शिक्षा, स्वास्थ्य और न्याय का मातृभाषा से दूर की कौड़ी का संबंध है। थोड़ा बहुत परिवर्तन हुआ है लेकिन अभी यह ऊंट के मुंह में जीरा के समान है। जिस दिन आम नागरिक को उसकी मातृभाषा में सभी चीजें उपलब्ध होने लगेगी उस दिन भाषाई स्वाधीनता आ जायेगी। अक्सर देखा जाता है कि अपने देश में अंग्रेजी वर्चस्व की भाषा बनी हुई है। अब तो थोड़ी जतन करके सीख लेने वाले कुछ लोग पानी को वाटर कहने में अपनी शान समझते हैं जो कि एक हास्यास्पद स्थिति के सिवाय कुछ नहीं है।

अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा मनाए जाने के पीछे का उद्देश्य भाषाओं का संरक्षण करते हुए लोगों को मातृभाषाओं के महत्व को समझना। क्योंकि बिना महत्व समझे किसी चीज को तवज्जो नहीं दी जाती है। भाषा का संरक्षण हेतु मातृभाषाओं का महत्व स्थापित किया जाना चाहिए। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, हर दो सप्ताह में एक भाषा विलुप्त हो जाती है ऐसे में भाषाई अस्मिता बचाए जाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय मातृ भाषा का महत्व अपने आप बढ़ जाता है। इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस की थीम है 'बहुभाषी शिक्षा - शिक्षा को बदलने की आवश्यकता'। कहना न होगा कि शिक्षा का माध्यम मातृभाषा में बनाए जाने के लिए शिक्षा को बदलने की सचमुच आवश्कता है। भारत ने इस दिशा में नई शिक्षा नीति 2020 के माध्यम से मातृभाषा में शिक्षा दी जाने की सिफारिश की गई है। आवश्यकता है उन सिफारिसों को धरातल पर पूरी तरह से लागू किया जाए।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)

नव निर्वाचित सेन्ट्रल बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों के शपथ ग्रहण में पहुंचे पूर्व मंत्री विजय मिश्र

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। सेन्ट्रल बार एसोसिएशन के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह कार्यक्रम कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित किया गया। इस समारोह में पूर्व मंत्री विजय मिश्र ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों और कार्यकारिणी सदस्यों को जिसमें विभिन्न पदों पर विजयी रहे नवनिर्वाचित अध्यक्ष, महामंत्री व अन्य पदाधिकारियों को जीत बधाई एवम कार्यकाल के सफल होने की शुभकामनाएं दी। आगे श्री मिश्र ने कहा कि अधिवक्ता समाज के सबसे गरीब व पीड़ितों को न्याय दिलाने का कार्य करते हैं। इनसे वादकारियों की काफी उम्मीदें व विश्वास होता है। न्याय के प्रति अधिवक्ताओं की बहुत बड़ी जिम्मेदारी होती है। सेंट्रल बार एसोसिएशन के शपथ ग्रहण समारोह में नवनिर्वाचित अध्यक्ष अशोक कुमार सिंह, महासचिव सुरेश चंद्र पांडेय, वरिष्ठ उपाध्यक्ष अनिल कुमार सिंह बागी, कोषाध्यक्ष बृजेश कुमार सिंह, उपाध्यक्ष धर्मेंद्र प्रताप सिंह, तनवीर अहमद खान, सहसचिव प्रशासन चंद्र प्रकाश

सिंह, पंकज तिवारी, पुस्तकालय अध्यक्ष राधेश्याम सिंह ने शपथ ग्रहण की। इस दौरान कार्यक्रम में प्रशांत सिंह अटल मुख्य स्थायी अधिवक्ता हाईकोर्ट, एडवोकेट हरिशंकर सिंह, अधिवक्ता बालेश्वर सिंह, एडवोकेट विजय बहादुर सिंह, एडवोकेट विजय शंकर पांडेय, एडवोकेट चन्द्रबली राय, एडवोकेट गंगा सिंह, एडवोकेट सुरेश सिंह, एडवोकेट वीरेंद्र चौबे, एडवोकेट गोपाल यादव, एडवोकेट भगवान दुबे, एडवोकेट रामकृष्ण पांडेय, एडवोकेट कृपा शंकर राय, एडवोकेट गंगेश्वर जी, एडवोकेट धीरेंद्र पांडेय एडवोकेट सुधाकर राय एडवोकेट अजय सिंह आदि लोग उपस्थित रहे।

कारपोरेट परस्त सरकारें देश के किसानों को बेमौत मारने की दिशा में हैं : ईश्वरी प्रसाद कुशवाहा

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। संयुक्त किसान मोर्चा के राष्ट्रीय आह्वान पर आज गाजीपुर में राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा गया। ज्ञापन देने से पहले सभा को सम्बोधित करते हुए यूपी एसकेएम कोर कमेटी के सदस्य ईश्वरी प्रसाद कुशवाहा ने कहा कि कारपोरेट परस्त सरकारें देश के किसानों को बेमौत मारने की दिशा में हैं। इसीलिए एमएसपी, सी2+50, कर्ज माफी, किसानों को 10000 पेंशन, मनरेगा में 200 दिन काम और 700रु दिहाड़ी आदि मुद्दों पर लगातार टालमटोल कर रही है और इससे अर्थव्यवस्था के बर्बाद होने की बात कहकर अफवाह फैला रही है। जबकि सच्चाई यह है कि देश के किसानों को एक लाख करोड़ रु से एमएसपी के लिए कानूनी गारंटी दी जा सकती है। एमएसपी न मिलने से कर्ज. में डूबे किसान आत्महत्या को मजबूर हैं और वहीं दूसरी ओर कारपोरेट घरानों के विगत 10 सालों में 14 लाख करोड़ रु माफ कर दिए गए हैं। इस बार किसान निर्णायक संघर्ष में उतरे हुए हैं। उन्होंने कहा की कल 22 फरवरी को संयुक्त किसान मोर्चा की मोहाली पंजाब में आपात बैठक हो रही है। इसके बाद देश के सारे किसान संगठन इस आंदोलन में पूरी ताकत लगा देगें ज्ञापन देने वालों में ईश्वरी प्रसाद कुशवाहा के अलावा नसरुद्दीन, शशिकांत कुशवाहा,, योगेंद्र भारती, महेंद्र यादव, सत्येंद्र प्रजापति, राम बदन बिंद , शकुंतला प्रमोद कुशवाहा, मनोज कुशवाहा आदि कई महत्व पूर्ण कार्यकर्ता शामिल थे। ज्ञापन सी आर ओ को दिया गया।

संक्षिप्त खबरें

पुलिस आरक्षी भर्ती परीक्षा को निरस्त कर पुनः परीक्षा कराई जाने की मांग को लेकर प्रदर्शन सौपा ज्ञापन

प्रखर संतकबीरनगर। उत्तर प्रदेश पुलिस आरक्षी परीक्षा संपन्न होते ही युवा सड़क पर उतर कर प्रदर्शन कर रहे हैं, तो कहीं युवाओं ने ज्ञापन देकर परीक्षा को निरस्त कर पुनः परीक्षा कराई जाने की मांग की। मुख्य सड़क पर युवाओं की टोली ने प्रदर्शन किया और उत्तर प्रदेश पुलिस आरक्षी पद की परीक्षा को निरस्त किए जाने और पुनः कराए जाने की मांग की। प्रदर्शन कर रहे छात्रों से विधायक धनघटा गणेश चौहान ने मुलाकात की और उन्होंने आश्वासन दिया कि उनकी बातों को मुख्यमंत्री के समक्ष रखकर मामले का निस्तारण कराया जाएगा, इसके बाद छात्रों ने प्रदर्शन समाप्त किया। वहीं लगभग दर्जनों की संख्या में युवाओं ने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को दिया, दिए गए ज्ञापन के जरिए यह बताया गया कि दि.17/18 फरवरी 2024 को संपन्न उत्तर प्रदेश पुलिस आरक्षी पद हेतु परीक्षा संपन्न होने पर युवाओं का कहना है कि पेपर आउट होने की जानकारी सोशल मीडिया पर हुआ, युवाओं की मांग है पेपर आउट करने वालों के विरुद्ध विधिक कार्यवाही हो और परीक्षा को निरस्त कर पुन परीक्षा कराया जाए।

अपनी मांगों को ले कर भारतीय किसान यूनियन के कार्यकर्ताओं ने किया प्रदर्शन, सौपा ज्ञापन

प्रखर संतकबीरनगर। भारतीय किसान यूनियन के द्वारा धरना स्थल पर प्रदर्शन करते हुए अपनी 12 सूत्रीय मांग को लेकर जिला प्रशासन के द्वारा प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन दिया गया। ज्ञापन देकर अपनी मांगों को जल्द से जल्द पूरा किए जाने की मांग की गई। जिला अध्यक्ष विश्वनाथ यादव ने कहा कि किसानों के साथ सौतेला व्यवहार किया जा रहा है सरकार के द्वारा कृषि कानून वापस नहीं लिए जा रहे हैं किसान मजदूर परेशान है। जानबूझकर काम नहीं करते यह गूंगे और बाहरी दोनों हो गए हैं इसलिए इन्हें जनता की समस्या दिखाई नहीं देती और किसने की आवाज यह सुना नहीं चाहते अगर हमारी मांगों को पूरा नहीं किया गया तो बेहद आंदोलन करेंगे और इसका खामियाजा आने वाले 2024 के चुनाव में सरकार को देखने को मिलेगा। इस दौरान जगदीश यादव, कृष्ण मुरारी मिश्रा, प्रभुनाथ यादव, राम यादव समेत भाकियू नेता मौजूद रहे।

मुंगरा बादशाहपुर से मिले लावारिश शव को हम्जा चिस्ती स्थित कब्रस्तान पर सुपुर्दे खाक किया गया

प्रखर जौनपुर। थाना मुंगरा बादशाहपुर से मिले एक लावारिश मुस्लिम शव को आज सुपुर्दे खाक किया गया इस शव के बारे में पुलिस ने बताया की जौनपुर जंघई रेलवे ट्रैक पर उक्त शव किसी ट्रेन से गिर गया था, पोस्टमार्टम के बाद शव इंतजामिया कमेटी को दे दिया गया जिसको आज उक्त कब्रिस्तान पर पूरे मुस्लिम परिपाठी से सुपुर्दे खाक किया गया,जनाजे की नमाज हाफिज सरवर ने अदा कराई, मौके पर मुख्य रूप से रियाजुल हक, मास्टर कलीम सिद्दीकी, शिराज अहमद समाजसेवी, शम्स तबरेज, बेलाल अहमद, अकरम मंसूरी, जफर मसूद, रिजवान, होम गार्ड दिनेश तिवारी, कांस्टेबल रघुराज सिंह मौजूद रहे।

रोडवेज इंप्लाइज यूनियन का वार्षिक चुनाव हुआ संपन्न

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। रोडवेज इंप्लाइज यूनियन का वार्षिक चुनाव बुधवार को चुनाव अधिकारी एस श्रीवास्तव के उपस्थित में रोडवेज परिसर में कराया गया। चुनाव समापन के बाद सभी पदाधिकारियों को गोपनीयता की शपथ ग्रहण कराई गईं। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए एस के श्रीवास्तव ने कर्मचारियों को बताया कि किसी भी संगठन के प्रति ईमानदारी व निष्ठा से कार्य करने के बाद ही पद की गरिमा कायम रहतीं है। इसमें सेराज खान को जहाँ अध्यक्ष पद की कुर्सी मिलीं वही नरेंद्र कुमार सिंह को मंत्री व आंनद कुमार व आलोक सिंह उपाध्यक्ष, रागविंदर रियाज संयुक्त मंत्री, फजलुरहमान संगठन मंत्री, कोषाध्यक्ष आसिफ खान। इम्तियाज, रतिन्द, रवींद्र, अकिल, तौकीर, मनोज, केदार, जगदीश व शमशाद को सदस्य कार्यकारिणी बनाया गया। इस मौके पर विनोद यादव, तुलसी राम, लक्ष्मी राम, अवधेश कुमार, सुधीर जयसवाल के साथ ही अन्य मौजूद रहे।

विधायक ने दिलाई अद की सदस्यता

प्रखर पिंडरा वाराणसी। पिंडरा विस क्षेत्र के अहिराबीर (जगदीशपुर) में सदस्यता व संगठनात्मक विस्तार अभियान के तहत अपना दल एस के तत्वाधान में रोहनिया विधायक सुनील पटेल के नेतृत्व में दर्जनो लोगों ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण किया। इस दौरान विधायक व प्रदेश सचिव सुनील पटेल ने कहाकि पार्टी समाज के विकास के लिए सरकार से मिलकर हर सम्भव प्रयास कर रही है। जिसमे आप सभी के सहयोग की जरूरत है। पार्टी की मजबूती के लिए सदस्यता अभियान चलाया जा रहा है। जिला अध्यक्ष छात्र मंच व बलदेव पीजी बड़ागांव के पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष जयसिंह की अध्यक्षता में आयोजित सदस्यता अभियान में पूर्व छात्र संघ उपाध्यक्ष बृजेश पटेल व उनके साथ एक दर्जन से अधिक लोगों को अपना दल एस का पट्टा पहनाकर सक्रिय सदस्यता रसीद के माध्यम से पार्टी सदस्यता दिलाई गई। इस दौरान विस- अध्यक्ष राजेश पटेल, मंगला प्रसाद पटेल, श्याम बली पटेल, विनोद पटेल, चंद्र देव कुमार, विश्वजीत पटेल, राजबली पटेल, राजबली पटेल, सूरज भान पटेल व विकास समेत अनेक कार्यकर्ता रहे।

पहड़िया मंडी से दुकान का ताला तोड़ 17 बोरी लहसुन चोरी

प्रखर वाराणसी। जिले के लालपुर पांडेयपुर थाने से सटी पहाड़िया मंडी में एक दुकान का ताला तोड़कर बीती रात चोरो ने 17 बोरी लहसुन उठा ले गए। सुबह घटना की जानकारी होने पर आढ़ती अजय मौर्या ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। अजय मौर्या ने बताया कि लहसुन की कीमत डेढ़ लाख रुपये है। आशंका जताई कि लहसुन चुरा कर मालवाहक से ले जाया गया है। आढ़तियों का कहना था कि चोरों ने सीधे लालपुर पांडेयपुर थाने की पुलिस को चुनौती दी है। लालपुर पांडेयपुर थाना और मंडी एक ही स्थान पर है। वाराणसी के फुटकर मार्केट में लहसुन का दाम 400 के पार पहुंच गया है। महंगाई के कारण किचन का जायका बिगड़ गया है। दरअसल, बिना मौसम बारिश के कारण लहसुन की फसल खराब हो गई थी। ऐसे में जब लगन का सीजन शुरू हुआ तो लहसुन की

मांग अचानक से बढ़ गई। इस बीच लहसुन का बढ़ा हुआ दाम गृहणियों के लिए परेशानी का सबब बन गया है। उनका कहना है कि लहसुन की कीमत आसमान पर पहुंच गई है। ऐसे में किलो की जगह पाव भर से ही काम चलाना पड़ रहा है।

स्वयं सहायता समूह हेतु जागरुकता कार्यक्रम आयोजित

बलिया। राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास विकास बैंक नाबार्ड द्वारा प्रायोजित एवं माँ सुरसरी सेवा संस्थान कथरिया बलिया द्वारा आयोजित स्वयं सहायता समूह हेतु जागरूकता कार्यक्रम सोहाव ब्लॉक के दौलतपुर, बलिया में किया गया, कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जितेंद्र कुमार झा एलडीएम बलिया ने कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए अपने संबोधन में स्वयं सहायता समूह के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए बताया कि स्वयं सहायता समूह क्या है इससे समूह के सदस्यों को क्या लाभ होते हैं तथा समूह बनाने से बैंक और समाज को क्या लाभ है तथा इससे समूह के सदस्य अपना जीवन यापन कैसे कर सकते हैं इस पर विस्तार पूर्वक जानकारी दी।

भगवान जाति नहीं भक्ति देखते हैं : महंत गणेश दास

प्रखर कुशीनगर। कसया नगर स्थित श्रीरामजानकी मंदिर (मठ) में चौदहवें वर्ष दस दिवसीय श्रीराम महायज्ञ के आठवें दिन बुधवार को श्री अवध बिहारी कुंज, अयोध्या धाम से आये कथा वाचक महंत गणेश दास महाराज ने श्रीराम कथा की अमृत वर्षा कराते हुए कहा कि भगवान श्रीराम ने समाज में समरसता लाने के लिए गिद्ध, अजामिल, गडिका, केवट, सबरी, गुह आदि अधम से अधम प्राणियों को समभाव से स्वीकार किया एवं उनका सहयोग प्राप्त किया। कथावाचक ने बताया कि भगवान के यहाँ किसी प्रकार की जाति नही है वहां केवल प्रेम एवं भक्ति है। कहा कि हरि को भजे सो हरि को होई। बड़े से बड़े महापुरुषों एवं अधम से अधम जीवों ने भजन एवं सत्संग के द्वारा ही परमात्मा को प्राप्त किया। हमें भी समरस समाज के लिए जाति - पात एवं छुआछूत से दूर रहकर एक दूसरे के प्रति सहृदयी होना चाहिए। यही ईश्वर की सच्ची पूजा है। यही भारतीय संस्कृति का मूल मंत्र है। यही

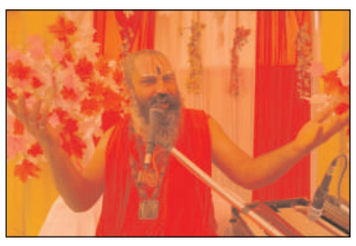

सनातन धर्म है। कथा का प्रारंभ यजमान मीनू पाठक द्वारा व्यास पीठ के पूजन से हुआ। संचालन डॉ0 हरिओम मिश्र ने किया। इस दौरान यज्ञाचार्य रामजी पांडेय के देख रेख में श्रीराम महायज्ञ और अयोध्या धाम से आये संतो द्वारा अखंड सीता राम नाम संकीर्तन चलता रहा। यज्ञ मंडप की परिक्रमा हेतु श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। इस अवसर पर महंत त्रिभुवन शरण दास, व्यवस्थापक देव नारायण शरण, परशुराम दास, अवधेश भगवती, राजेश मद्देशिया, प्रदीप कुशवाहा, किरन सिंह, राधे यादव, हृदयानंद तिवारी, इन्द्रासन प्रसाद संतजी, मिथिलेश सिंह, सुरेश गुप्ता, निशांत सिंह, मणि प्रकाश यादव, टिशू पांडेय, शिवम राय, दिव्यांशु, सावित्री देवी, गंगोत्री देवी, सरोज देवी, गुड्डी देवी, वंदना पांडेय, रमाशंकर कुशवाहा, ज्ञानचंद कुशवाहा, चंद्रिका शर्मा, अवधेश पांडेय, कृष्ण कुमार मिश्र आदि उपस्थित रहे।

भाजपा नेता हत्याकांड में शामिल आरोपित को मिली जमानत, पुलिस पर जानलेवा हमले का था आरोप

प्रखर वाराणसी। सिगरा थाना क्षेत्र में भाजपा नेता पशुपति नाथ सिंह की हत्या में शामिल आरोपित को कोर्ट से राहत मिल गई पुलिस टीम पर जानलेवा हमले के मामले में प्रभारी जिला जज अनिल कुमार पंचम की अदालत ने चंदुआ छित्तूपुर निवासी आरोपित राहुल सोनकर को 50-50 हजार रुपए की दो जमानतें एवं बंधपत्र देने पर रिहा करने का आदेश दिया अदालत में बचाव पक्ष की ओर से अधिवक्ता अनुज यादव, मो. आसिफ व गिरजा शंकर यादव ने पक्ष रखा। अभियोजन पक्ष के अनुसार सिगरा थाना प्रभारी राजू सिंह 16 अक्टूबर 2022 को पुलिस टीम को साथ लेकर क्षेत्र में गश्त कर रहे थे उसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि 12 अक्टूबर 2022 को शिवपुरवां, जयप्रकाश नगर में हुई हत्या में शामिल अभियुक्त सनबीम लहरतारा के आगे रेलवे क्रासिंग के पास से गुजरने वाला है` सूचना पर पुलिस

ने जब मौके पर पहुंचकर घेराबंदी कर दी उसी दौरान एक मोटर साइकिल सवार दो व्यक्तियों को पुलिस बल द्वारा रोकने का प्रयास किया गया तो चालक गाड़ी मोड़ कर वापस भागने का प्रयास किये, तभी बाइक अनियंत्रित होकर फिसल गयी जिसके बाद दोनो ने पुलिस पर जान से मारने की नियत से फायर करने लगे` पुलिस वाले जवाबी फायरिंग की जिससे दोनो बदमाश मौके पर घायल हो गये , पुलिस बल द्वारा दोनो घायल व्यक्तियों को पकड़ लिया गया तलाशी में उनके पास से मोटर साइकिल, तमंचे, कारतूस, मोबाइल व 2520/- रुपए बरामद हुआ। पूछताछ में एक ने अपना नाम राहुल सरोज व दूसरे ने पवन सरोज बताया पूछताछ में उन्होंने भाजपा नेता हत्याकांड में शामिल होने की बात भी स्वीकार की` बाद में पुलिस ने दोनों के खिलाफ जानलेवा हमला समेत विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया था।

जमीनी विवाद को लेकर दो परिवार के लोग आपस में भिड़े

बिल्थरा रोड (बलिया)। उभाँव थाना क्षेत्र के ग्राम तरछापार भदौरा में मंगलवार की अपराह्न करीब 2 बजे जमीनी विवाद को लेकर दो परिवार के लोग आमने-सामने भिड़ गए। जिसमें दोनों ही परिवार के तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।आनन फानन में परिजनों ने सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सीयर में प्राथमिक उपचार के लिए दाखिल कराया। जहां पर प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने दोनों परिवार के दो लोगों को गंभीर हालत देख जिला चिकित्सालय के लिए रेफर कर दिया। घायल में गुलाबी देवी (60) पत्नी कलपत राम व पुस्टमा कुमारी (25) पुत्री कलपत व प्रिंस कुमार (14) पुत्र राम लिलम चोटिल हो गए । जिसमें गुलाबी देवी (60) एवं पुस्टमा कुमार (25) वर्ष को गंभीर हालत में देखते हुए चिकित्सक ने जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया वहीं दूसरे घायल में अभिषेक कुमार (17) वर्ष पुत्र मारकंडे, जितेंद्र कुमार (40) पुत्र स्व राजेन्द्र कुमार व मारकंडे कुमार (50) पुत्र स्व राजेंद्र कुमार राम गंभीर रूप से जख्मी हो गए।

एक दिवसीय रोजगार मेले में 296 अभ्यर्थियों ने किया प्रतिभाग, 153 अभ्यर्थियों का अन्तिम राउंड हेतु हुआ चयन

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजनान्तर्गत कौशल विकास मिशन, गाजीपुर एवं जिला सेवायोजन कार्यालय, गाजीपुर के संयुक्त तत्वाधान में कैरियर प्वाइंट ऑफ इन्फोरमेषन टेक्नोलॉजी, प्रषिक्षण केन्द्र भदौरा, गाजीपुर परिसर में एक दिवसीय रोजगार मेला का आयोजन किया गया। जिसमें प्रतिभागी कम्पनियॉ वी0एस0डी0, जॉब सीकर्स स्टाप द्वारा डिक्सन, पैजेट, मिकुनी हेतु चयन सहित कुल 04 कम्पनियों द्वारा ट्रेनी, फील्ड आफीसर, मैकेनिक, इलेक्ट्रिशियन, फीटर, कम्प्यूटर आपरेटर, इलेक्ट्रानिक मैनूफक्चैरिंग, हेल्पर आदि पदों पर चयन किया गया। मेले में लगभग 296 अभ्यर्थियों ने प्रतिभाग किया, जिसमें से विभिन्न पदों पर कुल 153 अभ्यर्थियों का अन्तिम राउंड हेतु चयन किया गया। भारत के कार्यबल को कुशल बनाकर अंर्तराष्ट्रीय अवसरों से जोड़ने हेतु भारत सरकार के स्किल इण्डिया मिशन के तहत स्किल इण्डिया इंटरनेशल सेन्टर (ैप्ब), वाराणसी द्वारा उक्त प्रषिक्षण केन्द्र परिसर में प्री-काउंसिलिंग की गयी। जिसमें दुबई, अबुधाबी, शारजाह, सऊदी अरब देशों में इलेक्ट्रिशियन, फिटर, हैल्पर, क्लीनर, माली, ए.सी. टेक्नीशियन, सिक्योरिटी गार्ड, कुक, वेटर, मैकेनिकल ड्राफ्ट्समैन,

मेसन, ड्राइवर इत्यादि जॉब रोल्स के लिए प्री-काउंसलिंग में लगभग 29 अभ्यर्थियों का वाराणसी टीम द्वारा काउंसलिंग की गयी जिसमें से 09 अभ्यर्थी विदेशों में रोजगार पाने हेतु योग्य पाये गये जिसमें से 09 अभ्यर्थी पासपोर्टधारी है। इन सभी योग्य अभ्यर्थियों को अन्तिम चयन हेतु वाराणसी सेन्टर पर काल किया जायेगा। आगामी रोजगार मेला-मदर टेरेसा पब्लिक स्कूल, दुल्लहपुर, जखनियां गाजीपुर में दिनांक 22.02.2024, को प्रातः 11 बजे से आयोजित होगा।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति सह उत्थान के लिए अग्रिम पंक्ति में संघर्ष करेंगीं अभिनेत्री पाखी हेगड़े

प्रखर पूर्वांचल वाराणसी। जैसे ही अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि पर श्रीराम मंदिर के पुनर्निर्माण का आदेश भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने दिया उसी समय से भारत के अन्य प्राचीन मंदिरों के पुनरुत्थान के प्रति सनातन धर्मावलंबियों में एक आशा की किरण जागृत हो गई ,इसी कड़ी में श्रीकृष्ण जन्मभूमि परिसर मथुरा व ज्ञानवापी मन्दिर बनारस को लेकर दशकों से संघर्ष कर रहे लोगों को अब आशा की किरण नजर आने लगी है इसी कड़ी में अभिनेत्री पाखी हेगड़े श्रीकृष्ण जन्मभूमि परिसर के पुनरुत्थान के लिए जीजान से जुट गई हैं। ऐसा पहली बार हो रहा है कि कोई अभिनेत्री सनातन धर्म के किसी संघर्ष में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं इस मुहिम में अग्रणी भूमिका निभाने के बारे में पूछे जाने पर पाखी हेगड़े कहती हैं कि अपने हक के लिए, अपनी रोजी रोटी के लिए तो हर कोई हर रोज संघर्ष करता है लेकिन अपने धर्म के लिए संघर्ष करना भी अपनी जिम्मेवारी

होती है इसे हम सबको समझना होगा। पाखी हेगड़े कहती हैं कि आज वे इस मुहिम में पूज्य फहरम रत्न श्री देवकी नंदन ठाकुर जी महाराज के सानिध्य में आकर इस संघर्ष की साथी बनी हैं और इनकी यह यात्रा तब तक अनवरत जारी रहेगी जब तक श्रीकृष्ण मन्दिर का पुनर्निर्माण नहीं हो जाता , ऐसा करने वाली वो अकेली अभिनेत्री हैं जो अपने मुख्यधारा अभिनय से परे रहकर इस धर्म कार्य मे बढ़ - चढ़कर हिस्सा ले रही हैं आमतौर पर अभिनेता ऐसे किसी आयोजन से अपने आप को दूर रखते हैं लेकिन पाखी इस बावत कहती हैं कि बात जब धर्म की हो तो आप कभी पीछे मुड़कर नहीं देखते। धर्मयुद्ध में यदि आप अपने धर्म के साथ नहीं खड़ा हो सकते तो समाज आपको क्यों याद रखना चाहेगा? पाखी हेगड़े कहती हैं कि आगामी 25 फरवरी को संत संसद का आयोजन होने जा रहा है जहाँ वे इस संघर्ष में अपनी सक्रियता/ सहभागिता दिखाएंगी` पाखी संत समागम में श्री देवकी नंदन ठाकुर को सम्बोधित करते हुए कहती हैं कि मैं इस देश की बेटी होने के नाते ,एक सच्ची सनातनी होने के नाते इस माननीय मंच से सभी बहन बेटियों की तरफ से सभी सनातनियों की तरफ से आपको धन्यवाद करना चाहती हूं की आपने हमारे धर्म के लिए हमारे भगवान के लिए इस देश की बहन बेटियों की सुरक्षा और मान सम्मान के लिए हमारी श्री कृष्ण जन्मभूमि के लिए हमेशा आवाज उठाई है और हमारे सनातन धर्म का हमारी संस्कृति का हमारे देश का झंडा विदेशों तक लहराया है`आपके लाखों भक्तों में से एक भक्त हूं और आप जैसे गुरु के सानिध्य में आना मेरे लिए बहुत सौभाग्य की ओर गर्व की बात है।

तहसील बैरिया में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में हुआ संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन

बलिया। सरकार के मंशानुरूप जन समस्याओं के त्वरित और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु जनपद के सभी तहसीलों में मंगलवार को संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी रविंद्र कुमार ने तहसील बैरिया में सम्पूर्ण समाधान दिवस पर आए लोगों की समस्याओं को सुना और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।इस मौके पर राजस्व, पुलिस, खाद्य एवं रसद , चकबंदी, विकास , विद्युत , समाज कल्याण, कृषि,मार्केटिंग,लोक निर्माण,एवं शिक्षा विभाग सहित विभिन्न विभागों के कुल 48 मामले आए, जिनमें से पांच का मौके पर निस्तारण किया गया। इसके अलावा सभी मामलों को संबंधित विभाग के अधिकारियों को हस्तांतरित करते हुए जिलाधिकारी ने समय सीमा के अंदर निस्तारित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने भूमि विवाद संबंधी मामलों को पुलिस और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम द्वारा स्थलीय निरीक्षण सत्यापन कर मामले को निस्तारित करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को सख्त हिदायत देते हुए कहा कि जन समस्याओं के निस्तारण में हीलाहवाली अक्षम्य होगी।

नवलनी की पत्नी ने लड़ाई जारी रखने का जताया संकल्प

मॉस्को (आईएएनएस)। रूस के विपक्षी नेता अलेक्सी नवलनी की रहस्यमई परिस्थितियों में मौत के बाद उनकी पत्नी यूलिया नवलनाया ने रूसी राष्ट्रपति वलादिमीर पुतिन पर अपने पति की हत्या का आरोप लगाते हुए लड़ाई को जारी रखने का ऐलान किया है।

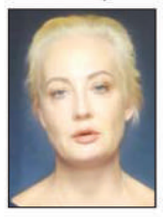

47 वर्षीय नवलनाया ने नौ मिनट के वीडियो जारी कर कहा, तीन दिन पहले, व्लादिमीर पुतिन ने मेरे पति, मेरे बच्चों के पिता एलेक्सी नवलनी को मार डाला और मेरी सबसे महत्वपूर्ण चीज छीन ली। वह व्यक्ति जो मेरे सबसे करीबी था और जिससे मैं सबसे ज्यादा प्यार करती थी। अर्थशास्त्री नवलनाया ने कहा, जब आप राजनेता नहीं हैं, लेकिन अपने परिवार के खिलाफ सबसे बुरी चीजें देखते हैं।

रूस का एंटी-सैटेलाइट सिस्टम अंतरिक्ष कार्यक्रमों के लिए खतरा

■ पोर्ट्समाउथ (द कन्वरसेशन)।

एक ऐसे हफ्ते में जब वॉशिंगटन में राष्ट्रीय सुरक्षा केंद्र में आ गई है, व्हाइट हाउस ने पुष्टि की कि उसके पास सबूत है कि रूस अंतरिक्ष-आधारित परमाणु उपग्रह विरोधी हथियार विकसित कर रहा है। राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के प्रवक्ता जॉन किर्बी ने बताया कि व्हाइट हाउस का मानना है कि रूस का कार्यक्रम परेशान करने वाला है, बावजूद इसके कि तत्काल किसी की सुरक्षा को कोई तत्काल खतरा नहीं है।

समस्या यह है कि आखिर यह किस प्रकार का हथियार है। इसके आधार और उपयोग से सभी उपग्रहों को खतरा हो सकता है और अंतरिक्ष बुनियादी ढांचे से आने वाली महत्वपूर्ण सेवाओं में रुकावट आ सकती है। व्हाइट हाउस का यह खुलासा हाउस इंटेलिजेंस कमेटी के अध्यक्ष माइक टर्नर ने उस जानकारी को सार्वजनिक करने का आग्रह करने के बाद आया है, जिसे

■ व्हाइट हाउस का यह खुलासा हाउस इंटेलिजेंस कमेटी के अध्यक्ष माइक टर्नर ने इसे गंभीर राष्ट्रीय सुरक्षा खतरा बताया

उन्होंने गंभीर राष्ट्रीय सुरक्षा खतरा बताया था। तब कई दिनों तक इस बारे में टिप्पणियां और अटकलें चलती रही कि रूस या तो अंतरिक्ष में परमाणु हथियार लॉन्च करने के लिए तैयार है, या परमाणु ऊर्जा से संचालित एंटी-सैटेलाइट हथियार तैनात कर रहा है। किर्बी ने खतरे की प्रकृति को पूरी तरह से रेखांकित नहीं किया, लेकिन उन्होंने कहा कि अधिकारियों का मानना है कि हथियार प्रणाली सक्रिय क्षमता नहीं थी और इसे तैनात नहीं किया गया था। सुनने वालों को आश्वस्त करने के लिए, किर्बी ने कहा कि यह हथियार ऐसा नहीं है जिसका उपयोग पृथ्वी पर भौतिक विनाश के लिए किया जा सकता है, लेकिन व्हाइट हाउस रूसी गतिविधि की निगरानी कर रहा है और इसे बहुत गंभीरता से लेना जारी रखेगा। अल्बानिया की यात्रा के दौरान अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने खबर की पुष्टि की और कहा कि वह जल्द ही इस बारे में और कुछ बताएंगे। म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन में भारतीय विदेश मंत्री जयशंकर और चीनी विदेश मंत्री वांग यी के साथ इस मामले पर चर्चा करते हुए ब्लिंकन ने जोर दिया कि इस क्षमता की खोज चिंता का विषय होना चाहिए।

रूस ने किया खंडन

मॉस्को ने तुरंत इस तरह के किसी कार्यक्रम के अस्तित्व से इनकार कर दिया और कहा कि यह बाइडन प्रशासन द्वारा 97 अरब अमरीकी डालर विदेशी सहायता बिल पारित करने के लिए कांग्रेस पर दबाव डालने के लिए बनाई गई योजना है, जिसमें से 60 अरब अमरीकी डालर यूक्रेन को दिए जाने वाले है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने कहा, यह स्पष्ट है कि व्हाइट हाउस, किसी भी तरह से, कांग्रेस को धन आवंटित करने के लिए एक विधेयक पर मतदान करने के लिए प्रोत्साहित करने की कोशिश कर रहा है। रूसी विपक्षी नेता एलेक्सी नवलनी की मौत के बाद बाइडन ने कहा कि इस समय रूस जो कर रहा है, उससे अमेरिका या दुनिया में कहीं भी लोगों के लिए कोई परमाणु खतरा नहीं है।

मणिपुर : आदिवासी निकाय ने काम न करने की अपील वापस ली

■ चुराचांदपुर/इंफाल (भाषा)।

मणिपुर में एक आदिवासी निकाय ने एक वीडियो में कथित तौर पर हथियारबंद लोगों के साथ देखे गए एक हेड कांस्टेबल के निलंबन पर सरकारी कर्मचारियों से काम नहीं करने की अपील को वापस ले लिया है। चुराचांदपुर स्थित इंडिजिनियस ट्राइबल लीडर्स फोरम (आईटीएलएफ) ने सोमवार देर रात जारी एक बयान में कहा, 'आम जनता के हित में राज्य सरकार के कार्यालयों में काम करने पर रोक तत्काल हटाई जाएगी।'

■ चुराचांदपुर और पड़ोसी फिरजावल जिलों में राज्य सरकार के कार्यालयों में कम कर्मचारी काम पर पहुंचे

आईटीएलएफ द्वारा सरकारी कर्मचारियों से काम पर न आने का आग्रह करने के बाद सोमवार को चुराचांदपुर और पड़ोसी फिरजावल जिलों में राज्य सरकार के कार्यालयों में कम कर्मचारी काम पर पहुंचे। आईटीएलएफ ने कहा कि जिले के पुलिस अधीक्षक तथा जिलाधिकारी के प्रतिस्थापन और एक हेड कांस्टेबल के निलंबन को रद्द करने की उसकी मांग पूरी नहीं की गई है। बयान के अनुसार,'उनकी सुरक्षा के कारण जिले के डीसी और एसपी को जाने के लिए कहा गया था। यह सामने आया है कि उन्होंने जिले में लौटने के लिए अपनी जान जोखिम में डाल दी है। अब वे अपनी सुरक्षा के लिए खुद जिम्मेदार है।'

आईटीएलएफ ने 15 फरवरी को चुराचांदपुर में डीसी और एसपी कार्यालयों के आवास वाले एक सरकारी परिसर में हुई हिंसा पर भी अफसोस व्यक्त किया और दावा किया कि यह आदिवासी निकाय की जानकारी के बिना हुआ।

संक्षिप्त खबरें

मंगोलिया में 49 साल बाद रिकॉर्ड हिमपात

उलानबटोर। मंगोलिया में इस वर्ष सर्दी में रिकॉर्ड कायम करने वाला हिमपात हुआ है। यह 1975 के बाद से सबसे ज्यादा हिमपात है। देश की राष्ट्रीय मौसम विज्ञान और पर्यावरण निगरानी एजेंसी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। एजेंसी ने एक बयान में कहा कि एशियाई देश में इस सर्दी में अब तक औसत बर्फबारी 9.6 मिमी तक पहुंच गई है। एजेंसी के अनुसार इस सर्दी में मंगोलिया के लगभग सभी प्रांतों में भारी हिमपात और बार-बार आने वाले बर्फीले तूफान के कारण चरम मौसम का अनुभव हुआ है, देश का 80 प्रतिशत से अधिक हिस्सा बर्फ से ढका हुआ है।

कैलिफोर्निया में नहीं थम रहा बारिश का कहर

लॉस एंजेलिस। कैलिफोर्निया में भारी बारिश ने चौतरफा तबाही मचाकर रख दी है। आलम यह है कि करीब 37 मिलियन से भी अधिक लोग बाढ़ की चपेट में आ चुके हैं। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, प्रशांत क्षेत्र में बने एक कम दबाव के क्षेत्र के कारण बड़े पैमाने पर भारी बारिश और बर्फबारी हो रही है। एनडब्ल्यूएस के अनुसार, सांता बारबरा और वेंचुरा सहित दक्षिणी कैलिफोर्निया काउंटियों के लिए सोमवार सुबह बाढ़ की चेतावनी जारी की गई, जहां पहले ही 2 से 5 इंच बारिश हो चुकी थी।

सैनिकों से संघर्ष में 12 संदिग्ध हमलावर ढेर

मैक्सिको सिटी। मैक्सिको के तमाउलिपास राज्य में मैक्सिकन सेना के जवानों और सशस्त्र गिरोह के बीच हुए टकराव में 12 संदिग्ध हमलावर मारे गए। तमाउलिपास पब्लिक सिक्योरिटी के प्रवक्ता जॉर्ज क्यूएलर ने कहा कि यह घटना मिगुएल एलेमन की नगरपालिका में उस समय हुई जब सेना के एक गश्ती दल के साथ जमीन के अंदर छिपे हुए सशस्त्र हमलावरों के साथ टकराव हुआ। अधिकारी ने कहा कि राज्य के उत्तरी हिस्से में सेना और नेशनल गार्ड ने सुरक्षा कड़ी कर दी गई, जिस क्षेत्र को अमेरिका के साथ छोटी सीमा के रूप में जाना जाता है।

हूती ने अमेरिका के दो जहाजों पर किया हमला

सना। यमन के हूती समूह ने अदन की खाड़ी में अमेरिका के जहाजों पर मिसाइल से हमला करने की घोषणा की है। समूह के सैटेलाइट टीवी चैनल अल-मसीरा में हूती के सैन्य प्रवक्ता याया सरिया ने कहा कि अमेरिकी जहाजों, सी चैपियन और नेविस फोर्टुना को निशाना बनाकर हमले किए गए। हालांकि उन्होंने नुकसान या हताहतों की संख्या नहीं बताई। याया सरिया ने कहा कि इन हमलों के बाद पिछले 24 घंटों के दौरान हूती के अभियानों की कुल संख्या चार हो गई है। सबसे पहले एक ब्रिटिश जहाज को निशाना बनाया गया, जिसके कारण वह पूरी तरह डूब गया।

गाजा में तत्काल मानवीय विराम की मांग

ब्रसेल्स। यूरोपीय संघ (ईयू) के 26 सदस्य देशों ने गाजा पट्टी में तत्काल मानवीय विराम का आह्वान किया है, जिससे स्थाई युद्धविराम हो सके। यह जानकारी ब्लॉक के विदेश नीति प्रमुख जोसेप बोरेल ने सोमवार को दी। यूरोपीय संघ के विदेश मंत्रियों की बैठक में हंगरी को छोड़कर सभी यूरोपीय संघ के देशों ने इस्राइल को दक्षिणी गाजा शहर राफा पर हमला करने के खिलाफ चेतावनी दी।

संदेशखाली में स्थिति भयावह : शुभेंदु

■ कोलकाता (भाषा)।

कलकत्ता उच्च न्यायालय से अनुमति मिलने के बाद मंगलवार को दोपहर बाद पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के संदेशखालि पहुंचे भारतीय जनता पार्टी की पश्चिम बंगाल इकाई के वरिष्ठ नेता शुभेंदु अधिकारी ने संघर्षग्रस्त क्षेत्र की स्थिति को 'भयानक' तथा 'अराजकता का स्पष्ट उदाहरण' बताया।

■ कहा, इलाके में अराजकता का स्पष्ट उदाहरण

एक अन्य विधायक शंकर घोष के साथ पहुंचे अधिकारी ने महिलाओं सहित स्थानीय लोगों से बात की। महिलाओं ने फरार चल रहे शाहजहां शेख सहित तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के स्थानीय नेताओं द्वारा दिए गए अपने दर्दनाक अनुभवों को साझा किया। भाजपा नेता नाव से कालिंदी नदी पार कर संदेशखालि पहुंचे, जहां महिलाओं सहित स्थानीय लोगों ने उनका स्वागत किया। उन्होंने कहा, स्थानीय लोगों द्वारा साझा किये गये अनुभव बेहद दर्दनाक है। उनकी जमीनें हड़प ली गई और महिलाओं का शोषण किया गया। सब कुछ पुलिस और प्रशासन की मदद से हुआ। स्थिति पूरी तरह से भयावह है और इलाके में अराजकता का स्पष्ट उदाहरण है।

शुभेंदु को संदेशखालि जाने की अनुमति

■ कोलकाता (भाषा)।

कलकत्ता उच्च न्यायालय ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी को संकटग्रस्त संदेशखालि गांव का दौरा करने की अनुमति दे दी लेकिन साथ ही इस बात पर आश्चर्य जताया कि मुख्य आरोपी शाहजहां शेख को अब तक राज्य पुलिस ने गिरफ्तार नहीं किया है। मुख्य न्यायाधीश टी.एस. शिवगणनम की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने मंगलवार को एकल पीठ के आदेश में हस्तक्षेप करने से इंकार कर दिया जिसने अधिकारी और भाजपा के एक अन्य विधायक शंकर घोष को उत्तर 24 परगना जिले के संदेखालि ब्लॉक दो के पंचायती गांव संदेशखालि जाने की अनुमति दी थी।

कोलकाता से लगभग 100 किलोमीटर दूर सुंदरवन की सीमा पर नदी के किनारे स्थित संदेशखालि क्षेत्र में टीएमसी के कुछ नेताओं द्वारा महिलाओं पर यौन अत्याचार और भूमि हड़पने के आरोपों पर विरोध प्रदर्शन हो रहा है। खंडपीठ ने कहा,'यह काफी आश्चर्य की बात है कि जिस व्यक्ति को इस समस्या का मूल कारण बताया जा रहा है उसे अभी भी पकड़ा नहीं जा सका है और वह कानून तोड़कर भागा हुआ है।' पीठ ने कहा कि अदालत को नहीं पता कि उसे संरक्षण प्राप्त है या नहीं, तथ्य यह है कि उसे पकड़ा नहीं गया है। एकल पीठ के आदेश को चुनौती देने वाली राज्य सरकार की अपील पर सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा, 'इसका मतलब यह हो सकता है कि राज्य के पुलिस तंत्र के पास उसे पकड़ने के साधन नहीं है या (वह) राज्य पुलिस के अधिकार क्षेत्र से बाहर है।'

एकल पीठ ने प्रशासन द्वारा संदेशखालि के कुछ इलाकों में धारा 144 लागू करने पर भी अगले आदेश तक रोक लगा दी थी। मुख्य न्यायाधीश शिवगणनम की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने कहा कि न्यायमूर्ति अपूर्व सिन्हा रॉय की एकल पीठ ने 12 फरवरी को बंदूक की नोक पर यौन उत्पीड़न और आदिवासी भूमि को जबरन छीनने के आरोपों पर स्वतः संज्ञान लिया था।

■ हाईकोर्ट ने शाहजहां की गिरफ्तारी न होने पर अदालत ने जतायी हैरानी

■ कुछ इलाकों में धारा 144 लागू करने पर भी अगले आदेश तक रोक

NIA की हो सकती एंट्री

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल के संदेशखालि मामले में जल्द ही राष्ट्रीय जाँच एजेंसी (एनआईए) की इंट्री होने वाली वाली है । एनआईए जल्द ही एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर सकती है। टीएमसी नेता शाहजहां शेख की अभी तक गिरफ्तारी नहीं हुई है।

■ जल्द दर्ज हो सकती है FIR

सूत्रों के मुताबिक, बीजेपी नेताओं ने इस घटना को लेकर केन्द्र सरकार से उच्चस्तरीय जांच की मांग की। जिसके बाद अब ये मामला एनआईए को दिया जा सकता है। राष्ट्रीय महिला आयोग, राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग व अन्य एजेंसियों द्वारा केन्द्र सरकार को मुहैया करवाई गई सूचना के आधार पर जांच एनआईए को सौंपी जा सकती है। इस घटना में राज्य के बाहर के असामाजिक तत्वों की संलिप्तता के सबूत मिले है, जिनको सुनियोजित ढंग से हिंसा करने माहौल अशांत करने के लिए भेजा गया था।

एनआईए जांच की तैयारी इसलिए भी की जा रही है क्योंकि उत्पीड़न और जबरन जमीन कब्जे का जिनको आरोपी बताया जा रहा है उनमें से ज्यादातर बांग्लादेश सीमा के पास रहते है।

वृंदा करात को भी मिली अनुमति

कोलकाता (भाषा)। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) की वरिष्ठ नेता वृंदा करात को मंगलवार को पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के संकटग्रस्त संदेशखालि का दौरा करने की अनुमति मिल गई। करात को पहले पुलिस ने संदेशखालि जाने से रोक दिया था। माकपा नेता करात ने कहा कि पुलिस ने उन्हें धमखाली नौका घाट पर यह कहते हुए रोक दिया था कि अगर वह संदेशखालि जाएंगी तो शांति भंग हो सकती है। बाद में उन्हें संकटग्रस्त क्षेत्र का दौरा करने की अनुमति दे दी गई। उन्होंने धमखाली में संवाददाताओं से कहा, शांति तब भंग हुई थी जब महिलाओं को स्थानीय टीएमसी कार्यालयों में बुलाया गया और उनका यौन उत्पीड़न किया गया। अब यह न्याय की लड़ाई है।

केंद्र से वार्ता के नतीजे पर निर्भर होगा प्रस्तावित आमरण अनशन : वांगचुक

■ लेह (भाषा)।

लद्दाख के वास्ते संवैधानिक सुरक्षा उपायों के लिए अभियान चला रहे सोनम वांगचुक ने मंगलवार को कहा कि प्रस्तावित 'आमरण अनशन' की समीक्षा अगले सप्ताह की जाएगी। यह केंद्रशासित प्रदेश को राज्य का दर्जा देने सहित उनकी विभिन्न मांगों पर केंद्र सरकार के सात बातचीत के नतीजे पर निर्भर करेगा। वांगचुक मांगों को लेकर मंगलवार से आमरण अनशन की शुरुआत करने वाले थे।

■ कहा, हम 26 फरवरी को लेह शहर में बुलाएंगे विशाल जनसभा

उन्होंने कहा, हम 26 फरवरी को लेह शहर में एक विशाल जनसभा बुलाएंगे। हम लद्दाख के लोगों की मांगों को स्वीकार करने के लिए या तो सरकार को धन्यवाद देंगे या फिर वार्ता विफल होने की स्थिति में आमरण अनशन करेंगे। लद्दाख नेतृत्व का प्रतिनिधित्व करने वाली लेह एपेक्स बॉडी (एलएबी) और कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस (केडीए) के पदाधिकारी वर्तमान में राष्ट्रीय राजधानी में मौजूद है। उन्होंने सोमवार को केंद्र सरकार के साथ नये दौर की बातचीत के बाद घटनाक्रम को महत्वपूर्ण बताते हुए 'आमरण अनशन' के कार्यक्रम को अस्थायी रूप से रोक दिया है। उसने कहा कि सरकार लद्दाख को संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने, इसे राज्य का दर्जा देने और लद्दाख क्षेत्र के लिए एक विशेष लोक सेवा आयोग की स्थापना की मांगों पर चर्चा करने के लिए सहमत हो गई है।

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय की अध्यक्षता में लद्दाख से संबंधित उच्चाधिकार समिति (एचपीसी), एलएबी के 14-सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल और केंद्रशासित प्रदेश के विभिन्न संगठनों का प्रतिनिधित्व करने वाले केडीए की बैठक के दौरान इन समझौतों पर सहमति बनी थी। बैठक में मांगों के ब्योरे पर विचार करने की कवायद को आगे बढ़ाने के लिए एक संयुक्त उप-समिति गठित करने का भी निर्णय लिया गया। रेमन मैगसायसाय पुरस्कार से सम्मानित वांगचुक ने कहा, हम 24 फरवरी को उप-समिति की बैठक और 25 फरवरी को लेह में हमारे नेताओं की वापसी तक इंतजार करेंगे। हम अगले दिन लेह शहर में एक विशाल जनसभा बुलाएंगे। हम लद्दाख के लोगों की मांगों को स्वीकार करने के लिए या तो सरकार को धन्यवाद देंगे या फिर वार्ता विफल होने की स्थिति में आमरण अनशन करेंगे। प्रतिनिधिमंडल की मांगों में लद्दाख के लिए दो लोकसभा सीट शामिल है, जिसमें एक कारगिल और एक लेह के लिए है। लद्दाख में वर्तमान में एक लोकसभा सीट है। इन मांगों में इस केंद्रशासित प्रदेश के निवासियों के लिए नौकरी के अवसर भी शामिल है।

सिखों को मुसलमान समझने की भूल पर बर्मिंघम विवि ने मांगी माफी

■ लंदन (भाषा)।

बर्मिंघम विश्वविद्यालय ने एक विवादास्पद सोशल मीडिया पोस्ट को हटाते हुए माफी मांगी है। इस पोस्ट में ऐसा लग रहा था कि सिख विद्यार्थियों को मुसलमान समझ लिया गया है। बर्मिंघम मेल की खबर के अनुसार, विश्वविद्यालय द्वारा किए गए पोस्ट में कहा गया था कि इस माह के प्रारंभ में विश्वविद्यालय की सिख सोसाइटी द्वारा आयोजित 20वां 'लंगर ऑन कैंपस' कार्यक्रम इस्लामिक जागरूकता सप्ताह का हिस्सा था।

विश्वविद्यालय के इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट में लंगर की तस्वीरें टैग की गई और उसके साथ 'डिस्कवर इस्लाम वीक' लिखा गया। सिख प्रेस एसोसिएशन के प्रवक्ता जसवीर सिंह ने कहा, 'यह देखकर न केवल निराशा, बल्कि आश्चर्य भी हुआ है कि जिन लोगों पर बर्मिंघम विश्वविद्यालय की छवि का जिम्मा है, वे विश्वविद्यालय में समुदायों को लेकर अनभिज्ञ है।' एसोसिएशन ने ही अपने सोशल मीडिया मंचों पर विश्वविद्यालय की इस गलती को प्रमुखता से उजागर किया। सिंह ने कहा, 'यह स्पष्टतः विश्वविद्यालय कर्मियों को दिए जा रहे प्रशिक्षण एवं शिक्षण का मुद्दा है। सिख दशकों से बर्मिंघम विश्वविद्यालय समुदाय का एक अहम हिस्सा रहे है।' क ई लोगों ने सोशल मीडिया पर विश्वविद्यालय की इस गलती को 'स्तब्धकारी' एवं 'अविश्वसनीय' बताया। विश्वविद्यालय के प्रवक्ता ने कहा, 'इससे (सोशल मीडिया पोस्ट से) लोगों के मन को जो ठेस पहुंची है, उसके लिए विश्वविद्यालय दिल से माफी मांगता है।' उन्होंने कहा, 'हम मानते है कि यह पोस्ट त्रुटिपूर्ण था। पोस्ट किए जाने के शीघ्र बाद गलती पकड़ में आई और उसे तत्काल हटा लिया गया। विश्वविद्यालय अपने समुदाय की विविधता का सम्मान करता है और उसे उन पर गर्व है। वह स्वागतयोग्य एवं समावेशी माहौल प्रदान करने के लिए प्रयासरत रहेगा। हमने सीधे संबंधित व्यक्तियों एवं संगठनों से माफी मांगने एवं उनकी राय जानने के लिए उनसे संपर्क किया है।

गरीबी, भुखमरी से निपटने को भारत ने दिए 10 लाख डॉलर

■ संयुक्त राष्ट्र (भाषा)।

गरीबी और भूखमरी से निपटने के उद्देश्य से स्थापित कोष में भारत ने दस लाख अमेरिकी डॉलर का योगदान दिया है। इस कोष को भारत, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका द्वारा स्थापित किया गया है।

संयुक्त राष्ट्र में भारतीय राजदूत रुचिरा कंबोज ने गरीबी और भूखमरी उन्मूलन कोष (आईबीएसए कोष) के लिए योगदान के रूप में सोमवार को 'संयुक्त राष्ट्र दक्षिण-दक्षिण सहयोग कार्यालय (यूएनओएसएससी) के निदेशक दिमा अल-खतीब को 10 लाख अमेरिकी डॉलर का चेक सौंपा। इस अवसर पर कंबोज ने कहा कि भारत की अध्यक्षता में हुए जी 20 शिखर सम्मेलन में जनता का, जनता द्वारा और जनता के लिए विकास पर ध्यान केंद्रित किया गया था। उन्होंने कहा, भारत आईबीएसए कोष का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध है। हमारा मानना है कि इसके जरिए 'ग्लोबल साउथ' में लाखों लोगों के जीवन पर सकारात्मक असर पड़ा है और सहयोग की भावना मजबूत हुई है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थाई मिशन ने बताया कि आईबीएसए (भारत, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका) में शामिल प्रत्येक देश विकासशील देशों में परिवर्तनकारी परियोजनाओं के लिए साझेदारी और समर्थन की भावना के साथ कोष में सालाना 10 लाख डॉलर का योगदान देते हैं। इस कोष की स्थापना 2004 में की गई थी और इसका संचालन 2006 से शुरू हुआ। तब से लेकर अब तक आईबीएसए कोष में भारत की ओर से कुल मिलाकर 1.8 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक का योगदान दिया जा चुका है।

पाक : सरकार के गठन में गतिरोध जारी

■ इस्लामाबाद (भाषा)।

पाकिस्तान में नई गठबंधन सरकार के गठन में मंगलवार को कोई प्रगति नहीं हुई क्योंकि पीएमएल-एन और पीपीपी के शीर्ष नेताओं के बीच नवीनतम दौर की बातचीत में सत्ता-साझा करने के मुद्दे पर सहमति नहीं बन पायी।

यहां पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के वरिष्ठ नेता सीनेटर इशाक डार के आवास पर सोमवार को आयोजित पांचवें दौर की बैठक में दोनों दलों के प्रमुख नेताओं की भागीदारी देखी गई, जिन्होंने नकदी संकट से जूझ रहे देश के हित में एकसाथ काम करने का संकल्प जताया है।'एक्सप्रेस ट्रिब्यून' अखबार ने मंगलवार को बताया कि पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के प्रतिनिधिमंडल में वरिष्ठ नेता मुराद अली शाह, कमर जमां कैरा, नदीम अफजल चान और अन्य शामिल थे। सोमवार को तीन घंटे के विचार-विमर्श के बाद, बातचीत में रुकावट आ गई। पीएमएल-एन और पीपीपी दोनों सोमवार रात 10 बजे फिर से मिलने पर सहमत हुए। हालांकि, बैठक नहीं हुई। आखिरकार, रात 11 बजे पीएमएल-एन ने अपनी बैठक समाप्त की और घोषणा की कि पीपीपी के साथ चर्चा बुधवार को फिर से शुरू होगी।

■ पीएमएल-एन, पीपीपी के बीच नहीं बनी सहमति

पहले दौर की बैठक के बाद पत्रकारों से अनौपचारिक बातचीत में पीएमएल-एन नेता आजम नजीर तरार ने चल रही चर्चा में सकारात्मक रुख होना बताया। 'जियो न्यूज' ने तरार के हवाले से कहा, पीपीपी को कैबिनेट में शामिल करने के मामले पर कुछ चीजें पहले ही तय हो चुकी है।' पीपीपी पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की पीएमएल-एन को समर्थन देने के लिए कथित तौर पर राष्ट्रपति, सीनेट अध्यक्ष और नेशनल असेंबली अध्यक्ष जैसे प्रमुख संवैधानिक पदों की मांग कर रही है। सूत्रों ने कहा कि पीपीपी अध्यक्ष बिलावल जरदारी-भुट्टो पीएमएल-एन को एक ऐसे बिंदु पर लाने की कोशिश कर रहे है, जहां वह (पीएमएल-एन) गठबंधन सरकार बनाने से पीछे हट जाए ताकि वह फिर खुद को प्रधानमंत्री के रूप में पेश करके जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के निर्दलीय सांसदों के समर्थन से सरकार बना लें, जो अब सुन्नी इत्तेहाद काउंसिल में शामिल हो गए है।

गाजा के अस्पताल में ऑक्सीजन की कमी से आठ मरीजों की मौत

■ गाजा (वार्ता)।

दक्षिणी गाजा के खान यूनिस शहर के प्रमुख अस्पताल में इस्राइली सेना के लगातार हमलों के कारण कई दिनों तक बिजली गुल होने और ऑक्सीजन आपूर्ति बाधित होने के कारण आठ मरीजों की मौत हो गई। यह जानकारी फिलिस्तीन की स्वास्थ्य मंत्री माई अल-कैला ने दी।

सुश्री अल-कैला ने कहा कि इस्राइली हमले के कारण नासिर अस्पताल में उपचार करवा रहे अन्य रोगियों के जीवन पर खतरा उत्पन्न हो गया है। उन्होंने बिस्तर पर पड़े मरीजों और चिकित्सा कर्मचारियों की रिहाई के लिए अंतरराष्ट्रीय प्रयासों का आह्वान किया और दावा किया कि इस्राइली सैन्य ट्रकों में भर कर उन्हें उन्हें अज्ञात स्थान पर ले जाया गया है। गाजा में हमास द्वारा संचालित स्वास्थ्य मांलय ने पहले कहा था कि इजरायली बलों ने गुरुवार को दक्षिणी गाजा पट्टी के खान यूनिस शहर में नासिर अस्पताल की दक्षिणी दीवार को ध्वस्त करने के बाद उस पर धावा बोल दिया। उधर, इस्राइली रक्षा बल (आईडीएफ) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि आईडीएफ ने संयुक्त अभियान में सैकड़ों आतंकवादियों और अन्य संदिग्धों को गिरफ्तार किया है, जो अस्पताल में छिपे हुए थे और कुछ चिकित्सा कर्मचारी के रूप में काम कर रहे थे। आईडीएफ ने कहा कि अस्पताल में बड़ी मात्रा में हथियार पाया गया। आईडीएफ ने हमास पर अस्पताल में मरीजों को मानव ढाल के रूप में उपयोग करने का आरोप लगाया। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि इस्राइली सेना ने नासिर मेडिकल कॉम्प्लेक्स को सैन्य बैरक में तब्दील कर दिया है, जिससे अंदर के मरीजों और चिकित्सा कर्मचारियों का जीवन खतरे में है।

माफी मांगने तक ब्राजील राष्ट्रपति का स्वागत नहीं : इस्राइल

यरुशलम (एपी)। ब्राजील राष्ट्रपति के गाजा में जारी युद्ध की तुलना हिटलर के नरसंहार से किए जाने से नाराज इस्राइल के विदेश मंत्री ने कहा कि ब्राजील के राष्ट्रपति का उनके देश में तब तक स्वागत नहीं किया जाएगा जब तक वह उस टिप्पणी के लिए माफी नहीं मांगते। इथियोपिया में अफ्रीकी संघ शिखर सम्मेलन में राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा ने रविवार कहा था, ' गाजा पट्टी और फिलिस्तीनी लोगों के साथ जो हो रहा है वह इतिहास में कभी नहीं देखा गया। ऐसा तब हुआ था जब हिटलर ने यहूदियों के नरसंहार का फैसला लिया था।' इस्राइल के विदेश मंत्री काट्ज ने सोमवार को यरुशलम में ब्राजील के राजदूत को तलब किया। काट्ज ने कहा, 'लूला ने हिटलर द्वारा की गई यहूदियों की हत्या और नरसंहार की तुलना हमास के खिलाफ इस्राइल के युद्ध की, जो कि शर्मनाक और अस्वीकार्य है।'

संक्षिप्त खबरें

वर्ल्ड बैंक का गोवा से करार

पणजी। गोवा सरकार ने विश्व बैंक के साथ साझेदारी में एक मिश्रित वित्त सुविधा स्थापित करने की घोषणा की। यह तटीय राज्य को कम कार्बन तथा जलवायु-लचीला निवेश लागू करने के लिए रियायती वित्त तक पहुंच प्रदान करेगा। मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने विश्व बैंक के अधिकारियों और अन्य संस्थानों की उपस्थिति में इस सुविधा की स्थापना की घोषणा की। मिश्रित वित्त सुविधा ढांचे द्वारा पहचाने गए क्षेत्रों की विस्तृत श्रृंखला को देखते हुए गोवा सरकार के पर्यावरण विभाग ने नाबार्ड के वाइस चेयरमैन जीएस रावत, सिडबी के सीएमडी एस. रमन और पीएफसी के सीएमडी परमिंदर चोपड़ा के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

एएमएसएल की नई सुविधा

नयी दिल्ली। बुनियादी ढांचा एवं रक्षा समाधान प्रदाता एएमएसएल की तेलंगाना में 210 करोड़ रुपये की लागत से एक नई सुविधा स्थापित करने की योजना है। कंपनी बयान के अनुसार इंटीग्रेटेड प्लांट फॉर इंजेनियस डिफेंस सिस्टम्स नाम की सुविधा की आधारशिला तेलंगाना के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री डुडिला श्रीधर बाबू गारू ने सोमवार को रखी। बयान में कहा गया, विनिर्माण सुविधा करीब पांच एकड़ भूमि पर 3,50,000 वर्ग फुट के कुल निर्मित क्षेत्र के साथ बनाई जाएगी। इसमें 210 करोड़ के निवेश के साथ अंतरराष्ट्रीय मानकों के तहत 'एंड-टू-एंड' विनिर्माण सेट-अप होगा।

बजाज का नया अफिस

नई दिल्ली। बजाज आलियांज जनरल इंश्योरेंस ने उत्तर प्रदेश के अयोध्या में अपना नया कार्यालय खोला। नए कार्यालय के उद्घाटन पर टिप्पणी करते हुए बजाज आलियांज जनरल इंश्योरेंस के एमडी और सीईओ तपन सिंघल ने कहा, 'भारत इस समय तेजी से आर्थिक विकास की ओर अग्रसर है और ऐसे में बीमा उद्योग एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए तैयार है। व्यक्तियों और व्यवसायों के लिए वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करने में उत्तर प्रदेश इस विकास में सबसे आगे है और यह राज्य देश की जीडीपी में महत्वपूर्ण योगदान देने वाला राज्य है।

JSW में कौस्तुभ पदोन्नत

नई दिल्ली। जेएसडब्ल्यू समूह ने कौस्तुभ कुलकर्णी को तत्काल प्रभाव से बैंकिंग प्रमुख के पद पर पदोन्नत किया है। कंपनी की ओर से जारी बयान के अनुसार, कुलकर्णी 2017 में एम एंड ए और स्ट्रैटेजिक फाइनेंसिंग के समूह प्रमुख के रूप में समूह में शामिल हुए। जेएसडब्ल्यू समूह के अनुसार 'एम एंड ए' और स्ट्रैटेजिक फाइनेंसिंग के समूह प्रमुख के रूप में अपनी मौजूदा जिम्मेदारियों के अलावा कुलकर्णी अब समूह के व्यावसायिक क्षेत्रों में बैंकिंग संबंधों का भी काम संभालेंगे।'

एलआईसी को मिला रिफंड

नई दिल्ली। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) को आयकर विभाग से वर्ष 2012-13, 2013-14, 2014-15, 2016-17, 2017-18, 2018-19 और वर्ष 2019-20 के लिए आयकर रिफंड के आदेश प्राप्त हुए हैं। रिफंड की कुल राशि 25464.46 करोड़ रुपये है। इस संबंध में आयकर विभाग ने 15 फरवरी को 21740.77 करोड़ रुपये जारी किर दिये हैं। अन्य राशि भी जल्द जारी होगी। निगम आयकर विभाग से शेष राशि प्राप्त करने के लिए प्रक्रिया पूरी कर रहा है।(एजेंसियां)

कैपरस्काई ने करोड़ों साइबर हमले किए नाकाम

■ बीते साल कंपनी ने भारत में यूजर्स को 7.43 करोड़ साइबर सुरक्षा खतरों से बचाया

नई दिल्ली (भाषा)।

साइबर सुरक्षा और डिजिटल गोपनीयता क्षेत्र की वैश्विक कंपनी कैस्परस्काई ने मंगलवार को कहा कि उसने भारत में 2023 में साइबर सुरक्षा खतरों की 7.43 करोड़ स्थानीय घटनाओं को रोका। कंपनी ने कहा कि उसके 34 प्रतिशत उपयोगकर्ताओं को स्थानीय खतरों का सामना करना पड़ा।

इन आंकड़ों में उपयोगकर्ताओं के कंप्यूटर या उससे जुड़े उपकरणों (फ्लैश ड्राइव, कैमरा मेमोरी कार्ड, फोन, एक्सटर्नल हार्ड ड्राइव) पर सीधे पाए गए दुर्भावनापूर्ण प्रोग्राम शामिल हैं।

कैस्परस्काई की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2023 में भारत में 34 प्रतिशत उपयोगकर्ताओं को स्थानीय खतरों का निशाना बनाया गया।

कंपनी ने बताया कि उसने भारत में कैस्परस्काई सिक्योरिटी नेटवर्क (केएसएन) उपयोगकर्ताओं के कंप्यूटरों पर 74385324 स्थानीय घटनाओं का पता लगाया व उन्हें ब्लॉक कर दिया। भारत में साइबर सुरक्षा बाजार 2023 में 6.06 अरब अमेरिकी डालर तक पहुंच गया।

कोयला गैसीकरण परियोजनाओं को बढ़ावा देने के लिए रोड शो आज

नई दिल्ली (भाषा)।

कोयला गैसीकरण परियोजनाओं को बढ़ावा देने के लिए कोयला मंत्रालय बुधवार को एक और रोड शो करेगा। यह रोड शो मुंबई में आयोजित किया जाएगा।

मंत्रालय ने एक बयान में कहा, 'हैदराबाद में 16 फरवरी को एक बातचीत के बाद कोयला, लिग्नाइट गैसीकरण परियोजनाओं को बढ़ावा देने की योजना पर ध्यान केंद्रित करते हुए कोयला मंत्रालय 21 फरवरी 2024 को एक और रोड शो आयोजित करने के लिए तैयार है।'

कोयला सचिव अमृत लाल मीणा इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि होंगे।

गांवों में अपनी पैठ बढ़ाएगी रेनो इंडिया

नई दिल्ली (भाषा)। वाहन निर्माता रेनो इंडिया ने ग्रामीण भारत में अपने वाहनों की उपलब्धता और पहुंच बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकी-सक्षम डिजिटल सेवा प्रदाता बीएलएस ई-सर्विसेज के साथ साझेदारी की है। कंपनी बयान के अनुसार, दोनों साझेदारों ने ग्रामीण बाजार में रेनो की 2024 रेंज की क्विड, ट्राइबर और काइगर की पहुंच बढ़ाने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।

रेनो इंडिया के वाइस चेयरमैन (बिक्री एवं विपणन) सुधीर मल्होत्रा ने कहा, 'ग्रामीण भारत में हमारे लिए काफी संभावनाएं हैं। बीएलएस ई-सर्विसेज के साथ हमारे सहयोग से हम अपनी भारत में विश्व के लिए बनी कारों को पेश करते हुए इन बाजारों में अपनी उपस्थिति को बढाने की इच्छा रखते है।' बीएलएस ई-सर्विसेज के चेयरमैन शिखर अग्रवाल ने कहा, 'रेनो इंडिया के साथ इस गठबंधन को बनाकर हम एक गतिशील परिवेश तैयार कर रहे हैं।'

प्याज निर्यात पर प्रतिबंध 31 मार्च तक जारी रहेगा

■ कीमतें नियंत्रित रखने के लिए खत्म नहीं की गई रोक

नई दिल्ली (भाषा)।

प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध पहले से घोषित समय सीमा 31 मार्च तक जारी रहेगा। सरकार की कीमतों को नियंत्रण में रखने और घरेलू उपलब्धता सुनिश्चित करने की कोशिश जारी है। एक शीर्ष अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। सरकार ने आठ दिसंबर 2023 को 31 मार्च तक प्याज के निर्यात पर रोक लगा दी थी।

उपभोक्ता मामलों के सचिव रोहित कुमार सिंह ने कहा, 'प्याज निर्यात पर प्रतिबंध नहीं हटाया गया है, यह जारी है। मौजूदा स्थिति में कोई बदलाव नहीं है।' उन्होंने कहा कि सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता घरेलू उपभोक्ताओं को उचित मूल्य पर प्याज की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित कराना है।

निर्यात प्रतिबंध हटाने की खबरों के बीच देश के सबसे बड़े थोक प्याज बाजार लासलगांव में 19 फरवरी को थोक प्याज की कीमतें 40.62 प्रतिशत बढ़कर 1,800 रुपये प्रति क्विंटल हो गईं, जो 17 फरवरी को 1,280 रुपये प्रति क्विंटल थीं।

सूत्रों ने बताया कि 31 मार्च के बाद आम चुनाव से पहले भी प्रतिबंध हटाए जाने की संभावना नहीं है क्योंकि रबी (सर्दियों) प्याज का उत्पादन विशेष रूप से महाराष्ट्र में कम 'कवरेज' के कारण कम होने की आशंका है।

वर्ष 2023 के रबी सीजन में प्याज का उत्पादन 2.27 करोड़ टन होने का अनुमान लगाया गया है। कृषि मंत्रालय के अधिकारी आने वाले दिनों में प्रमुख उत्पादक राज्यों महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और गुजरात में रबी प्याज 'कवरेज' का आकलन करेंगे।

फिनटेक कंपनियों के साथ वित्त मंत्री की बैठक अगले हफ्ते

नई दिल्ली (भाषा)।

फिनटेक कंपनी पेटीएम के मुश्किलों में फंसने के बीच वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण नियामकीय मानकों के सख्त अनुपालन के मुद्दे पर अगले सप्ताह फिनटेक कंपनियों के प्रमुखों से मुलाकात करेंगी। पेटीएम का परिचालन करने वाली कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड की सहयोगी इकाई पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड को हाल ही में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के सख्त निर्देशों का सामना करना पड़ा है।

रिजर्व बैंक ने 'अपने ग्राहक को जानें' (केवाईसी) दिशानिर्देशों समेत कई नियामकीय मानदंडों का पालन करने में नाकाम रहने पर पेटीएम पेमेंट्स बैंक को 15 मार्च के बाद जमा या टॉप-अप सुविधा देने से रोक दिया है। सूत्रों के मुताबिक, पेटीएम मामले के बीच सीतारमण अगले हफ्ते वित्तीय-प्रौद्योगिकी कंपनियों के मुख्य कार्यपालक अधिकारियों (सीईओ) के साथ बैठक करेंगी। इस बैठक में वह उनकी चिंताओं एवं समस्याओं से अवगत होने की कोशिश करेंगी।

इस बैठक में वित्त मंत्री की तरफ से फिनटेक कंपनियों पर मानकों का पालन करने की जरूरत पर जोर दिया जा सकता है। इसकी वजह यह है कि ये कंपनियां आम लोगों के पैसे के लेनदेन से जुड़ी हुई हैं।

पेपाल पर लेनदेन अब ज्यादा सुरक्षित हुए

■ इस फिनटेक कंपनी ने वित्तीय आसूचना इकाई के यहां कराया पंजीकरण

नई दिल्ली (भाषा)।

अमेरिकी आनलाइन भुगतान सुविधा सेवा प्रदाता पेपाल ने भारत की वित्तीय आसूचना इकाई (एफआईयू) के साथ अपने परिचालन का पंजीकरण करा लिया है। इस कदम के बाद अब पेपाल ज्यादा सुरक्षित एवं विश्वसनीय हो गया है। दोनों इकाइयों के बीच चली लंबी कानूनी लड़ाई के लगभग छह साल बाद कंपनी ने यह कदम उठाया है।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि पेपाल ने हाल ही में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत एक सूचनादाता इकाई के रूप में पंजीकरण की औपचारिक प्रक्रिया पूरी कर ली है। इसके लिए कंपनी ने एफआईयू के पास जरूरी दस्तावेज जमा कर दिए हैं।

■ लंबी कानूनी लड़ाई के बाद कंपनी ने उठाया यह महत्वपूर्ण कदम
■ धनशोधन निवारण कानून के तहत इस कंपनी ने लिया यह फैसला
■ आनलाइन लेनदेन की सुविधा देने वाली सबसे प्रमुख कंपनी है पेपाल

उन्होंने कहा कि पेपाल ने एफआईयू के साथ आधिकारिक संवाद के लिए एक प्रमुख अधिकारी को भी नियुक्त किया है। इसके अलावा एक निदेशक की नियुक्ति की प्रक्रिया चल रही है। धन शोधन रोधी कानून के अनुसार ये नियुक्तियां जरूरी हैं।

पेपाल के प्रवक्ता ने एक सवाल के जवाब में कहा, ''पेपाल ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के सीमापार भुगतान एग्रीगेटर्स (पीए-सीबी) को नियंत्रित करने वाले हालिया नियामकीय ढांचे का पालन करते हुए वित्तीय आसूचना इकाई के साथ खुद को पंजीकृत किया है।'

एफआईयू एक राष्ट्रीय एजेंसी है, जो भारतीय आर्थिक माध्यमों में संदिग्ध वित्तीय लेनदेन से संबंधित जानकारी विभिन्न प्रवर्तन एजेंसियों को देती है। एजेंसी विदेशी समकक्षों के साथ मिलकर भी काम करती है।

कारपोरेट के सहारे वृद्धि को मिलेगी रफ्तार

■ कारपोरेट क्षेत्र के पूंजीगत खर्च के नए दौर से अर्थव्यवस्था को होगा लाभ

मुंबई (भाषा)।

भारतीय अर्थव्यवस्था ने वित्त वर्ष 2023-24 की पहली छमाही में हासिल की गई वृद्धि की रफ्तार को बरकरार रखा है और कारपोरेट क्षेत्र द्वारा पूंजीगत व्यय के नए दौर से वृद्धि के अगले चरण को गति मिलने की उम्मीद है।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के बुलेटिन में मंगलवार को यह बात कही गई। बुलेटिन में 'अर्थव्यवस्था की स्थिति' पर एक लेख में कहा गया, 'हाल के महीनों में यह धारणा मजबूत हुई है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था 2024 में उम्मीद से अधिक मजबूत वृद्धि हासिल करेगी और जोखिमों को व्यापक रूप से संतुलित किया गया है।'

लेख के मुताबिक, उच्च आवृत्ति संकेतकों के आधार पर कहा जा सकता है कि भारतीय अर्थव्यवस्था ने 2023-24 की पहली छमाही में हासिल की गई गति को बरकरार रखा है। आरबीआई के डिप्टी गवर्नर माइकल देवव्रत पात्रा के नेतृत्व वाली एक टीम द्वारा लिखे गए लेख में कहा गया, 'कारपोरेट क्षेत्र द्वारा पूंजीगत व्यय के नए दौर की उम्मीद से वृद्धि के अगले चरण को बढ़ावा मिलने की संभावना है।'

केंद्रीय बैंक ने 2024-25 के लिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर सात प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। लेख में कहा गया है कि इसमें व्यक्त विचार लेखकों के है और ये भारतीय रिजर्व बैंक के विचारों का प्रतिनिधित्व नहीं करते है।

सोने में सौ रुपये की गिरावट चांदी 400 रुपये फिसली

नई दिल्ली (भाषा)।

कमजोर वैश्विक संकेतों के बीच राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में मंगलवार को सोने का भाव 100 रुपये की गिरावट के साथ 62,700 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया। एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने यह जानकारी दी। पिछले कारोबारी सत्र में सोना 62,800 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था।

चांदी की कीमत भी 400 रुपये की गिरावट के साथ 75,600 रुपये प्रति किलोग्राम रह गई। पिछले कारोबारी सत्र में यह 76,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर रही थी। एचडीएफसी सिक्योरिटीज में वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) सौमिल गांधी ने कहा, 'दिल्ली के बाजारों में सोने की हाजिर कीमतें (24 कैरेट) 62,700 रुपये प्रति 10 ग्राम पर रहीं, जो पिछले बंद के मुकाबले 100 रुपये की गिरावट है।'

सेंसेक्स 349 अंक चढ़ा नए शिखर पर निफ्टी

मुंबई (भाषा)।

स्थानीय शेयर बाजारों में मंगलवार को लगातार छठे कारोबारी सत्र में तेजी का सिलसिला जारी रहा और बीएसई सेंसेक्स 349 अंक चढ़ गया। वहीं नेशनल स्टाक एक्सचेंज का निफ्टी फिर नए रिकार्ड स्तर पर पहुंच गया। बैंक और चुनिंदा दैनिक उपयोग का सामान बनाने वाली कंपनियों के शेयरों में लिवाली से बाजार में तेजी आई।

उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स शुरुआती नुकसान से उबरते हुए 349.24 अंक यानी 0.48 प्रतिशत की बढ़त के साथ 73,057.40 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 18 शेयर लाभ में जबकि 12 नुकसान में रहे। पचास शेयरों पर आधारित नेशनल स्टाक एक्सचेंज का निफ्टी 74.70 अंक यानी 0.34 प्रतिशत की बढ़त के साथ नये रिकार्ड स्तर 22,196.95 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान निफ्टी अपने सर्वकालिक उच्चस्तर 22,215.60 अंक तक गया।

प्रमुख सूचकांक नुकसान में खुले लेकिन निजी बैंकों के शेयरों में लिवाली से बाजार नुकसान से उबरा और लगातार छठे कारोबारी सत्र में लाभ में रहा। पिछले छह कारोबारी सत्रों में निफ्टी 580 अंक जबकि सेंसेक्स 1,984 अंक मजबूत हुआ है। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, 'उतार-चढ़ाव के बीच घरेलू बाजार एक बार फिर रिकार्ड ऊंचाई की ओर है। तेजी का कारण बैंक शेयरों में लिवाली है। निजी क्षेत्रों के बैंकों में हाल की गिरावट के बाद तेजी लौटी है।' सेंसेक्स की कंपनियों में पावरग्रिड सबसे ज्यादा 4.16 प्रतिशत लाभ में रही। कंपनी के निदेशक मंडल ने पारेषण परियोजनाओं में 656 करोड़ रुपये के निवेश की घोषणा की है। उसके बाद कंपनी का शेयर चढ़ा।

निजी बैंकों में एचडीएफसी बैंक, एक्सिस बैंक, कोटक बैंक, इंडसइंड बैंक और आईसीआईसीआई बैंक प्रमुख रूप से लाभ में रहे। इसके अलावा एनटीपीसी, नेस्ले और हिंदुस्तान यूनिलीवर में भी तेजी रही। दूसरी तरफ आईटी शेयरों में टीसीएस सबसे ज्यादा 1.75 प्रतिशत नुकसान में रही।

रुपया छह पैसे मजबूत

मुंबई (भाषा)। स्थानीय शेयर बाजारों के मजबूत रुख और कमजोर अमेरिकी मुद्रा के बीच मंगलवार को रुपया छह पैसे की बढ़त के साथ 82.95 (अस्थायी) प्रति डालर पर बंद हुआ। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि विदेशी कोषों की सतत निकासी ने हालांकि स्थानीय मुद्रा की बढ़त को सीमित किया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 83.02 प्रति डालर पर खुला। दिन में कारोबार के दौरान यह 82.91 प्रति डालर के उच्चस्तर पर पहुंचा। अंत में 82.95 प्रति डालर (अस्थायी) पर बंद हुआ जो पिछले बंद भाव से छह पैसे की बढ़त है। रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डालर के मुकाबले 83.01 पर बंद हुआ था। छत्रपति शिवाजी महाराज जयंती के मौके पर अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार सोमवार को बंद रहा था।

दिवाला मामले स्वीकार होने से पहले समाधान कर रहे कर्जदार

नई दिल्ली (भाषा)।

भारतीय दिवाला एवं ऋण शोधन अक्षमता बोर्ड (आईबीबीआई) ने कहा है कि दिवाला कानून को लेकर कर्जदार सतर्क है। कर्जदारों को इस बात की आशंका है कि उनका मालिकाना हक बदल सकता है, इसके कारण उनके व्यवहार में बदलाव आया है।

इसी का नतीजा है कि कॉरपोरेट देनदारों के खिलाफ समाधान प्रक्रिया के लिए 27,500 से अधिक आवेदन उनके स्वीकार किए जाने से पहले वापस ले लिए गए है। इन कंपनी कर्जदारों पर 9.74 लाख करोड़ रुपये के चूक के मामले थे। दिवाला एवं ऋण शोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) दिसम्बर, 2016 में पेश की गई थी। इसमें दबाव वाली संपत्तियों के लिए समयबद्ध और बाजार आधारित समाधान उपलब्ध कराया गया है।

आईबीबीआई ने अपनी पत्रिका में कहा, 'संहिता को लेकर कंपनियों में आशंका है। उन्हें लगता है कि इससे चूक की स्थिति में स्वामित्व बदल सकता है। इससे उनके व्यवहार में बदलाव आया है। हजारों कर्जदार अब दबाव वाली संपत्तियों का समाधान समय रहते कर रहे है।' इसमें कहा गया है, 'वे चूक होने की स्थिति में भुगतान को लेकर नोटिस प्राप्त होने पर मामले का समाधान कर रहे है। वे आवेदन भी दे रहे है, लेकिन उसे स्वीकार करने से पहले उन्हें वापस ले लिया गया। अगर आवेदन स्वीकार कर भी लिया गया है तो वे समाधान प्रक्रिया के परिणाम से बचने का हरसंभव कोशिश कर रहे है।' पत्रिका के अनुसार, अक्टूबर, 2023 तक 9.74 लाख करोड़ रुपये के चूक वाले कंपनी कर्जदारों के मामले में सीआईआरपी (कॉरपोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया) के लिए 27,514 आवेदन उनको स्वीकार किए जाने से पहले वापस ले लिए गए थे।

आईबीसी ने दिसम्बर, 2023 तक समाधान योजनाओं या अपीली अथवा समीक्षा आदि के माध्यम से 3,050 कारपोरेट कर्जदार (सीडी) को बचाने में मदद की है। जिन कंपनी कर्जदारों के मामलों का समाधान किया गया है, उससे स्वीकृत दावा राशि का करीब 32 प्रतिशत प्राप्त हुआ।

ईपीएफओ ने दिसम्बर में जोड़े 15.62 लाख सदस्य

नई दिल्ली (भाषा)। सेवानिवृत्ति कोष का प्रबंधन करने वाले निकाय ईपीएफओ ने मंगलवार को ताजा पेरोल आंकड़े जारी कर बताया कि उनसे दिसम्बर 2023 में शुद्ध रूप से 15.62 लाख सदस्य जोड़े। श्रम मंत्रालय के अनुसार, पिछले महीने की तुलना में दिसम्बर 2023 के दौरान सदस्यों की संख्या मं 11.97 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। ईपीएफओ के अस्थायी पेरोल आंकड़ों के मुताबिक निकाय ने दिसम्बर में शुद्ध रूप से 15.62 लाख सदस्य जोड़े। यह दिसंबर 2022 की तुलना में 4.62 प्रतिशत की वृद्धि है।

आंकड़ों से पता चलता है कि समीक्षाधीन महीने के दौरान करीब 8.41 लाख नए सदस्य नामांकित हुए। इस दौरान जोड़े गए कुल नए सदस्यों में 18-25 आयु वर्ग ही हिस्सेदारी 57.18 प्रतिशत है। इससे पता चलता है कि देश के संगठित क्षेत्र के कार्यबल में शामिल होने वाले अधिकांश सदस्य युवा हैं। आंकड़ों के मुताबिक समीक्षाधीन महीने में ईपीएफओ की योजनाओं से बाहर चले गए लगभग 12.02 लाख सदस्य वापस आ गए। बयान के मुताबिक जोड़े गए 8.41 लाख नए सदस्यों में करीब 2.09 लाख महिला सदस्य हैं।

अकासा एयर ने की नौ शहरों में डिजीयात्रा की पेशकश

नई दिल्ली (वार्ता)।

निजी विमानन कंपनी अकासा एयर ने देश के नौ प्रमुख हवाई अड्डों पर डिजी याात्रा के फेशियल रिकग्निशन सिस्टम को अपनाने की पुष्टि की है।

कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि यह सिस्टम यात्रियों की चेहरे से पहचान करता है। इन शहरों में बेंगलुरू, नई दिल्ली, वाराणसी, हैदराबाद, लखनऊ, पुणे अहमदाबाद, गुवाहटी, कोलकाता शामिल है। डिजीयात्रा को अपनाने से अकासा एयर की नए-नए प्रयोग करने तथा अपने यात्रियों को यात्रा का बेहतर अनुभव देने की प्रतिबद्धता झलकती है।

17 अरब डालर पर पहुंचेगा देश का एआई बाजार

मुंबई (भाषा)।

भारत का कृत्रिम मेधा (एआई) बाजार सालाना 25-35 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है और इसके 2027 तक 17 अरब डालर तक पहुंचने का अनुमान है। एक रिपोर्ट में यह बात कही गई।

नैसकॉम की रिपोर्ट के अनुसार, यह वृद्धि उद्यम प्रौद्योगिकी खर्च में वृद्धि, भारत के बढ़ते एआई प्रतिभा आधार तथा एआई निवेश में उल्लेखनीय वृद्धि सहित कई कारकों से प्रेरित है।

रिपोर्ट का शीर्षक 'एआई पावर्ड टेक सर्विज : ए रोडमैप फॉर फ्यूचर रेडी फर्म्स, एआई एंड जनएआई रोल इन टर्बोचार्जिंग द इंडस्ट्री' है।

बीसीजी के साथ साझेदारी में नैसकॉम रिपोर्ट मंगलवार को यहां नैसकॉम टेक्नोलॉजी एंड लीडरशिप फोरम 2024 के मौके पर जारी की गई। रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक स्तर पर एआई में निवेश में 2019 से 24 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि देखी गई है। 2023 में 83 अरब डॉलर के करीब निवेश हुआ था। अधिकतर निवेश डेटा एनालिटिक्स, जेनएआई और एमएल एल्गोज़ और मंच में किए गए थे।

इसमें कहा गया, भारतीय प्रौद्योगिकी सेवाओं और भारत में निर्मित उत्पाद में इसमें से करीब 93 प्रतिशत निवेश डिजिटल सामग्री, डेटा एनालिटिक्स और आपूर्ति श्रृंखला पर केंद्रित है। रिपोर्ट के अनुसार, एआई में काम करने वाले 4,20,000 कर्मचारियों के साथ भारत में दूसरा सबसे बड़ा स्थापित प्रतिभा आधार है। अन्य देशों की तुलना में तीन गुना अधिक एआई कुशल प्रतिभा के साथ भारत में कौशल पहुंच भी सबसे अधिक है। पिछले सात साल में एआई में कुशल व्यक्तियों की संख्या में 14 गुना वृद्धि के साथ देश शीर्ष पांच देशों में शामिल है।

नैसकॉम की अध्यक्ष देबजानी घोष ने कहा, 'भारतीय प्रौद्योगिकी कंपनियां, जेनरेटिव एआई के आगमन के साथ, एआई-संचालित एनालिटिक्स, इंटेलिजेंट ऑटोमेशन और व्यक्तिगत ग्राह चर्चा को शामिल करने के लिए पारंपरिक आईटी और बिजनेस प्रोसेस प्रबंधन से परे अपने खंड का विस्तार कर रही हैं।'

22 मार्च से शुरू होगा टूर्नामेंट, 26 मई को फाइनल होने की संभावना

आईपीएल 2024 का शेड्यूल जारी

● नई दिल्ली / एजेंसी

इंडियन प्रीमियर लीग 2024 के शेड्यूल को लेकर चेयरमैन अरुण धूमल ने एक बड़ा अपडेट दिया है। टूर्नामेंट की शुरुआत 22 मार्च से होगी और पूरा एडिशन इसका भारत में ही खेला जाएगा। फाइनल मुकाबला 26 मई को होने की संभावना है। ऐसी संभावना जताई जा रही थी कि अप्रैल-मई में लोकसभा चुनाव होंगे तो टूर्नामेंट को भारत से बाहर शिफ्ट किया जा सकता है, लेकिन टूर्नामेंट पूरी तरह से भारत में ही आयोजित किया जाएगा। ये जानकारी लीग के चेयरमैन अरुण धूमल ने दी है।

चुनाव अप्रैल-मई में होने की उम्मीद है, यही वजह है कि आईपीएल के 17वें सीजन का पूरा शेड्यूल अभी तक जारी नहीं किया गया है। धूमल ने कहा कि पहले 15 दिनों का ही शेड्यूल बताया जाएगा और बाकी मैचों की तारीखें चुनाव की घोषणा के बाद तय की जाएंगी। बता दें कि लोकसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान अगले महीने की शुरुआत में हो सकता है। धूमल ने कहा, हम टूर्नामेंट की शुरुआत 22 मार्च से कर रहे हैं। हम सरकारी एजेंसियों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं और पहले शुरुआती शेड्यूल जारी करेंगे। पूरा टूर्नामेंट भारत में ही खेला जाएगा। बता दें कि 2009 में ही पूरा आईपीएल विदेशों में खेला गया था, जबकि 2014 के कुछ मैच आम चुनावों के चलते विदेश में हुए थे। हालांकि, 2019 में चुनावों के बावजूद टूर्नामेंट भारत में ही हुआ था। टी20 वर्ल्ड कप इस लीग के कुछ ही दिनों

बाद शुरू हो रहा है, इसलिए फाइनल 26 मई को होने की संभावना है। भारत अपना पहला वर्ल्ड कप मैच 5 जून को न्यूयॉर्क में आयरलैंड के खिलाफखेलेगा, जबकि टूर्नामेंट की शुरुआत एक जून को अमेरिका और कनाडा के बीच होगी।

आरसीबी के पूर्व निदेशक ने बताया चहल को रिलीज करने की वजह

आरसीबी के पूर्व क्रिकेट निदेशक माइक हेसन ने आईपीएल 2022 के लिए हुए मेगा ऑक्शन से पहले युजवेंद्र चहल को रिलीज करने के फ्रेंचाइजी के फैसले के पीछे के कारण का खुलासा किया है। आईपीएल 2022 मेगा ऑक्शन से पहले आरसीबी ने तीन खिलाड़ियों विराट कोहली, ग्लेन मैक्सवेल और मोहम्मद सिराज को रिटेन किया था। आरसीबी का चहल को रिलीज करने का फैसला एक बड़े झटके के रूप में आया और लेग स्पिनर को आखिरकार नीलामी के दौरान राजस्थान रॉयल्स ने खरीदा। हेसन ने बताया कि चहल को रिलीज करने के पीछे का कारण बताने के लिए व्यक्तिगत रूप से फोन किया गया था। हेसन ने बताया कि चहल परेशान थे और उन्होंने बातचीत में दिलचस्पी नहीं दिखाई। चहल को हम एक बड़ी राशि देकर ऑक्शन में खरीदना चाहते थे। चूंकि यह मेगा ऑक्शन था इसलिए चहल को मार्की खिलाड़ियों की सूची में जगह नहीं मिली। 64 खिलाड़ियों के बाद उनका नाम ऑक्शन में आया। हेसन ने खुलासा किया कि वे नीलामी में चहल और हर्षल पटेल को वापस खरीदना चाहते थे, लेकिन मेगा ऑक्शन होने के कारण चीजें थोड़ी जटिल हो गईं। आरसीबी ने हर्षल को वापस खरीद लियाए,लेकिन चहल को राजस्थान रॉयल्स ने खरीद लिया। उनकी जगह आरसीबी ने श्रीलंका के ऑलराउंडर वानिंदु हसरंगा को अपनी टीम में शामिल किया।

दोनों फाइनलिस्टों के बीच होगा उद्घाटन मैच

परंपरा के अनुसार, आईपीएल का उद्घाटन मैच पिछले साल के फाइनलिस्टों के बीच खेला जाएगा, इस बार विजेता चेन्नई सुपर किंग्स और उपविजेता गुजरात टाइटंस के बीच होगा। खिलाड़ियों की नीलामी पिछले साल दिसंबर में ही हो चुकी है और ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क कोलकाता नाइट राइडर्स द्वारा 24.75 करोड़ रुपए में खरीदे जाने के बाद लीग के इतिहास में सबसे महंगे खिलाड़ी बने।

हेसन ने हसरंगा को खरीदने की वजह बताई

हेसन ने यह भी बताया कि आरसीबी ने हसरंगा को थ्रीडी खिलाड़ी के रूप में लेबल करते हुए चुना था। उन्होंने कहा, हर कोई जानता है कि हम चहल को खरीदना चाहते थेए लेकिन ऐसा नहीं हो सका। हमें पांच अन्य टीमें परेशान कर सकती थीं और उसके बावजूद पता नहीं था कि हम चहल को खरीद भी पाते या नहीं। हमें लगा कि हमें वानिंदु हसरंगा की तरफ जाना चाहिए। जाहिर है कि वह बैटिंग, बॉलिंग, फील्डिंग सब कर लेते हैं और अंतरराष्ट्रीय मंच पर अविश्वसनीय रूप से अच्छा प्रदर्शन कर रहे थे। इसलिए हमें लगा कि अगर हमें चहल नहीं मिल रहा है, तो हसरंगा हमारे लिए वास्तव में एक अच्छा विकल्प था।

खेल मंत्री सारंग के प्रयासों से खिलाड़ियों को विभाग आवंटित

विक्रम पुरस्कार प्राप्त 28 उत्कृष्ट खिलाड़ियों को मिली शासकीय सेवा

भोपाल। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग के विशेष प्रयासों से विक्रम पुरस्कार प्राप्त 28 उत्कृष्ट खिलाड़ियों को शासकीय सेवा में नियुक्ति के लिये विभागों का आवंटन किया गया है। सारंग ने खिलाड़ियों को इसके लिये बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। इसमें जल संसाधन में 14, नगरीय विकास में 5, चिकित्सा शिक्षा में 3, ऊर्जा विभाग में 2, लोक निर्माण विभाग में 3 और वन विभाग में एक खिलाड़ी को शासकीय सेवा में नियुक्ति के लिये विभाग आवंटित हुआ है। जल संसाधन विभाग के लिये वर्ष 2017 की रोइंग खिलाड़ी सोना कीर, वर्ष 2018 की क्रिकेट खिलाड़ी पूजा वस्त्रकार, वर्ष 2019 के थ्रो-बॉल खिलाड़ी चन्द्रकांत हरडे, वर्ष 2020 के कैनो स्लालम विश्वजीत सिंह और घुड़सवारी खिलाड़ी हर्षवर्धन तोमर, वर्ष 2021 की सॉफ्ट टेनिस खिलाड़ी आध्या तिवारी, घुड़सवारी खिलाड़ी सुदीप्ति हजेला, खो-खो खिलाड़ी नेन्सी जैन, जूडो खिलाड़ी पूनम शर्मा, 2022 के वूशु खिलाड़ी भूरक्षा दुबे, शूटिंग खिलाड़ी प्रगति दुबे, मलखम्ब खिलाड़ी राजवीर सिंह पवार, घुड़सवारी खिलाड़ी राजू सिंह और टेनिस खिलाड़ी धनंजय दुबे को चयनित किया गया है। नगरीय विकास विभाग के लिये 2019 की सॉफ्ट टेनिस खिलाड़ी पूजा पारखे, वर्ष 2021 की क?याकिंग-कैनोइंग खिलाड़ी आरती नाथ, सॉफ्ट बॉल खिलाड़ी रागिनी चौहान, योगा के रोहित वाजपेई और साहसिक खेल के रत्नेश पाण्डे को चयनित किया गया है।

खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहन बंसल न्यूज की सराहनीय पहल : डॉ. मोहन यादव

55 जिलों की उभरती खेल प्रतिभायें सम्मानित

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंगलवार को बंसल न्यूज के पंख खेल उपलब्धि पुरस्कार-2024 के आयोजन में प्रदेश के 55 जिलों की 55 उभरती खेल प्रतिभाओं को सम्मानित किया। राजधानी में कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेन्शन सेंटर में आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री ने प्रदेश के उन युवा और होनहार खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया, जिन्होंने कड़ा संघर्ष कर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतियोगिताओं में प्रदेश का नाम रोशन किया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल खेल एवं युवक कल्याण मंत्री विश्वास सारंग ने कहा कि सरकार प्रदेश में खेल प्रतिभाओं को निखारने के लिए बेहतर ट्रेनिंग से लेकर खेल सुविधाओं के विकास के लिए हर संभव काम कर रही हैं। सीएम डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश की खेल प्रतिभाओं को निखारने और प्रोत्साहित करने के लिए बंसल न्यूज के पंख खेल पुरस्कार की पहल शुरू करने के लिए सराहना की। उन्होंने कहा कि आज के दौर में कई मीडिया संस्थान विचार गोष्ठी जैसे औपचारिक आयोजनों के नाम पर हमें निमंत्रित करके समारोह करते हैं लेकिन बंसल न्यूज ने समाज के कमजोर वर्ग से निकलकर आने वाली खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने की जिम्मेदारी लेकर अपनी सामाजिक जिम्मेदारी का निर्वहन करने की प्रेरणा योग्य पहल की है। पंख खेल उपलब्धि पुरस्कार कार्यक्रम में बंसल ग्रुप के एमडी सुनील बंसल ने कहा कि समाज के कमजोर वर्गों से निकलकर आगे आने वाली खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ते देख खुशी होती है। प्रदेश के खिलाड़ी आगे बढ़ें और प्रदेश के साथ अपने परिवार का नाम रोशन करें। बंसल ग्रुप के लिए यह सौभाग्य की बात है कि वह ऐसे खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के अभियान में अपना योगदान दे रहा है। मुख्यमंत्री को प्रधानमंत्री मोदी की उपलब्धियों पर प्रकाशित पुस्तक भेंट की गई। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी की एक कविता वीडियो के माध्यम से दिखाई गई।

नीदरलैंड के खिलाफ जीत के लिए उतरेगी भारतीय टीम

एफआईएच हॉकी प्रो लीग में मुकाबला आज

राउरकेला। एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2023-24 के भुवनेश्वर चरण में शानदार प्रदर्शन करने वाली भारतीय टीम बुधवार को यहां नीदरलैंड के खिलाफ बढ़े मनोबल के साथ जीत के इरादे से मैदान पर उतरेगी। भारत ने भुवनेश्वर में स्पेन पर 4-1 की शानदार जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की, इसके बाद दुनिया की शीर्ष रैंकिंग वाली टीम नीदरलैंड के खिलाफ शूटआउट में 2-2 (4-2) की रोमांचक जीत हासिल की। इसके बाद, भारत को ऑस्ट्रेलिया से 4-6 से हार का सामना करना पड़ा, लेकिन उसने आयरलैंड पर 1-0 की जीत के साथ वापसी की और भुवनेश्वर चरण का समापन शानदार तरीके से किया। राउरकेला चरण में आगे बढ़ते हुए भारत ने एक करीबी मुकाबले में स्पेन के खिलाफ 2-2 (8-7) शूटआउट जीत हासिल करके लय को बरकरार रखा है। बिरसा मुंडा हॉकी स्टेडियम में प्रो लीग के रिवर्स लेग में भारत अपने अगले मैच में नीदरलैंड से भिड़ने के लिए तैयार है।

पिछले दो मुकाबलों में भारती टीम रही विजयी

भारतीय पुरुष हॉकी टीम अपने पिछले दो मुकाबलों में नीदरलैंड के खिलाफ विजयी रही है। भारत की पिछली जीत 11 फरवरी को भुवनेश्वर चरण के दौरान हुई। उस मैच में 1-2 से पिछड़ने के बावजूद भारतीय टीम ने वापसी करते हुए स्कोर बराबर किया और आखिरकार शूटआउट में 4-2 से जीत हासिल की। नीदरलैंड के खिलाफ टीम के प्रदर्शन पर भारतीय टीम के मिडफील्डर, हार्दिक सिंह ने कहा, पहले हाफ में हमारा प्रदर्शन उम्मीदों के अनुरूप नहीं रहा, लेकिन हमने दूसरे हाफ में जोरदार वापसी की और खेल को शूटआउट में धकेल दिया। हम उस समय से अपनी संभावनाओं को लेकर आश्वस्त थे, खासकर यह देखते हुए कि हमारे पास वास्तव में अच्छे गोलकीपर हैं। उन्होंने कहा, जिस तरह से हम बैक-टू-बैक इवेंट्स में प्रदर्शन कर रहे हैं, उससे कैंप में आत्मविश्वास काफी ऊंचा है और मुझे यकीन है कि हम इस गति को टूर्नामेंट में आगे भी जारी रखेंगे।

ब्रीफ न्यूज

एलएनसीटी की क्रिकेट टीम सेंट्रल जोन टूर्नामेंट के लिए कानपुर रवाना

भोपाल। भारतीय विश्वविद्यालय संघ के तत्वावधान में छत्रपति शाहूजी महाराज यूनिवर्सिटी कानपुर में आयोजित सेंट्रल जोन इंटर यूनिवर्सिटी क्रिकेट पुरुष प्रतियोगिता 2023-24 में भाग लेने के लिए एलएनसीटी विश्वविद्यालय क्रिकेट टीम कानपुर रवाना हो गई। एलएनसीटी विश्वविद्यालय क्रिकेट पुरुष टीम इस प्रकार है। चेतन रघुवंशी कप्तान बीपीईएस, सूर्यकांत शर्मा बीफार्मा, ओम प्रकाश उपाध्याय बीएएलएलबी, खुशाल बीबीए, मोहित अगवानी बीबीए-बीआईए, आयुष सिंह बीसीएएआईडीए, अंकुर तिवारी बीबीए-बीआईए, प्रीयम जोशी बीपीईएस, मयंक पाल बीपीईएस, पंकज रॉय बीपीईएस, उज्ज्वल कुमार बीपीईएस, गुलाम घोष आयुर्वेद, राजपटसरिया बीटेक, विनय चौकसे बीपीईएस, हिमाशू सिंह बीसीए-एआईडीए टीम का कोच अनुज शर्मा को नियुक्त किया गया है। सभी चयनित खिलाड़ियों को एलएनसीटी विश्वविद्यालय के कुलाधिपति जय नारायण चौकसे, डॉ. अनुपम चौकसे कुलाधिपति जेएनसीटी प्रोफेशनल युनिवर्सिटी, डॉ. धर्मेंद्र गुप्ता एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर एलएनसीटी युनिवर्सिटी, प्रो. एनके थापक वाइस चांसलर, डॉ. अजीत सोनी रजिस्ट्रार, पंकज कुमार जैन स्पोर्ट्स डायरेक्टर एलएनसीटी, डॉ. बीएस पवार एचओडी डिपार्टमेंट ऑफ फिजिकल एजुकेशन, तनवंत सिंह, महेश सोधिया, अर्चना सेन ने शुभकामनाएं दी।

100 से अधिक खिलाड़ियों ने उत्तीर्ण की कराते बेल्ट परीक्षा

भोपाल। राजधानी के सेंट थामस स्कूल अयोध्या नगर में कराते की बेल्ट परीक्षा आयोजित की गई। स्पर्धा में राजधानी के लगभग 100 से अधिक खिलाड़ियों ने भागीदारी की और बेल्ट परीक्षा उत्तीर्ण की। इनमें 50 खिलाड़ी सेंट थामस स्कूल के थे। सभी खिलाड़ियों की उपलब्धि पर प्राचार्य फादर रेनी और कोच शिवा सोनी ने बधाई दी है। सभी को प्रमाण पत्र और बेल्ट प्रदान किए गए।

एमसीसीए सीनियर्स की विशाल जीत

भोपाल। बीडीसीए द्वारा आयोजित स्व. हुकुम सिंह ठाकुर स्मृति दो दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता 90 ओवर्स मे शिवांश की घातक गेंदबाजी से एमसीसीए सीनियर्स ने वीएस क्रिकेट अकादमी को 176 रन के विशाल अंतर से हराया। विभागीय ग्रुप में नगर निगम कमिश्नर इलेवन ने डीजीपी इलेवन को हराकर खिताब पर कब्जा जमाया। एमसीसीए सीनियर्स की टीम 62.4 ओवर में 261 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। एमसीसीए सीनियर्स की तरफ से प्रियांशु प्राण ने 74 रन बनाए। वीएस क्रिकेट अकादमी की तरफ से अविरल ने तीन विकेट लिए ।जवाबी पारी खेलने उतरी वीएस अकादमी की टीम 85 रन बनाकर धराशाई हो गई।

खेलो इंडिया गेम्स हॉकी में आरएनटीयू की महिला-पुरुष टीम जीती

भोपाल। आसाम में आयोजित हो रहे चौथे खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2023-24 में रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय आनएनटीयू की महिला और पुरुष हॉकी टीम ने अपने-अपने मुकाबले जीते। महिला हॉकी टीम ने एमडी यूनिवर्सिटी, रोहतक उड़ीसा को 5-0 से हराया। महिला हॉकी टीम से भूमिक्षा साहू ने दो, निशी यादव ने एक और साक्षी जैन ने दो गोल दागे। महिला खिलाड़ियों ने टीम के कोच परमजीत सिंह बरार और मैनेजर अकांक्षा परमार की अगुवाई में शानदार जीत दर्ज की। विश्वविद्यालय की महिला टीम में निशी यादव बीपीईएस, कनक यादव बीपीईएस, रितन्या साहू बीकॉम, निरुपमा देवी थाउनावजम बीपीईएस, अदिति माहेश्वरी बीकाम, भूमिक्षा साहू बीपीईएस, परसदीप कौर बीपीईएस, सामिया अंजुम बीपीईएस, रूपाली सोलंकी बीकॉम योगिता वर्मा बीपीईएस नीधि पचलानिया बीपीईएस, प्रेरणा घोषले बीपीएड ह्रतिका सिंह बीपीईएस, चंचल वर्मा बीपीएड, अंकिता कुशवाहा बीपीएड, साक्षी जैन बीए, मुनमुनी दास बीपीईएस, नेहा साउटा बीपीईएस शामिल हैं। वहीं पुरुष टीम से सुंदरम राजावत, अली अहमद, श्रेयस, आमिद खान और अक्षय दुबे ने एक-एक गोल दागे। पुरुष टीम ने संबलपुर यूनिवर्सिटी, उड़ीसा को 5-4 से हराया। टीम के कोच लोकेंद्र शर्मा और मैनेजर डॉ. हबीब हसन की अगुवाई में शानदार जीत दर्ज की। विश्वविद्यालय की पुरुष वर्ग में अली अहमद बीए, अरहम अंसारी बीए, सद्दाम अहमद बीए, श्रेयस बी धुपे बीकॉम, अंकित पाल बीपीईएस, सुंदरम राजावत बीपीईएस, वैभव खुसलानी बीपीईएस, अभय परिहार बीपीएड, स्वप्निल कावड़कर पीजीडीसीए, शैलेंद्र सिंह बीकॉम, आमिद खान पीजीडीसीए, हिमांशु सनिक बीए, दीपक यादव बीकॉम, आदेश ठाकुर बीपीईएस, सत्यम बर्डे बीए, अवनीश सेन पीजीडीसीए, आकाश दुबे एमपीईएस, अभिजीत महोर बीपीईएस शामिल हैं। टीम की इस जीत पर आरएनटीयू के कुलाधिपति संतोष चौबे, एसजीएसयू के कुलाधिपति डॉ सिद्धार्थ चतुर्वेदी, आरएनटीयू की प्रो.चांसलर डॉ अदिति चतुर्वेदी वत्स ने टीम को बधाई दी।

पुरुष और महिला टीम नॉकआउट में पहुंची

विश्व टेबल टेनिस चैंपियनशिप

बुसान। भारतीय पुरुष और महिला टीमों ने मंगलवार को अपने-अपने अंतिम ग्रुप मुकाबले जीतकर विश्व टीम टेबल टेनिस चैंपियनशिप नॉकाअउट चरण में पहुंच गई है। दक्षिण कोरिया के बुसान में खेले गये मुकाबले में मनिका बत्रा की अगुवाई में भारतीय महिला टीम ने 2-0 से पिछड़ने के बाद स्पेन को 3-2 से हराया। वहीं पुरुष टीम ने न्यूजीलैंड को 3-0 से जीत दर्ज की। इस जीत ने दोनों भारतीय टीमें नॉकआउट चरण में पहुंच गई। भारतीय महिलाएं हंगरी, स्पेन और उज्बेकिस्तान के खिलाफ जीत और ओलंपिक चैंपियन चीन से हार के साथ ग्रुप 1 में दूसरे स्थान पर है। महिला वर्ग के आज दिन में हुए मुकबलों में स्पेन की सोफिया-जुआन झांग ने भारत की मनिका पर 13-11, 6-11, 8-11, 11-9, 11-7 से जीत के साथ स्कोर 2-0 कर दिया था। अयहिका ने तीसरे एकल में एल्विरा रेड को 11-8, 11-13, 11-8, 9-11, 11-4 से हराकर भारत की उम्मीदों को जिंदा रखा।

आईएलटी-20 ने नूर अहमद पर लगाया एक साल का प्रतिबंध

दुबई। अफगानिस्तान के स्पिनर नूर अहमद को शारजाह वॉरियर्स के साथ अपने खिलाड़ी समझौते का उल्लंघन करने के लिए संयुक्त अरब अमीरात के आईएलटी-20 ने 12 महीने के लिए प्रतिबंधित कर दिया गया है। नूर ने वर्ष 2023 में आईएलटी-20 के पहले सत्र के लिए वॉरियर्स के अनुबंध किया था फ्रैंचाइजी ने एक और वर्ष के विस्तार की पेशकश की थी, लेकिन उन्होंने डरबन सुपर जाइंट्स के साथ एसए-20 में खेलने का विकल्प चुनते हुए, रिटेंशन नोटिस पर हस्ताक्षर करने से इनकार कर दिया। आईएलटी-20 के अपने बयान में कहा गया है कि 19 वर्षीय नूर को दूसरे सत्र से पहले 'खिलाड़ी अनुबंध शर्तों के अनुसार समान नियम और शर्तों' पर एक रिटेंशन नोटिस भेजा गया था और उसके हस्ताक्षर करने से इनकार करने के बाद विवाद में हस्तक्षेप के लिए वॉरियर्स ने सीधे लीग से संपर्क किया।

क्रिकेट टी20 में 100 विकेट लेने वाले दूसरे श्रीलंकाई खिलाड़ी बने

हसरंगा ने अफगान के खिलाफ रचा इतिहास

नई दिल्ली (एजेंसी)। श्रीलंका के वानिंदु हसरंगा ने अपने करियर में एक खास उपलब्धि हासिल की है। वह टी20 इंटरनेशनल में 100 विकेट लेने वाले दूसरे श्रीलंकाई खिलाड़ी बन गए हैं। इससे पहले यह कारनामा श्रीलंका के लिए सिर्फ दिग्गज तेज गेंदबाज लसिथ मलिंगा ने किया है। हसरंगा जो वर्तमान में टी20 टीम के कप्तान हैं, उन्होंने दांबुला में अफगानिस्तान के खिलाफ दूसरे टी20 के दौरान यह उपलब्धि हासिल की। 2019 में अपने डेब्यू के बाद से, हसरंगा ने मेंस टी20 में किसी भी अन्य गेंदबाज की तुलना में अधिक विकेट लिए हैं। हसरंगा से पहले, महान लसिथ मलिंगा इस उपलब्धि को हासिल करने वाले एकमात्र श्रीलंकाई गेंदबाज थे। हालांकि, हसरंगा ने सिर्फ 63 मैचों में यह उपलब्धि हासिल की, जिससे वह राशिद खान के बाद 100 टी20 विकेट लेने वाले दूसरे सबसे तेज गेंदबाज बन गए, जिन्होंने 2021 में 53 मैचों में यह उपलब्धि हासिल की थी।

सीरीज में श्रीलंका 2-0 से आगे

चार ओवरों में 2-19 के हसरंगा के प्रभावशाली गेंदबाजी आंकड़ों ने श्रीलंका को अफगानिस्तान पर जीत दिलाने में योगदान दिया, जिससे श्रीलंका को तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की बढ़त मिली। 63 टी20 में कुल 101 विकेट के साथ, हसरंगा का औसत 15.36 और स्ट्राइक रेट 6.78 है। अफगानिस्तान ने दूसरे टी20 में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया था। ऐसे में श्रीलंका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 6 विकेट पर 187 रन बनाए। श्रीलंका के लिए सर्वाधिक 51 रन सीदरा समारविक्रम ने बनाए। इसके अलावा एंजिलो मैथ्यूज ने 22 गेंद में 190 के स्ट्राइक रेट से नाबाद 42 रन ठोके। वहीं अंत में हसरंगा ने 9 गेंदों पर 22 रन की तेज पारी अफगानिस्तान की तरफ से मोहम्मद नबी 2 विकेट लेकर सबसे सफल गेंदबाज रहे। 188 रन के टारगेट का पीछा करते हुए अफगानी टीम 115 रन पर ही सिमट गई। उनकी बल्लेबाजी पूरी तरह से फ्लॉप हो गई। बहरहाल, श्रीलंका 72 रन से मैच जीत गई।

ठाकुर ने दी पदक विजेताओं को बधाई

नई दिल्ली। केन्द्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने एशियाई इंडोर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पदक विजेता एथलीट ज्योति याराजी, हरमिलन बैंस, तजिंदरपाल सिंह तूर को बधाई दी है। ठाकुर ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, एशियाई इंडोर एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2024 में टीम इंडिया का उत्कृष्ट प्रदर्शन रहा है। उन्होंने कहा कि चार स्वर्ण, एक रजत और दो नए राष्ट्रीय इनडोर रिकॉर्ड के साथ हमारा यह अभियान समाप्त हुआ। उन्होंने लिखा, ज्योति याराजी को सलाम, न केवल नया एनआर सेट करने के लिए बल्कि महिलाओं की 60 मीटर बाधा दौड़ में 8.12 समय निकालने के साथ स्वर्ण पदक हासिल किया। तेजिंदर सिह के सशक्त प्रयास के लिए तालियाँ, पुरुषों के शॉटपुट में 19.72 फुट थ्रो के साथ स्वर्ण हासिल किया। हरमिलन बैंस को बधाई, उन्होंने महिलाओं की 1500 मीटर स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर, अपने धैर्य और दृढ़ता का परिचय दिया।

गांव की कहानीः

राम कुमार बेहार

इतिहास को अपने में संजोए बलौदा कस्बा

सरायपाली से 20 कि मी की दूरी पर दक्षिण दिशा में बलौदा कस्बा स्थित है। यह एक प्राचीन नगरी रही है, तथा फुलझर राज्य का पूर्व से महत्वपूर्ण स्थान रहा है। माना जाता है कि उत्तर महाभारत कालीन किसी पांडुवंशी बलदाऊ नामक वीर ने इस स्थान को अपनी राजधानी बनाया होगा। उक्त काल खंड में फुलझर व बोड़ासामर,(ओडिशा) जमींदारियां एक ही रही होंगी। इसी विस्तृत राज्य को फुलझर कहा जाता था, क्योंकि कस्बानुमा नगर था, जो सुरंगी नदी के समीप बसा है। अब यह एक बड़े ग्राम के रूप में विस्तार हो चुका है। इस बलौदा ग्राम को पूर्व के कई राजवंशों ने राजधानी के रूप में उपयोग में लाया था। बलौदा कस्बा पूर्व से ही राजधानी के उपयुक्त अनुकूल भौगोलिक परिस्थितियों से पूर्णतः संपन्न रहा है।

पुस्तक समीक्षा

मानक छत्तीसगढ़ी के व्याकरण

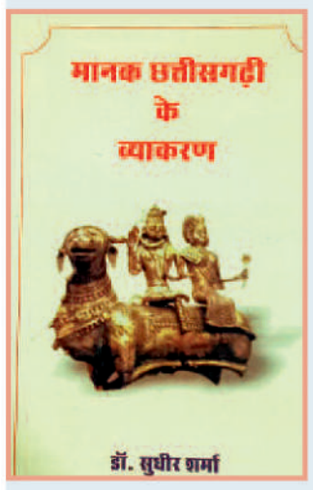

कृति के नाव
मानक छत्तीसगढ़ी के व्याकरण

कृतिकार
डा सुधीर शर्मा

प्रकाशक
वैभव प्रकाशन रायपुर

समीक्षक
श्रीमती आशा ध्रुव

मूल्य
साठ रुपए

शीर्षक ले ही साफ हो जाथे कि ए किताब मानक छत्तीसगढ़ी के व्याकरण हा छत्तीसगढ़ अंचल के बोली भाखा बर लिखे गए हे। ए किताब मा भाषा के मानक रूप, मानक छत्तीसगढ़ी, मानक वर्णमाला, संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया, मानकीकृत छत्तीसगढ़ी लेखन, अनुवाद के तरीका संग व्याकरण के प्रयोग कहां अऊ कईसे करे जाथे वोला विस्तार ले बताए गेहे। छत्तीसगढ़ी सिखैया मन बर बड़ उपयोगी साबित ए किताब होहि।

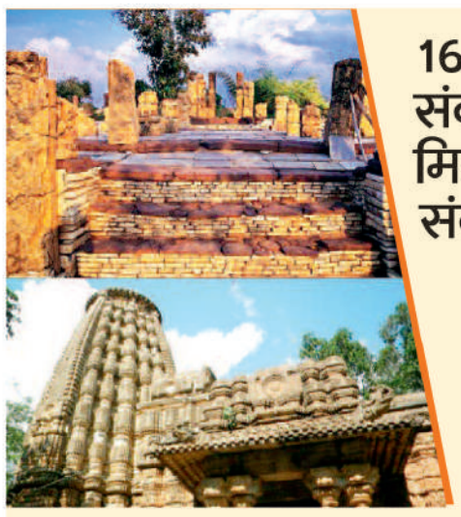

16 वीं शताब्दी के उत्तरार्ध में जब रतनपुर के राजा वृद्ध हो गए, तब उन्हें संबलपुर की सेना द्वारा रतनपुर पर हमला करने की तैयारी की सूचना मिली तब चिंतित राजा ने पहरिया निवासी 20 वर्षीय नेमसिंह को संबलपुर की सेना को पराजित करने की जिम्मेदारी मिली।

चांपा जमींदारी की पृष्ठभूमि

ऐतिहासिकः विद्याविनोद गुप्त

महामाया देवी के आशीर्वाद और आसपास के गांवों के ठाकुर नवयुवकों के सहयोग से संबलपुर की सेना को पराजित ही नहीं किया बल्कि उसकी सेना का सिर काट कर रतनपुर के राजा के सामने रख दिया। उनके इस कार्य से प्रसन्न होकर राजा उन्हें दिन भर में घोड़े पर सवार होकर जितने गांव की परिक्रमा करेगा, उन्हें पुरस्कार में दिए जाने की घोषणा की। इस घोषणा से शुभ लग्न में तोमरवंशी नेम सिंह अपने प्रिय घोड़ी चंपे पर सवार होकर पहरिया से रवाना हुआ और गांवों की परिक्रमा में निकले कई गावों को पार करते नवयुवक की घोड़ी अंतिम समय में घायल होकर गिर पड़ी और सूरज ढलते अंतिम सांस ली। ठाकुर नेमसिंह ने घोड़ी को अंतिम विदाई दी, और दूसरे दिन सुबह होते ही नवयुवक को 65 गांव की जमींदारी प्रदान कर दी। रतनपुर के राजा ने उन्हें दीवान की पदवी दी। नेमसिंह के पौत्र रामसिंह ने मदनपुर जमींदारी का मुख्यालय हसदो नदी के तट पर पर चांपा नगर बसा कर वहां ले आया। नेमसिंह और उनके पुत्र, पौत्र दीवान कहलाते थे, लेकिन अंग्रेजो ने जब रतनपुर पर कब्जा किया और ओडिशा की ओर बढ़े तब उनके इस अभियान में चांपा के दीवान दरियाब सिंह ने सहायता दी थी जिससे उन्हें जमींदार बना दिया गया था।

पर्यटकों को लुभाता राजपुरी जलप्रपात

पर्यटनः लालजी

छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में प्रकृति के अनेक रहस्यों को करीबी से देखा जा सकता है। इससे मन को आत्मिक शांति का अनुभव होता है। इसी कारण देश के कोने कोने से पर्यटक प्रकृति का आनंद लेने यहां पहुंचते रहते हैं। ऐसे ही यहां के एक रहस्यों में राजपुरी जलप्रपात है। यह जलप्रपात जशपुर जिले से 90 कि मी दूरी पर स्थित है। यह जलप्रपात लगभग सौ फीट ऊंचाई से गिरता है। वर्ष भर यह जलप्रपात पर्यटको को अपनी ओर आकर्षित करता है। बरसात के दिनों में यहां दृश्य बहुत अच्छा लगता है।

बिरहोर जनजाति की दिनचर्या

जनजाति विशेषः डा महेश श्रीवास्तव

बिरहोर जनजाति के लोगों द्वारा संपन्न किए जाने वाले वनोपज संग्रहण व्यवसाय को तीसरे आर्थिक व्यवसाय के रूप में शामिल किया जा सकता है। यह जनजाति अपनी दिनचर्या में वनोपज संग्रहण को महत्व देते हैं। यह जनजाति तेंदू पत्ता, सोतराईन पत्ता, चोप, बांस का संग्रहण करते हैं। विभिन्न प्रकार की जड़ें जैसे कोइनार कंद, नेकवा कंद, इठारू कंद आदि का संग्रहण बारिश के मौसम में करते हैं। साग सब्जी के लिए सिरौती की पत्तियां फैंक पेन, बंसारू पान आदि एकत्रित करते हैं। वनों से विभिन्न प्रकार के कंद मूल, फल फूल के अलावा इनके द्वारा मधुरस एकत्र किया जाता है, जिसका स्थानीय बाजार में अच्छी मांग रहती है। इन वनोंपज का कुछ भाग स्वयं उपभोग हेतु बचा कर शेष भाग साहूकारों तथा स्थानीय लोगों को बेच दिया जाता है, ताकि अपनी जीवनोपयोगी संबंधी अन्य आवश्यकताओं की वस्तुएं क्रय कर सकें। वनों से जलाऊ लकड़ी के अलावा ईमारती लकड़ी सुलभता व एकत्रीकरण वर्ष में अधिकांश समय इनके द्वारा की जाती है। इस हेतु साप्ताहिक बाजार में वस्तु विनिमय अथवा मुद्रा विनिमय दोनों ही पद्धति से यह कार्य संपन्न किया जाता है।

छत्तीसगढ़ी नाट्य परंपरा में गम्मत

लोक नाट्यः डा फिरोजा जाफर अली

छत्तीसगढ़ के लोक नाट्य की परंपरा में गम्मत का प्रमुख स्थान है। यह दो रूपों में प्रस्तुत किया जाता है, खड़ी गम्मत तथा बैठ कर गाने बजाने की गम्मत। इसमें प्रहसन की कथा के माध्यम से नाटक के मूल आत्मा तक पहुंच कर समाज में प्रचलित पाखंड, धन लोलुपता, छुआछूत, अंधविश्वास, दहेज, नशाखोरी, बाल विवाह जैसी दशाओं पर ही प्रहार किया जाता है। यह नाचा का महत्वपूर्ण हिस्सा होता है। दो नर्तकों द्वारा गेय संवादों के साथ जोकर, मनोरंजन का कारक कलाकार होता है। मूलतः श्रृंगार विषयक प्रसंगों के साथ बिना किसी पूर्वाभ्यास के स्वस्फूर्त संवादों को मिलाकर गम्मत दर्शकों का मनोविनोद करता है। सामाजिक बुराइयों के दुष्परिणामों पर दर्शकों का ध्यान खींचता गम्मत समकालीन वातावरण की पड़ताल भी करता है।

सुरता

बद्री प्रसाद पारकर

दूब्बर ल दू असाढ

अकाल के बरस मा अमेरिका के लाल ज्वारी कोटा में मिलाय। इहि ज्वारी के रोटी लोगन खावत रिहिन हे। कभू कभू अतेक पानी गिरय नदिया नरवा सब एक मई हो जाय। गांव मन हा पानी में बुड जाय। इहा तक कि नानकुन टापू बन जाय। तब लोगन मन ला कुछू नी सुझय ता दुब्बर बर दू अषाढ़ कहाएं। अईसे विकराल बेरा में अपन गुजर बसर करत रिहीन हे। पहिली माटी के घर रहाय, कतको घर कुरिया हा पूरा मे भसक जाय। जन धन के नुकसान हो जाय। पानी के झमाझम गिरे के सेती घर ले निकलना मुश्किल हो जाय। जऊन गाय गरू मन बुढ़ागे रहाय तेंनला भगवान हा ले जाय। वैसने सियान मन के हाल हो जाय। गांव भर के सियान मन ला बड़ फिकर हो जाय, अब का होही भगवान कहिके मनौती मनाए।

अमूल प्लांट का प्रधानमंत्री करेंगे उद्घाटन आने वाले समय में 30 करोड़ लीटर प्रति वर्ष दूध उत्पादन का लक्ष्य

बनारस की मिठाइयां राष्ट्रीय स्तर पर बनाएंगे पहचान, लालपेड़ा, लौंगलता, गुलाब जामुन, बेसन के लड्डू, काजू कतली सहित दर्जनों मिठाईयां का अमूल में होगा संग्रह

प्रखर वाराणसी। पूर्वांचल में दूध क्रांति आने वाली है। बता दे कि वाराणसी जनपद की जौनपुर सीमा से सेट औद्योगिक विकास क्षेत्र कारखियों में बनास डेरी का प्लांट लगभग बनकर तैयार हो गया है। जिसका उद्घाटन प्रधानमंत्री के हाथों होना है। इसके बाद पूर्वांचल में दुग्ध क्रांति आ जाएगी। लाखों किसानों को इसमें रोजगार मिलेगा। साथ ही नौजवानों को भी भरपूर रोजगार दिया जाएगा। प्रधानमंत्री के उद्घाटन से पूर्व बनास डेरी के अध्यक्ष शंकर चौधरी ने प्रेस वार्ता कर बताया कि प्लांट का निर्माण 30 एकड़ क्षेत्र में किया गया है। इस प्लांट का शिलान्यास वर्ष 2021 में 23 दिसंबर को प्रधानमंत्री के हाथों हुआ था। बनास डेरी वर्तमान में पूर्वांचल क्षेत्र में वाराणसी, मिजार्पुर, गाजीपुर और रायबरेली जिलों से प्रतिदिन लगभग 3 लाख लीटर दूध एकत्र कर रही है और इस प्लांट के चालू होने के बाद बनास डेरी बलिया, चंदौली, वाराणसी, जौनपुर, प्रयागराज व अन्य आसपास के जिलों से दूध एकत्रित करेगी। उन्होंने बताया कि यह परियोजना न केवल 500 लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार प्रदान करेगी। बल्कि 1 लाख लोगों को अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार के अवसर भी सृजित करेगी। बनास डेरी के अध्यक्ष चौधरी ने आगे बताया कि वर्तमान में यूपी में बनास डेरी का दूध का कारोबार 48 जिलों पूर्वांचल के साथ में 4600 गांव में फैला हुआ है। यह दूध संग्रह अगले साल तक 70 जिलों के 7000 गांव तक विस्तारित हो जाएगा। जिसमें पूर्वांचल के 15 नए जिले जिलों का विस्तार भी शामिल है। पूर्वांचल में 1346 से ज्यादा समितियां है। जो आर्थिक वर्ष 2024- 25 तक बढ़कर 2600 समितियां हो जाएगी। बनास डेरी मौजूदा समय में यूपी में 360000 लीटर दूध उत्पादकों के साथ काम कर रही है। इनमें से लगभग 80000 दूध उत्पादक पूर्वांचल एवं 28 हजार दूध उत्पादक वाराणसी के हैं। पूर्वांचल में वर्तमान में खुशीपुरा, चोलापुर, मिजार्पुर, गाजीपुर और दुबेपुर में पांच चिलिंग सेंटर कम कर रहे हैं और अगले महीने तक आठ और चालू हो जाएंगे। यूपी में कुल मिलाकर 29 चिलिंग सेंटर चालू है और आर्थिक वर्ष 2024 -25 में बढ़कर 50 हो जाएंगे। इस बुनियादी ढांचे के माध्यम से वर्तमान में उत्तर प्रदेश में 19 लाख लीटर दूध दिन से अधिक दूध एकत्रित किया जा रहा है। जिसमे वाराणसी से 1.3 लाख लीटर व पूर्वांचल से 3 लाख लीटर प्रति दिन दूध आ रहा है। उत्तर प्रदेश में आर्थिक वर्ष 2024 -25 तक यह संख्या बढ़कर प्रतिदिन 25 लाख लीटर हो जाएगी। जिसमें 9 लाख लीटर प्रतिदिन वाराणसी और पूर्वांचल से आएगा। आगे श्री चौधरी ने बताया कि बनास डेरी पहले से ही पूर्वांचल के आठ जिलों में दूध एकत्र कर रही है। जिसमें 1346 समितियां संगठित की जा चुकी है। इनमें बनास डेरी ने 80000 दूध उत्पादक परिवारों को पंजीकृत किया है ।वर्तमान में बनास डेरी प्रतिदिन 2.93 लाख लीटर दूध एकत्रित कर रही है। जो वर्ष का कुल 6.3 करोड़ लीटर होता है। आर्थिक वर्ष 2024 -25 के लिए बनास डेरी का लक्ष्य पूर्वांचल के 21 जिलों को कर करना है तथा 2600 दूध समितियां का गठन करना भी है। जो 1 लाख दूध उत्पादक परिवारों को पंजीकृत करेगी। आने वाले समय में 3 लाख दूध उत्पादक परिवार बनास डेरी से जुड़ेंगे। बनारस श्री कुश 13 दूध शीतलन केंट बनाकर प्रतिदिन 7 लाख लीटर दूध संग्रह और पूर्वांचल में कुल प्रतिवर्ष 31 करोड़ लीटर तक पहुंचाने की योजना बनाई जा रही है। अन्य ताजा दूध अमूल ब्रांड के तहत राष्ट्रीय बाजारों तक पहुंचाया जाएगा। अन्य ताजा दूध उत्पादों के अलावा बनास डेयरी ने बतास काशी संकुल में प्रतिदिन 10000 किलोग्राम क्षमता की अत्यधिक पारंपरिक भारतीय मिठाइयों के निर्माण की सुविधा स्थापित की है। इस संयंत्र में विभिन्न मिठाइयां जैसे लाल पेडा, लौंगलता, बेसन के लड्डू, मोतीचूर के लड्डू, रसमलाई, रबड़ी, काजू कतली, मिल्क केक, रसगुल्ला और गुलाब जामुन का निर्माण किया जाएगा। इस सभी मिठाइयों का निर्माण यथा संभव स्वचालित रूप से सबसे स्वच्छ वातावरण और उपकरणों से किया जाएगा। ताकि मिठाइयों की लगातार गुणवत्ता सेल्फ लाइफ और पारंपरिक स्वाद बना रहे। साथ इन मिठाइयों को अमूल ब्रांड के तहत राष्ट्रीय बाजारों तक पहुंचाया जाएगा।

गहमर पुलिस ने किया 576 पौवा अंग्रेजी शराब के साथ 1 अभियुक्त को गिरफ्तार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक जनपद गाजीपुर द्वारा अपराध व अपराधियों के विरूद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के कुशल मार्गदर्शन व क्षेत्राधिकारी जमानियाँ के निकट पर्यवेक्षण में बुधवार को रात्रि साढ़े बारह बजे उप निरीक्षक शिवपूजन बिन्द चौकी प्रभारी देवल थाना गहमर गाजीपुर मय हमराह के देखभाल क्षेत्र, चेकिंग संदिग्ध व्यक्ति, वाहन देवल बैरियर से 20 मीटर पहले बहद ग्राम देवल थाना गहमर जनपद गाजीपुर से अभियुक्त शाहिल कुमार पुत्र श्यामता राय निवासी ग्राम लालबहादूर, शास्त्रीनगर नन्द गांव थाना शास्त्रीनगर जिला-पटना बिहार के कब्जे से 12 पेटी में कुल 576 पाउच 8 पीएम अवैध अंग्रेजी शराब कुल 103.68 लीटर तथा एक अदद वाहन विटारा ब्रेजा जिसपर संख्या जेएच 01सीके 9891 का नम्बर लगा है, बरामद किया गया। वाहन के नम्बर प्लेट पर अंकित नम्बर को ई-चालान एप के माध्यम से मोबाईल से देखा गया तो उपरोक्त वाहन पंकज विश्वकर्मा पुत्र राजकुमार निवासी वार्ड नं0 20 भागलपुर टडवा दिखा रहा है, जिसमें मोबाईल पर वार्ता किया गया तो वाहन स्वामी पंकज विश्वकर्मा द्वारा बताया गया कि मेरी गाड़ी मेरे दरवाजे पर वर्तमान समय में खड़ी है। जिसको तस्दीक करने के लिये व्हाट्सएप वीडियो कालिंग से देखकर तस्दीक किया गया तो मुकदमा उपरोक्त में पकड़ा गया वाहन दरवाजे पर खड़ी दिखाई दिया। तस्दीक होने पर वाहन विटारा ब्रेजा जिसपर फर्जी वाहन सं0 व चेचिस न0 उखड़ा हुआ बरामद किया गया। जिसके सम्बन्ध में थाना स्थानीय पर मु0अ0स0 28/2024 धारा 411, 420, 467, 468, 471 भादवि व 60/72 आबकारी अधिनियम का अभियोग पंजीकृत कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है । गिरफ्तार करने वाली पुलिल टीम में उप निरीक्षक शिवपूजन बिन्द चौकी प्रभारी देवल थाना गहमर, हेड कांस्टेबल सुभाष कुमार चौकी देवल थाना गहमर, कांस्टेबल विनोद गौड़ चौकी देवल थाना गहमर, कांस्टेबल मनोज कुमार चौकी देवल थाना गहमर, कांस्टेबल शिवकुमार पाल चौकी देवल थाना गहमर, कांस्टेबल अंकित कुशवाहा चौकी देवल थाना गहमर जनपद गाजीपुर शामिल रहे।

91 हजार 5 सौ नगद 8 मोबाईल तथा 6 मोटरसाईकिल सहित 6 जुआड़ी करण्डा पुलिस के गिरफ्त में

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक जनपद गाजीपुर के द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक नगर के कुशल निर्देशन में व श्रीमान क्षेत्राधिकारी नगर के मार्गदर्शन मे मंगलवार को गोशन्देपुर नोकुल का पुरा गंगा नदी के किनारे थाना करण्डा जनपद गाजीपुर के 06 नफर अभियुक्तगण के कब्जे से ताश के 52 पत्ते, फड पर नगद 65800 रुपये तथा जामा तलाशी से 25700 रुपये तथा 8 अदद मोबाईल तथा 06 अदद मोटर साइकिल व एक अदद सोलर टार्च के साथ मौके से समय लगभग सायं 10 बजे गिरफ्तार किया गया। अभियुक्तों में अरूण कुमार सिंह पुत्र स्व0 नथुनी सिंह नि0 ग्राम गोशन्देपुर थाना करण्डा जनपद गाजीपुर उम्र करीब 48 वर्ष, ओमप्रकाश सिंह पुत्र दयानन्द सिंह नि0 ग्राम गोशन्देपुर थाना करण्डा जनपद गाजीपुर उम्र करीब 38 वर्ष, अमित सिंह पुत्र बृजनाथ सिंह नि0 ग्राम गोशन्देपुर थाना

करण्डा जनपद गाजीपुर उम्र करीब 35 वर्ष, हरेन्द्र कुमार सिंह पुत्र कृपाशंकर सिंह नि0 ग्राम मैनपुर थाना करण्डा जनपद गाजीपुर उम्र करीब 30 वर्ष, सम्प्रति सिंह पुत्र स्व0 विजेन्द्र नाथ सिंह निवासी ग्राम मैनपुर थाना करण्डा जनपद गाजीपुर उम्र करीब 32 वर्ष, अभिषेक कुमार दुबे उर्फ सोनू पुत्र दीनानाथ दुबे निवासी ग्राम गोशन्देपुर थाना करण्डा जनपद गाजीपुर शामिल रहे। उक्त अभियुक्तगण को गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही की जा रही है। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक रामसजन नागर थाना करण्डा, उप निरीक्षक राजेश गिरि थाना करण्डा, हेड कांस्टेबल आशुतोष पाण्डेय थाना करण्डा, हेड कांस्टेबल रामप्रताप सिंह थाना करण्डा, हेड कांस्टेबल गिरजाशंकर पटेल थाना करण्डा, कांस्टेबल शिवकुमार मौर्य थाना करण्डा, कांस्टेबल मयंक कुमार सिंह थाना करण्डा, कांस्टेबल शिवम शर्मा थाना करण्डा जनपद गाजीपुर रहे।

रामलाल का दर्शन कर कार्यकर्ताओं के साथ अभिभूत हुए विधायक व जिला अध्यक्ष

प्रखर गोरखपुर। अयोध्या में श्री राम लाल के दर्शन अभियान के क्रम में बुधवार को भाजपा कार्यकताओं ने प्रभु श्री राम का दर्शन किया। रामलला दर्शन का भाव विह्वल कार्यकताओं ने कहा कि जीवन धन हो गया। उन्होंने कहा कि भव्य श्री राम मंदिर और विकसित अयोध्या मानस पटेल पर अंकित हो गई। गौरतलब हो कि अयोध्या में रामलाल की प्राण प्रतिष्ठा के बाद भाजपा देश भर से कार्यकताओं और आम लोगों को अयोध्या ले जाकर प्रभु श्री राम का दर्शन पूजन अभियान प्रारंभ किया है। बुधवार को मुरारी इंटर कालेज सहजनवा के सामने पांच बसों में लगभग 400 भाजपा कार्यकर्ता श्रीराम का जय घोष करते हुए विधायक प्रदीप शुक्ला व जिला अध्यक्ष युधिष्ठिर सिंह के नेतृत्व में अयोध्या के लिए रवाना हुए। हनुमान चालीसा का पाठ कर आध्यात्मिक यात्रा का आनंद उठाया। विधायक प्रदीप शुक्ला ने कहा कि हम सब का सौभाग्य है प्रभु श्री राम का दर्शन किया भावुकता से बोले हमरे मोदी योगी देन सदियों के संघर्ष और लंबी प्रतीक्षा के बाद मानवता के आदर्श भगवान श्री राम पुनः अपने भव्य दिव्य मंदिर में प्रतिष्ठित हो गए हैं।जिलाध्यक्ष ने कहां अयोध्या में रामलला के दिव्य मन्दिर में आना हमारा गौरव वापस लौटा है। भव्य दिव्य रामन्दिर का निर्माण कराकर पांच सौ वर्षो के सपनों को पूरा किए है।राम लाल का दर्शन करने वालो मैं जिला महामंत्री डा आर डी सिंह,ब्लाक प्रमुख दिलीप यादव,जिला उपाध्यक्ष छोटेलाल मौर्य,राम उजिगर शुक्ला,मनोज सिंह, मंडल अध्यक्ष नरेंद्र शुक्ला,शिवचरण प्रसाद,रमेंद्र नाथ मिश्रा,मनोज जायसवाल रविंद्र तिवारी श्याम बिहारी त्रिपाठी, के के त्रिपाठी,गोपाल गुप्ता, रामप्रकाश यादव,राजू पांडेय,अमन श्रीवास्तव सहित कार्यकर्ता शामिल थे।

राष्ट्रपति से उपाधी ग्रहण पहली बार पैतृक जनपद आने पर डा. प्रीति गुप्ता का हुआ सम्मान

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। लिवर और पित्त विज्ञान संस्थान नई दिल्ली मे तैनात लिवर रोग विशेषज्ञ डा प्रीति गुप्ता का विगत 27 दिसम्बर को देश की राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू से उपाधि ग्रहण कर प्रथम बार पैतृक जनपद आने पर उनके बीकापुर स्थित नवनिर्मित आवास पर भाजपा कार्यकताओं में जिला महामंत्री दयाशंकर पांडेय, अच्छेलाल गुप्ता और शशिकान्त शर्मा के नेतृत्व में जिले की प्रतिभाशाली बेटी का अंगवस्त्र और पुष्प गुच्छ भेंट कर सम्मानित किया। बताते चलें कि गाजीपुर रेलवे स्टेशन स्थित डा पीसी गुप्ता कि पुत्री डा प्रीति गुप्ता एमबीबीएस, एमडी की पढ़ाई के बाद डॉक्टरेट ऑफ मेडिसिन हिपैटोलाजी मे प्रथम स्थान प्राप्त करने तथा अपनी इस विषय विधा की देश में दूसरी महिला डाक्टर है जिन्हें राष्ट्रपति से सम्मानित होने का गौरव प्राप्त हुआ है। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी शशिकान्त शर्मा ने कहा कि डा प्रीति गुप्ता ने पूर्वांचल की मिट्टी की सुगंध जम्मू कश्मीर के उप राज्यपाल मा मनोज सिन्हा के उदगार "देश रहूं विदेश रहू रउवे कहाइब" से प्रेरित अपनी जन्मभूमि के लोगों के लिए कुछ करना

चाहती है। सम्मान से अविभूत आईएलबीएस दिल्ली से पढ़कर उसी संस्थान के चिकित्सालय में सेवा प्रदान कर रही डा प्रीति गुप्ता ने कहा कि सेवा का यह क्षेत्र आज पूरी तरह से व्यवसायिक हो गया है। शिक्षा पूरी कर लखनऊ और वाराणसी के कई छोटे बड़े चिकित्सा संस्थानों में हमने जाने के बाद यह निर्णय लिया कि दिल्ली में रहते हुए अपने जनपद के लोगों की सेवा के लिए जिले से जुड़कर चिकित्सा सेवा करुंगी। क्योंकि यह मेरे माता-पिता का सपना है। इस अवसर पर सम्मानित करने वाले लोगों में गोपाल राय, मनोज बिन्द, मुरली कुशवाहा, राम जी बलवंत, संजय कुमार बिंद, विनोद राय, सुनील राय, मुजीबुर्रहमान आदि मौजूद रहे।

अच्छे लोगों के वोट से बनती है अच्छी सरकार : प्रो. ए.के. त्यागी

अपने साथ-साथ अपने परिवार को भी लाएं पोलिंग बूथ तक : नीलू मिश्रा, राष्ट्रीय सेवा योजना, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ ने निकाली मतदान शपथ एवं जागरूकता अभियान रैली

वाराणसी। राष्ट्रीय सेवा योजना, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ की ओर से बुधवार को युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित "मतदान शपथ एवं जागरूकता अभियान रैली" का आयोजन किया गया। इस दौरान कुलपति प्रो. आनंद कुमार त्यागी ने कहा कि छात्रों को जरूर मतदान करना चाहिए। अच्छे, पढ़े-लिखे लोग मतदान करते हैं तभी अच्छी सरकार बनती है। साथ ही उन्होंने ने छात्रों से सरकार के वोटर हेल्प लाइन एप के माध्यम से अपना वोटर आईडी कार्ड बनाने की भी अपील की। उन्होंने कहा कि ज्यादा से ज्यादा मतदान करें एवं योग्य प्रत्याशी का चयन करें। कार्यक्रम के तहत कुलपति ने पंत प्रशासनिक भवन के पास छात्रों को मतदान की शपथ दिलाई और जागरूकता अभियान रैली को झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने छात्रों को मतादाता शपथ- "हम अपने देश की लोकतांत्रिक परंपराओं की मयार्दा को बनाए रखेंगे तथा स्वतंत्र,निष्पक्ष एवं

शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को अक्षुण रखते हुए निर्भीक होकर धर्म, वर्ग, जाति समुदाय, भाषा से प्रभावित हुए बिना सभी निर्वाचनों में अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे" दिलाई। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि अंतर राष्ट्रीय एथलीट एवं मतदान जागरूकता अभियान की ब्रांड एम्बेसडर नीलू मिश्रा ने मतदान का अधिकार, वोटर हेल्प लाइन एप, स्मार्ट काशी एवं स्वच्छ काशी ऐप के बारे में बताया जागरूक करते चल रहे थे। रैली गांधी अध्ययन पीठ पहुंचकर एक सभा के रूप में तब्दील हो गई। सभा में एन.एस.एस समन्वयक डॉ. रविंद्र कुमार गौतम ने राष्ट्रीय सेवा योजना के बारे में विस्तार पूर्वक बताया तथा ज्यादा से ज्यादा मतदान कर मतदान का औसत बढ़ाने के लिए वालंटियर को प्रेरित किया। संचालन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. बालरूप यादव एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. शशि प्रकाश ने किया। इस मौके पर कुलसचिव डॉ. सुनीता पांडेय, कलानुशासक प्रो. अमिता सिंह, छात्र कल्याण संकायाअध्यक्ष प्रो. के के सिंह, उपकुलसचिव हरीश चंद, प्रो. आनन्द शंकर चौधरी, डॉ. अंबुज कुमार मिश्रा, डॉ. शशि प्रकाश, डॉ. अनीता, डॉ. सुनीता, डॉ. पारिजात सौरभ आदि उपस्थित रहे।

शिक्षक एक कुम्हार की तरह होता है : प्राचार्य प्रोफेसर राघवेंद्र पांडेय

पराऊगंज। कुटीर पीजी कालेज चक्के मे राष्ट्रीय सेवा योजना के तीनों इकाइयों के सात दिवसीय विशेष शिविर शुभारंभ अवसर पर संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि प्राचार्य प्रोफेसर राघवेंद्र कुमार पांडेय ने कहा कि बेटियां समाजोत्थान के लिए हर क्षेत्र में आगे आकर अपनी भूमिका निभा रही है उदेश्य एवं लक्ष्य को रेखांकित करते हुए कहा कि छात्र केवल डिग्री के चक्कर में शिक्षा ग्रहण ना करें बल्कि ज्ञानवान बनने के लिए शिक्षा ग्रहण करें। शिक्षक एक कुम्हार की तरह होता है राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम से होता है स्वयं सेवकों में राष्ट्रीय चेतना का जागरण कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे डॉ एनपी मिश्र ने सभी शिविराथीयों को शिविर कैसे करे का विस्तार पूर्वक चर्चा किया। संतोष कुमार दुबे ने शिवरात्रियों को संबोधित किया। कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर मां सरस्वती एवं पूज्यनीय संस्थापक के प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर हुआ। कार्यक्रम अधिकारी डॉ संजय

यादव ने आए हुए अतिथियों के प्रति आभार प्रकट किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ श्रीनिवास तिवारी ने किया। इस अवसर पर पूर्व स्वयंसेवक संतोष कुमार दुबे कृष्ण कुमार मिश्र अखिलेश मिश्र आदि लोग उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

60 किलो गोमांस, लोहे व लकड़ी का ठीहा, कुल्हड़ी, चाकू, राड सहित 2 अभियुक्त गिरफ्तार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक गाजीपुर के आदेश क्रम में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के कुशल मार्गदर्शन व क्षेत्राधिकारी जमानिया के निकट पर्यवेक्षण में मंगलवार को समय सायं साढ़े 8 बजे उप निरीक्षक विकास सिंह मय हमराह द्वारा मैनुद्दीन के बगीचा के पास खेत में बहद ग्राम बारा थाना गहमर जनपद गाजीपुर के पास से 02 नफर अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया तथा कब्जे से 60 किग्रा गो मांस व आला कत्ल लोहे की एक अदद, ठीहा एक अदद लकड़ी का, एक अदद कुल्हाड़ी, एक अदद चाकू, एक अदद राड नुकिली, एक अदद पत्थर का बटखरा, एक अदद रस्सी बरामद किया गया तथा जिसके सम्बन्ध में थाना स्थानीय पर मु0अ0स0 31/2024 धारा 3/5अ/8 गोवध निवारण अधि0 429 भादवि का अभियोग पंजीकृत कर आवश्यक कार्यवाही की जा रही है। गिरफ्तार अभियुक्तो में आफताब कुरैशी पुत्र स्व० हफीजुल्ला कुरैशी निवासी ग्राम बारा रकबा पर थाना गहमर जनपद गाजीपुर उम्र 53 वर्ष, आजाद कुरैशी उर्फ भोलु पुत्र आफताब कुरैशी निवासी ग्राम बारा रकचा पर थाना गहमर जनपद गाजीपुर उम्र 27 वर्ष रहे गिरफ्तार करने वाली टीम में उप निरीक्षक विकास सिंह थाना गहमर, हेड कांस्टेबल विनोद कुमार चौकी बारा थाना गहमर, कांस्टेबल सुधांशु पादव चौकी बारा थाना गहमर, कांस्टेबल अभिषेक शुक्ला चौकी बारा थाना गहमर, कांस्टेबल बालेन्द्र यादव चौकी बारा थाना गहमर, कांस्टेबल प्रमोद कुमार चौकी बारा थाना गहमर, कांस्टेबल सुशील गौड़ चौकी बारा थाना गहमर गाजीपुर शामिल रहे।

नाबालिक किशोरी के बलात्कार का वांछित चढ़ा सादात पुलिस के रडार पर

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक गाजीपुर के द्वारा, अपर पुलिस अधीक्षक नगर के पर्वेक्षण में एवं क्षेत्राधिकारी सैदपुर के कुशल निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के अन्तर्गत अभियुक्त द्वारा नाबालिंग लड़की के साथ दूराचार करने के सम्बन्ध में थाना सादात जनपद गाजीपुर पर पंजीकृत मु0अ0सं0 16/2024 354, 376अ ब आईपीसी व 5एम/6 पाक्सो एक्ट से संबन्धित वांछित अभियुक्त चन्द्रभान राजभर पुत्र बाल किशुन राजभर निवासी ग्राम करमदेवपुर थाना सादात जनपद गाजीपुर को थाना सादात पुलिस द्वारा बुधवार को समय 08.30 बजे रेलवे स्टेशन सादात के पास से गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त के विरुद्ध नियमानुसार विधिक कार्यवाही की जा रही है। गिरफ्तारी मे शामिल पुलिस टीम में थानाध्यक्ष आलोक त्रिपाठी थाना सादात, उप निरीक्षक सुरेन्द्र कुमार थाना सादात, कांस्टेबल लोकनाथ यादव थाना सादात, कांस्टेबल संदीप यादव थाना सादात, गाजीपुर शामिल रहे।

स्टाप सेंटर के पुलिस अभिरक्षा से दो किशोरी फरार, देर शाम मिली

जौनपुर। सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के करंजाकला ब्लॉक में स्थित सखी वन स्टाफ सेंटर से मंगलवार की सुबह मेडिकल के लिए आई दो किशोरी पुलिस अभिरक्षा से फरार हो गई। जानकारी के बाद प्रशासन के हाथ पांव फूल गए। वहीं जानकारी के बाद पुलिस अधीक्षक, क्राइम ब्रांच और दो थाने की फोर्स किशोरी की खोज के लिए लगा दी गई। जिन्हे देर शाम अलग अलग जगह से बरामद किया गया है। करंजाकला ब्लॉक में स्थित सखी वन स्टाफ सेंटर में दो सप्ताह पूर्व थाना खेतासराय और सिकरारा से दो किशोरी छेड़खानी व दुष्कर्म के मामले में मेडिकल परीक्षण और बयान के लिए लाई गई थी। जिन्हें पुलिस अभिरक्षा में वन स्टाफ सेंटर में रखा गया था। मंगलवार की सुबह 8 बजे मुख्य गेट को बंद कर दीवाल फांदते हुए फरार हो गई। इसकी जानकारी जैसे ही प्रशासन को मिली प्रशासन के हाथ पाव फूल गए। जानकारी के तुरंत बाद पुलिस अधीक्षक अजय पाल शर्मा क्राइम ब्रांच के साथ सरायख्वाजा और खेतासरय पुलिस फोर्स मौके पर पहुंच गई। वहां पर मौजूद कर्मचारियों को पुलिस अधीक्षक ने डांट फटकार लगाते हुए थाना प्रभारी को निर्देश दिया कि जल्द से जल्द किशोरियों की बरामदगी की जाए। पुलिस भी सक्रिय हो गई आसपास के बाजारों में लगे सीसीटीवी फुटेज कैमरा से दोनों लड़कियों को कोठवार बाजार में देखा गया जहां पर वह किसी युवक की मोबाइल मागकर फोन लगाते हुए दिखाई दी। जिसके बाद पुलिस का शक और बढ़ गया उन्होंने जांच पड़ताल की तो उन्हें एक किशोरी को मेहरवा और दूसरी को खेतासराय से बरामद कर लिया गया।

अपने अधिकार तथा हक की लड़ाई के लिए महिलाएं चौखट से बाहर निकले : शीला यादव

प्रखर संतकबीरनगर। महिलाएं आज हर क्षेत्र में अपना परचम लहरा रही है वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में लोक लाज में घर में कैद हो कर अत्याचार सह रही है महिलाएं चौखट से बाहर निकले और अत्याचार के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद करें। उक्त बातें बुद्धवार को खलीलाबाद के चिलौना में भारतीय महिला महा सभा द्वारा आयोजित बैठक को सम्बोधित करती संगठन के प्रदेश अध्यक्ष शीला यादव ने कही, उन्होंने कहा कि संगठन का महिलाओं को जागरूक करने का प्रमुख लक्ष है महिलाओं को जागरूक कर उनके हक व अधिकार की लड़ाई आर-पार होगी, उन्होंने कार्यकताओं को आगाह करते हुए कहा भ्रष्टाचार व उत्पीड़न की घटनाओं पर पैनी नजर रखे और सूची बना लें सभी मामलों को लेकर सम्बन्धित अधिकारियों से मिलकर न्याय की मांग किया जाएगा, न्याय न मिलने पर बृहद आन्दोलन संगठन द्वारा किया जायेगा। बैठक की अध्यक्षता माधुरी गौतम तथा संचालन वंदना यादव ने किया। बैठक में प्रमुख रूप से संरक्षक गण इंद्रमणि गौतम, कृष्ण कुमार निर्भीक, दिग्विजय गोस्वामी, मीरा मिश्रा, सुनीता शर्मा, कुसुम चौहान, अनीता गायत्री शर्मा, बर्फी देवी, सावित्री देवी, प्रमिला देवी, सुशीला देवी, राजमती देवी, रेशमा देवी, गुजराती देवी, चंद्रकला देवी, कंचन, इसरावती देवी, सहित तमाम लोग उपस्थित रहे।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं